हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 20 सितंबर 2026

JAI BABA KISHARAM ENTERPRISES

AUTHORISED DISTRIBUTOR (C.G.) Mr. Rajesh Vaswani 9893090009

7828002600, 9575832859, 9893314137

LAXMI ELECTRONICS & SHOPPING MALL

Malviya Road, Raipur, Ph: 0771-2210000 Mo: 7000477757

Main Road, Katora Talab, Raipur, Mo: 9826139800

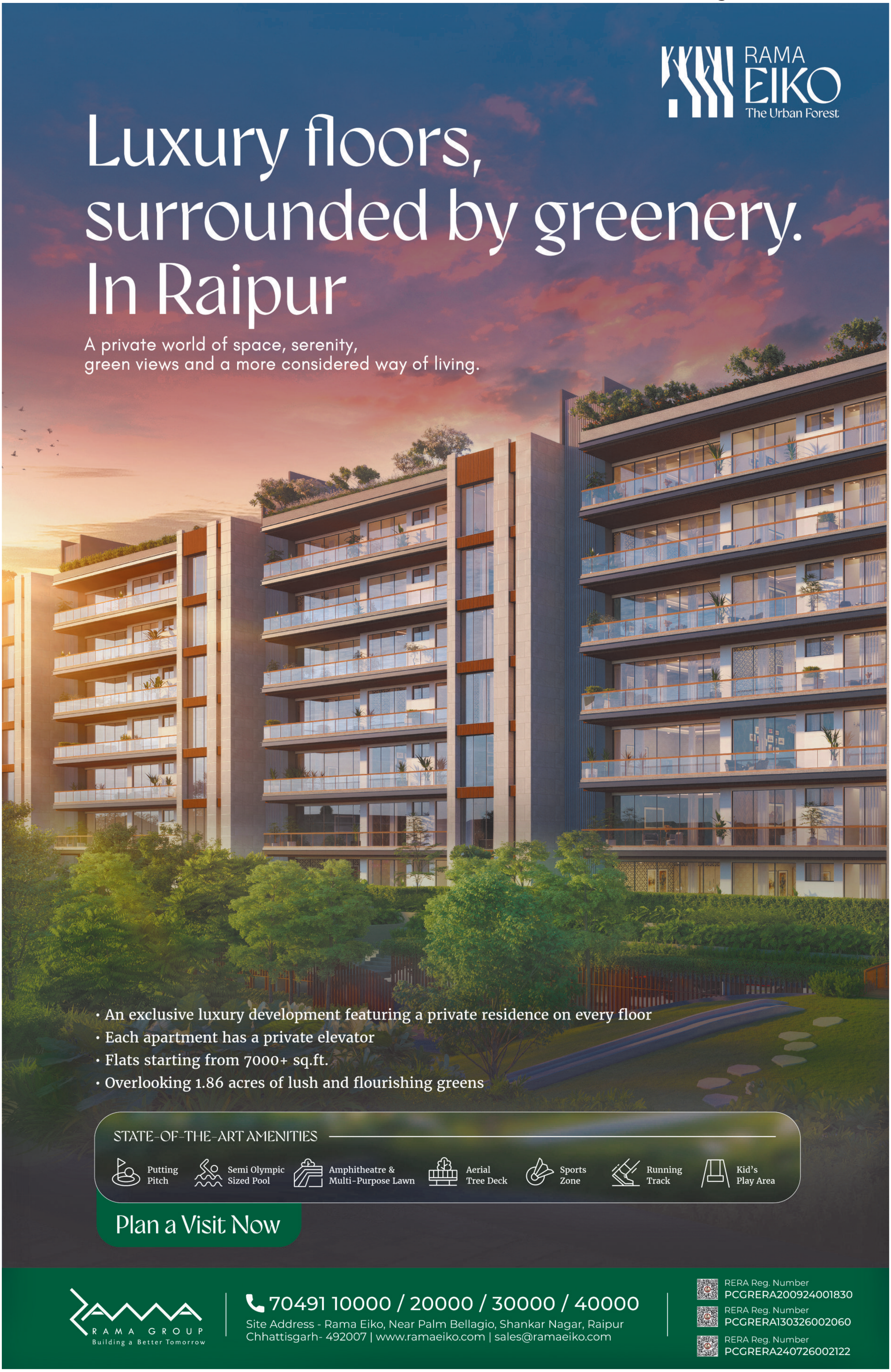
RAMA EIKO
The Urban Forest
Luxury floors, surrounded by greenery. In Raipur
A private world of space, serenity, green views and a more considered way of living.
• An exclusive luxury development featuring a private residence on every floor
• Each apartment has a private elevator
• Flats starting from 7000+ sq.ft.
• Overlooking 1.86 acres of lush and flourishing greens
STATE-OF-THE-ART AMENITIES
Putting Pitch
Semi Olympic Sized Pool
Amphitheatre & Multi-Purpose Lawn
Aerial Tree Deck
Sports Zone
Running Track
Kid's Play Area
Plan a Visit Now
RAMA GROUP
Building a Better Tomorrow
70491 10000 / 20000 / 30000 / 40000
Site Address - Rama Eiko, Near Palm Bellagio, Shankar Nagar, Raipur
Chhattisgarh- 492007 | www.ramaeiko.com | sales@ramaeiko.com
RERA Reg. Number
PCGRERA200924001830
RERA Reg. Number
PCGRERA130326002060
RERA Reg. Number
PCGRERA240726002122

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 20 सितंबर 2026

झीरम नरसंहार... गणपति, रमन्ना की सहमति से हुआ, सुरेंदर व देवा ने तय की एंबुश की जगह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

झीरम नरसंहार पर आरोपियों को मौत की सजा देने का आधार जो साक्ष्य बना उसमें एक आत्मसमर्पित नक्सली के बयान की बड़ी भूमिका रही है। 2013 में आत्मसमर्पित नक्सली सिम्बाला रविंदर बटालियन कमांडर था। हमले को लेकर हुई बड़ी बैठक का उसने ब्योरा दिया है। डीआरजी में बतौर आरक्षक पदस्थ पूर्व आत्मसमर्पित नक्सली सिम्बाला रविंदर ने अपने बयान में बताया कि वह वर्ष 1990 में पीपुल्स वार पार्टी ऑफ कम्युनिस्ट में शामिल होकर दण्डकारण्य में कार्य कर रहा था। वर्ष 1993 से मिलिट्री दलम का डिप्टी कमाण्डर था तथा वर्ष 1995 में प्लाटून कमाण्डर तथा वर्ष 2013 बटालियन कमाण्डर था।

कोर्ट को दिए अपने बयान में उसने बताया कि झीरमघाटी घटना से पूर्व टीसीओसी की बैठक हुई थी, जिसमें देवजी, श्याम, रमेश, वेंकटेश, मेनक्का, माधवी, हिड़मा व सुरेंदर समेत अन्य शामिल हुए थे। इस बैठक में भर्ती, ट्रेनिंग, हमला, एजुकेशन डिप्लॉयमेंट एवं साउथ रिजन इन्फ्रेंट कमांड ने चर्चा की थी कि किस एरिया में कौन कौन सी कम्पनी जाएगी। इस बैठक में वेंकटेश को गंगालूर तथा श्याम व सुरेंदर को दरभा डिवीजन की जिम्मेदारी दी गई थी। दरभा डिवीजन में हमले के लिए सीआरसी की प्लाटून कंपनी दो के दो सेक्शन और दरभा डिवीजन के लोग हमले में शामिल होने ▶▶|शेष पेज 6 पर

कानूनी जंग और फैसले पर हरिभूमि लगातार...

- नरसंहार से पूर्व सेण्ट्रल कमेटी की बैठक में हमले का तैयार किया गया था खाका
- देवजी व गणेश उइके ने अलग अलग प्लाटून को हमले के लिए बुलाया था

सुरेंदर को दी गई थी टीसीओसी की जिम्मेदारी एक सप्ताह चली बैठक

हमले से पूर्व टीसीओसी की जिम्मेदारी दरभा डिवीजन कमेटी के सचिव सुरेंदर को दी गई थी। वहीं देवजी ने सुरेंदर व देवा को रेकी कर एम्बुश की जगह चुनकर रिपोर्ट देने कहा गया था। हमले के लिए एसजेडसी श्याम व सुरेंदर को सामान एकत्रित करने व रिपोर्ट आने के बाद देने कहा गया था। एनआईए की रिपोर्ट में कहा ▶▶|शेष पेज 6 पर

नक्सल लीडर गणपति-रमन्ना ने दी अंतिम मंजूरी

कोर्ट ने एनआईए की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि घटना को अंजाम देने के लिए सप्ताह पूर्व पूरी रणनीति तैयार कर ली थी। इसके लिए गुम्मरका के जंगल में सेण्ट्रल कमेटी की बैठक की गई थी। इस बैठक के बाद हमले के लिए फाइनल मंजूरी शीर्ष नक्सल लीडर गणपति व रमन्ना ने दी थी। एनआईए की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है कि झीरम घाटी हमले को अंजाम देने के लिए काफी पहले से तैयारी की जा रही थी। इसके लिए कई दौर की बैठक अलग अलग स्थानों में करने के बाद हमले के सप्ताह भर पूर्व पूरा खाका तैयार कर हमले की जगह व लाल लड़ाकों के लिए हथियार व रसद की व्यवस्था कर ली गई थी। एनआईए कोर्ट ने फैसले के पेज नम्बर 116 में इस बात का उल्लेख किया है कि झीरम नरसंहार को अंजाम देने के लिए दरभा डिविजनल कमेटी मेंबर सुरेंदर व देवा ने टीसीओसी (टैक्टिकल काउटंर ऑफेंसिव कैपेंन) के दौरान बैठक आयोजित की गई थी जिसमें दरभा डिवीजन में बड़ी घटना करने का प्रस्ताव रखा गया था। इस हमले के लिए देवजी व गणेश उइके की मौजूदगी में सीआरसी कम्पनी 26 के दो प्लाटून जयलाल के साथ और जोनल कम्पनी नम्बर टू से एक प्लाटून दरभा डिवीजन के टीसीओसी के लिए भेजने का निर्णय लिया गया था।

एक और बहस... गृहमंत्री ने भूपेश को दी नक्सलवाद पर चर्चा की चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- सीएम को तारा कोल ब्लॉक पर बहस की चुनौती : भूपेश

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को प्रधानमंत्री आवास योजना के बाद अब नक्सलवाद के मुद्दे पर सार्वजनिक बहस की चुनौती दी है। श्री शमा्र ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर केवल घड़ियाली आंसू बहाती है। कांग्रेस नेताओं को स्पष्ट करना चाहिए, कैसा न्याय चाहते हैं? उन्होंने पूर्व सीएम भूपेश पर निशाना साधा और कहा, उनकी जेब से सबूत ▶▶|शेष पेज 6 पर

बघेल ने साय को दी थी चुनौती

उल्लेखनीय है कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने शुक्रवार को तारा कोल ब्लॉक की नीलामी को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, सरकार इस मामले में जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर रही है। कांग्रेस सरकार के समय हसदेव अरण्य क्षेत्र के कई कोल ब्लॉकों को नीलामी से बाहर रखने की प्रक्रिया की गई थी। सीएम साय के 11 दिसंबर 2025 के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि इसी पत्र के बाद तारा कोल ब्लॉक को दोबारा नीलामी प्रक्रिया में शामिल करने की कार्रवाई आगे ▶▶|शेष पेज 6 पर

कांग्रेस के मुताबिक पीड़ितों को मिला अधूरा न्याय

झीरम फैसले पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, भूपेश बोले, असली गुनहगारों तक नहीं पहुंची एनआईए

झीरम कांड में आए फैसले के विरोध में कांग्रेस ने इसे अधूरा न्याय बताते हुए न्याय के लिए आगे की लड़ाई लड़ने की बात कही है। कांग्रेस के मुताबिक झीरम कांड में जो फैसला आया है, उसमें असली गुनाहगारों को बचाया गया है। कई लोगों से जो उस मामले में जुड़े हुए हैं, उनसे पूछताछ भी नहीं की गई। जिन लोगों को पकड़कर सजा सुनाई गई है, वो बेकसूर हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

फैसले को लेकर दिल्ली में एक बड़ी प्रेसवार्ता रखी जाएगी। साथ ही साथ कानूनी विशेषज्ञों से राय लेकर फैसले को कांग्रेस चुनौती देगी। भूपेश बघेल ने कहा, हम इस घटना और इससे जुड़े फैसले को लेकर हाईकमान को अवगत कराएंगे क्योंकि उनको घटना के बारे में पूरी जानकारी है। उनसे मार्गदर्शन लेंगे और वकीलों से मिलकर आगे की रणनीति तैयार करेंगे.इसके बाद इस गंभीर मामले में अगला ▶▶|शेष पेज 6 पर

बड़े नक्सलियों के नाम हटा दिए

उन्होंने कहा, 120 बी धारा है जिसमें षड़यंत्र करने की धारा लगती है, लेकिन आज 13 साल बाद हमें एनआईए ये बताए कि षड़यंत्र को लेकर ये किस तरह से जांच किए हैं। आज षड़यंत्र को लेकर किसी तरह का साक्ष्य नहीं है। एनआईए ने ही जो बड़े नक्सली शामिल थे उनके नाम हटा दिए और रसद पहुंचाने वालों को आरोपी बना दिया। एजेंसी ने ना तो तात्कालिक सरकार में बैठे लोगों से पूछताछ की और ना ही बड़े नक्सलियों से।

बैज की अध्यक्षता में बनी रणनीति

इससे पहले पीसीसी चीफ दीपक बैज की अध्यक्षता में राजीव भवन में कांग्रेस की बड़ी बैठक आयोजित की गई। बैठक में झीरम नक्सली हमले में आए फैसले और आगे की कानूनी एवं राजनीतिक रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री शिव डहरिया, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, वर्चुअल रूप से पूर्व मंत्री टीएस सिंहदेव, उमेश पटेल, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदु सहित सुशील आनंद शुक्ला, शहीद परिवार के शहीद महेंद्र कर्मा के पुत्र छविन्द्र कर्मा, पूर्व विधायक अनिता शर्मा, जितेन्द्र मुदलियार, शिव सिंह ठाकुर, राजीव नारंग, महादेव नाग, डॉ. शिवनारायण द्विवेदी, ज्ञान गोलछा, सैयद सत्तार अली, हर्षित शर्मा, रामअवतार देवांगन, संतोष शर्मा, अधिवक्ता फैजल रिजवी, सुदीप श्रीवास्तव, डॉ. देवा देवांगन, अमित श्रीवास्तव उपस्थित थे।

महुदा की घटना, 3 घायल

बारिश से बचने के लिए झोपड़ी में रुके, बिजली गिरी, 3 की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

शनिवार शाम मौसम में अचानक आए बदलाव के बीच तेज बारिश के दौरान बलौदा थाना क्षेत्र के महुदा गांव में दर्दनाक हादसा हो गया। बाड़ी में काम कर रहे 6 लोग बारिश से बचने के लिए एक झोपड़ी में रुके हुए थे। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। गाज की चपेट में आने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य झुलसकर घायल हो गए।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शनिवार 19 सितंबर की शाम महुदा क्षेत्र में मौसम अचानक बदला। देखते ही देखते तेज बारिश शुरू हो गई। उस समय कुछ लोग महुदा में बाड़ी में काम कर रहे थे। बारिश से बचने के लिए सभी लोग पास स्थित एक झोपड़ी में जाकर रुक गए। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी। बिजली की चपेट में आने से झोपड़ी में मौजूद लोग बुरी तरह प्रभावित हुए। गाज की चपेट में आने से नरेश खैरवार (24 वर्ष) पिता रामू खैरवार, रामभरोश पटेल (32 वर्ष) पिता कंश राम पटेल और तुलसी राम पटेल (51 वर्ष) पिता बेदराम पटेल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं अंजू पटेल ▶▶|शेष पेज 6 पर

आकाशीय बिजली गिरने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत

अकलतरा। नगर में आकाशीय बिजली गिरने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान दूजराम जाटवर, निवासी बलौदा के रूप में हुई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दूजराम जाटवर खेती के काम से मुरलीडीह आया था और अपने ससुराल में रुका हुआ था। शनिवार शाम करीब 5 बजे वह अकलतरा की ओर आ रहा था। इसी दौरान सीसीआई के पास वह आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया।घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना संबंधित पुलिस को दी गई, जिसके बाद मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हॉस्टल, पीजी की सुरक्षा पहली प्राथमिकता

तीन पदों पर एबीवीपी बागी शौकीन उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के चुनाव में केंद्रीय पैनल के चार पद में से तीन पर जीत दर्ज की, जबकि एनएसयूआई का टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरे बागी प्रत्याशी दीपांशु शौकीन ने उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। ▶▶|शेष पेज 6 पर

ये रहे विजयी

विजयी उम्मीदवारों के नाम

- यश डबास -अध्यक्ष- एबीवीपी
- दीपांशु शौकीन-उपाध्यक्ष निर्दलीय
- रिया छाबड़ी- सचिव एबीवीपी
- लक्ष्य राज -संयुक्त सचिव एबीवीपी

नौ जिलों के वनक्षेत्रों में बाघों के विचरण के मिले प्रमाण

एमपी-महाराष्ट्र में बढ़ा कुनबा, इलाके की खोज में युवा बाघों की छत्तीसगढ़ में दस्तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

राज्य के टाइगर रिजर्व के बाहर पिछले छह महीनों में युवा बाघों का मूवमेंट बढ़ा है। इसका बड़ा कारण पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व में क्षमता से अधिक बाघ होने के कारण वहां के युवा बाघ छत्तीसगढ़ के वनक्षेत्र में नई टेरिटरी की तलाश कर रहे हैं। पड़ोसी राज्य से आने वाले बाघों का सबसे ज्यादा मूवमेंट कबीरधाम जिले के भोरमदेव अभयारण में हो रहा है। ऐसे में बाघों की ▶▶|शेष पेज 6 पर

बाघों के बढ़ते मूवमेंट को देखते हुए यहां जल्द ही केंद्र की टीओटीआर परियोजना लागू करनी होगी

बाघों के मूवमेंट का कर रहे अध्ययन

राज्य में टाइगर रिजर्व के बाहर अन्य जिलों के वनक्षेत्र में बाघों का मूवमेंट बढ़ा है। यह कहना जल्दबाजी होगा कि जो बाघ बढ़े हैं, वे किसी दूसरे प्रदेश से आए टाइगर हैं या अपने टाइगर रिजर्व के। इसका अध्ययन किया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर यहां भी टीओटीआर परियोजना लागू की जाएगी।

- ओपी यादव, पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

इसलिए बढ़ रहा बाघों का मूवमेंट

नर और मादा बाघ अपने-अपने इलाके (टेरिटरी) में अकेले घूमते हैं और गंध या आवाज से अपनी सीमा तय करते हैं। बाघिन गर्भधारण के लिए तैयार होती है तो वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराती है, जिसके बाद दोनों कुछ दिनों के लिए साथ आते हैं। मेटिंग के बाद नर बाघ वापस अपने रास्ते चला जाता है। बच्चों का पालन-पोषण अकेले बाघिन द्वारा सुरक्षित गुफा या घनी झाड़ियों में किया जाता है।

ब्रिक्स सम्मेलन के जरिए भारत ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता की अपनी सोच को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है। इसी बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका और भारत के बीच बढ़ता व्यापारिक तनाव अब केवल टैरिफ की लड़ाई नहीं रह गया है, बल्कि यह ऊर्जा सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक हितों से भी जुड़ गया है। रूस और ईरान से तेल खरीदने वाले देशों पर कड़े दंडात्मक शुल्क लगाने की अमेरिकी पहल ने भारत के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। भारत के लिए रूस से कच्चा तेल महज व्यापार का विषय नहीं, बल्कि बड़ी आबादी की ऊर्जा जरूरतों और घरेलू महंगाई से जुड़ा सवाल है। दूसरी ओर अमेरिका भारत का प्रमुख निर्यात बाजार है, इसलिए ऊंचे अमेरिकी टैरिफ का असर वस्त्र, इंजीनियरिंग, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य निर्यात क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसी बीच डेढ़ साल से लंबित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता निर्णायक मोड़ पर है। अमेरिका बाजार पहुंच और कृषि उत्पादों समेत रूस से तेल खरीद जैसे मुद्दों पर दबाव चाहता है, जबकि भारत किसानों, एमएसएमई और निर्यातकों के हितों के साथ स्थिर एवं प्रतिस्पर्धी टैरिफ व्यवस्था चाहता है। ऐसे समय में भारत के सामने चुनौती ब्रिक्स के जरिए वैश्विक संतुलन साधने के साथ अमेरिका से आर्थिक रिश्ते बनाए रखने की भी है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

नई विश्व व्यवस्था की धुरी बनता ब्रिक्स

विश्लेषण
प्रभात कुमार राय
वरिष्ठ स्तंभकार

ब्रिक्स सम्मेलन के जरिए भारत ने बदलती वैश्विक व्यवस्था में अपनी कूटनीतिक भूमिका को मजबूती से रेखांकित किया है। अमेरिका-चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों, भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव और चीन के साथ सीमा विवाद के बीच नई विश्व व्यवस्था का सवाल बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने ब्रिक्स को किसी देश विरोधी मंच में बदलने के बजाय समावेशी, न्यायपूर्ण और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की पैरवी की। अलग-अलग मत रखने वाले देशों को एक मंच पर लाना भी भारत की कूटनीतिक क्षमता का संकेत है। अब चुनौती यह है कि भारत रूस के साथ पुराने रिश्तों, अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों और चीन के साथ जटिल समीकरणों के बीच संतुलन कायम रखते हुए वैश्विक दक्षिण की आवाज को प्रभावी बनाए।

यक्ष प्रश्न है कि ब्रिक्स आने वाले दौर में एक अमेरिका विरोधी मंच के तौर पर क्या एक मोर्चे का आकर ग्रहण कर सकता है? एक और जटिल प्रश्न है कि क्या भारत की ख्वाहिश के अनुसार आगामी भविष्य में बहुध्रुवीय विश्व और नई विश्व व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा? दुनिया के समक्ष उपस्थित इन सवालों पर अत्यधिक चर्चा ब्रिक्स सम्मेलन 2026 में की गई। भारत की यात्रा के तत्पश्चात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 24 सितंबर से अमेरिका की कूटनीतिक यात्रा प्रारंभ करने वाले हैं। दो ध्रुवीय विश्व को और अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए क्या अमेरिका और चीन एकजुट हो रहे हैं? ताइवान पर होने वाले संभावित सैन्य संघर्ष को दृष्टि में रखते हुए अमेरिका और चीन की दोस्ती कदाचित संभव नहीं है। निश्चित तौर पर अमेरिका द्वारा चीन के प्रति व्यापारिक उदारता का परिचय दिया जा रहा है और भारत के प्रति अत्यंत कठोरता का। ब्रिक्स का एक प्रमुख देश होने के बावजूद चीन ने भारत के प्रति अपनी विस्तारवादी नीति का कदाचित परित्याग नहीं किया है। भारत को चीन और अमेरिका के गठजोड़ के प्रति अत्यंत सतर्क रहना होगा और अमेरिकन कूटनीतिक और प्रबल आर्थिक दबावों का प्रतिरोध करते हुए, रूस के साथ अपनी ऐतिहासिक दोस्ती और आर्थिक रिश्तों को और अधिक प्रगाढ़ बनाना होगा। ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करते हुए भारत को विभिन्न देशों में अपने लिए बाजार तलाशने होंगे। भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में ईरान के प्रति अपनी बदलती हुई कूटनीति और रणनीति का परिचय दिया है। ईरान के चाबहार बंदरगाह पर अमेरिका द्वारा जबर्दस्त बमबारी की गई थी। जबकि भारत ने चाबहार बंदरगाह के निर्माण में बहुत बड़ा आर्थिक निवेश अंजाम दिया है। अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों के कारण भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया था। संभवतः भारत अपनी इस गलती में सुधार करेगा और ईरान से अपने आर्थिक रिश्तों को अत्यंत शक्तिशाली बनाएगा अमेरिकन के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने रूस पर अत्यंत कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयद करने वाला एक बिल बहुमत से पारित कर दिया है।

भारत ने कूटनीतिक संतुलन बरकरार रखा

यह बिल ट्रंप प्रशासन को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले बड़े खरीददार देशों पर सौ प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का कानूनी अधिकार प्रदान करता है। जिन देशों पर यह टैरिफ लागू किया जाना है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। क्योंकि भारत भी रूस से बड़े पैमाने पर तेल का आयात करता रहा है। भारत के साथ ही चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे अनेक देश भी अमेरिका के सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने के निशाने पर आ सकते हैं। यह बिल पहले ही भारी बहुमत से अमेरिकन सीनेट में पारित किया जा चुका है। अब इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा जाना है, जो कि निश्चित रूप से यथाशीघ्र एक एक्ट का प्रारूप धारण कर लेगा। अमेरिका वैश्विक पटल पर ब्रिक्स मंच पर विद्यमान अपने सबसे घनिष्ठ दोस्त भारत को आखिरकार दुश्मन बनने पर क्यों तुला हुआ है। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने अपना बहुआयामी कूटनीतिक संतुलन बाकायदा बरकरार बनाए रखा और सम्मेलन के रुख को अमेरिका विरोधी नहीं होने दिया। सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने का बिल उस वक्त पारित किया गया है, जबकि भारत और अमेरिका के मध्य एक शुरुआती व्यापारिक समझौते पर बातचीत अंतिम दौर में है। अमेरिका वस्तुत रूस के साथ ही साथ भारत को भी अपने आर्थिक प्रतिबंधों द्वारा निशाने पर लेने पर आमादा हो गया है। भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ आरोपित करने से भारतीय निर्यातकों को जबरदस्त नुकसान पहुंचेगा।

ताकतवर लीडर एक मंच पर

वर्ष 2026 ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन और भारत के अध्यक्षता में अत्यंत कामयाबी के साथ संपन्न हो तो गया। ब्रिक्स आयोजन में अध्यक्षता करते हुए भारत की सबसे बड़ी कामयाबी रही कि उसने दुनिया की कुछ अत्यंत ताकतवर लीडरों को दिल्ली में एक विशाल गोलमेज पर इकट्ठा कर दिखाया। चीन के राष्ट्रपति शिन जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सीरियल रामाफोसा आदि। उल्लेखनीय है कि चीन के राष्ट्रपति शी तकरीबन सात वर्ष पश्चात भारत पधारे। ब्रिक्स 2026 सम्मेलन में शिरकत करने आए अनेक राष्ट्रों के मध्य सैन्य टकरावों और सीमा विवादों का कटुता पूर्ण इतिहास रहा है। भारत और चीन के मध्य सैन्य टकराव और सीमा विवाद का दशकों पुराना इतिहास रहा है। ईरान और यूएई जंग के मैदान में आमने-सामने खड़े रहे। सऊदी अरब पर ईरान ने मिसाइलें दागीं। इन तमाम परस्पर विरोधी देशों के लीडरों को ब्रिक्स सम्मेलन में आमने-सामने एक गोल मेज पर बैठाने के लिए भारत को कठिन कूटनीतिक प्रयास करने पड़े।

जटिल प्रश्न पर सहमति

ब्रिक्स 2026 सम्मेलन में यह भी भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। यह तथ्य भारत के बहुआयामी कूटनीतिक दृष्टिकोण को भी दर्शाता है कि ब्रिक्स सम्मेलन में शिरकत करने आए देशों को ईरान युद्ध के बाद अपने परस्पर रिश्तों पर फिर से विचार करने का शानदार अवसर प्रदान किया गया। ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस ने साथ बैठकर ब्रिक्स सम्मेलन में कूटनीतिक बातचीत को प्रारंभ किया है। नई वैश्विक व्यवस्था की संरचना कैसी होनी चाहिए इस जटिल प्रश्न पर ब्रिक्स देशों के मध्य पूर्ण सहमति बनाने में भारत को कामयाब हो गया। एक समावेशी ,न्यायपूर्ण और निष्पक्ष विश्व व्यवस्था का निर्माण करने का संकल्प दोहराया गया। ब्रिक्स 2026 सम्मेलन में कुछ मुख्य मुल्क चाहते थे ब्रिक्स मंच एक अमेरिका विरोधी मंच के तौर पर निर्मित हो जाए। लेकिन भारत की अध्यक्षता में ऐसा कदाचित संभव नहीं हो सका। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 सर्वसम्मति से संयुक्त घोषणा पत्र को जारी कराने में कामयाब रहा। ब्रिक्स 2026 सम्मेलन से पूर्व ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दफा बैठक हुई थी, जो कि संयुक्त बयान जारी करने में नाकाम सिद्ध हुई थी। ब्रिक्स सम्मेलन के संयुक्त घोषणा पत्र में फलस्तीनियों के जबरन विस्थापन के किसी भी कदम पर कल अत्यंत कड़ा विरोध प्रकट किया गया है।

एकतरफा प्रतिबंधों की भर्त्सना

वैश्विक व्यापार को लेकर भी ब्रिक्स घोषणा पत्र में गंभीर चिंता प्रकट की गई। अत्यंत मनमाने ढंग से टैरिफ आरोपित करने के प्रति अपनी गहन चिंता का इजहार किया गया। एकतरफा आर्थिक प्रतिबंधों की घनघोर भर्त्सना की गई और अमेरिका का नाम तक लेने से भी बाकायदा परहेज किया गया। शायद इसलिए कि वाशिंगटन की नाराजगी से शायद बचा जा सके। ब्रिक्स सम्मेलन 2026 के संयुक्त घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध का कोई उल्लेख नहीं किया गया। हालांकि विश्व मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनेक दफा दोहरा चुके हैं कि यह युग युद्धों का युग कदाचित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की पैरवी की गई। ब्रिक्स ने भारत और ब्राजील को सुरक्षा परिषद में स्थान प्रदान की पैरवी की। आतंकवाद के हर पहलू को खत्म करने का संकल्प दोहराया। वैश्विक कूटनीति की बात करें तो दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए भारत वस्तुतः विश्व शक्तियों के मध्य संतुलन स्थापित करने की कोशिश में जुटा हुआ है। अभी कहां नहीं जा सकता कि तीसरे विश्व युद्ध के कगार खड़ी दुनिया को भारत बचा पाएगा अथवा नहीं ।

अगर अमेरिका ने 100% का टैरिफ थोप दिया तो !

मुद्दा
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से 'सैंक्शनिंग रशा एंड ईरान एक्ट' के पारित होने को लेकर देश में आशंकाओं के बादलों का उठना स्वाभाविक है। आज जिस आर्थिकी और विश्व व्यवस्था को तकरीबन पूरी दुनिया ने अपना रखा है, उसकी वजह से पूरी दुनिया को लगता है कि अमेरिका के सहयोग के बिना वह एक कदम आगे नहीं रख सकती। वैश्विक आर्थिकी में डालर के वर्चस्व के चलते ज्यादातर देशों को लगता है कि अगर अमेरिका की आंखें टेढ़ी हुईं तो उस पर महाविपत्ति आ जाएगी। इसी सोच का ही असर है कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद भारत के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की नजर में भारतीय विदेश नीति नाकाम नजर आने लगी है। सैद्धांतिक रूप से भारतीय वामपंथी इकोसिस्टम अमेरिका का हर पल खुला विरोध करता है, लेकिन उसे भी अमेरिकी टैरिफ कानून भारतीय हित के खिलाफ नजर आ रहा है। इन सबके बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया संतुलित और सधी हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत अपनी 140 करोड़ की आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दृढ़ है। जाहिर है, भारत को झुकाने की सोच रखने वाले ट्रंप प्रशासन को ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं रही होगी। ऐसे में अमेरिका के अगले कदम पर निगाह रखना ज्यादा जरूरी हो जाता है।

रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस-यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी-भरकम जनसंख्या के लिए किफायती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है। इसलिए भारत का न झुकना देश के विपक्षी दलों और अमेरिकी सरकार के लिए हैरतअंगेज भले ही हो, भारतीय हितों के अनुकूल नहीं है। वैसे जब से ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभाला है, अपने ऊल-जलूल फैसलों के लिए ही वे जाने गए हैं। यह पहला मौका नहीं है कि उन्होंने इस कानून के जरिए भारत को दबाने की कोशिश की है। बीते साल एक अगस्त 2025 से उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया था। जिससे उनके ही बाजार में भारतीय वस्तुएं और सामान महंगे होने लगे थे। तब चालाकी दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन ने फार्मास्युटिकल्स को इस टैरिफ से अलग रखा था। इसकी वजह यह है कि भारत से अमेरिका आने वाली दवाएं सस्ती पड़ती हैं। भारतीय रत्न और आभूषणों पर टैरिफ लगाने का बहुत असर नहीं पड़ा था। क्योंकि रत्न और आभूषण स्वभाव से ही महंगे होते हैं और उन्हें खरीदने वाले लोगों के लिए इनकी महंगाई मायने नहीं रखती। पश्चिमी एशिया का हालिया संकट अमेरिका की ही देन है। जब से यह संकट बढ़ा है, भारत ने रूस से तेल की खरीददारी बढ़ा दी है।

अमेरिकी संसद से रूस और ईरान पर कड़े प्रतिबंधों वाला कानून पारित होने के बाद भारत की ऊर्जा सुरक्षा और निर्यात को लेकर चिंता बढ़ी है। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और ऊर्जा जरूरतों से समझौता नहीं करेगा।

यह भारत की मजबूरी भी है। बीती जुलाई में भारत ने अपने कुल तेल आयात का 51.4 प्रतिशत तेल अकेले रूस से खरीदा था। रूस से तेल खरीद का भारतीय मकसद मौजूदा हालात में अपने लिए किफायती दरों पर तेल हासिल करना है। भारत का यह अधिकार है और मौजूदा हालात में अगर भारत झुकता है तो इसे भारतीय नागरिक शायद ही पसंद करेगा। भारत की तुलना में चीन ना सिर्फ रूस, बल्कि ईरान से भी भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है। जानने की बात है कि भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों में टेक्सटाइल्स, रत्न और आभूषण, आटोमोबाइल और इंजीनियरिंग उत्पाद ज्यादा है। टैरिफ अगर बढ़ेगा तो अमेरिकी बाजार में इनकी कीमतें महंगी होंगी, जिससे उनकी मांग घट सकती हैं। इससे भारतीय निर्यातकों को नुकसान हो सकता है। कुछ जानकारों को लगता है कि इससे रूस से जारी तेल खरीद से मिल रही अरबों रूपए की राहत खटाई में पड़ सकती है। बेशक अमेरिका भारत का बड़ा कारोबारी साझीदार है। लेकिन मोदी के 2024 में सत्ता में आने के बाद से अब तक करीब चालीस देशों से मुक्त व्यापार समझौता किए जा चुके हैं। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ से भी ऐसा समझौता किया है। भारत का मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड आदि से मुक्त व्यापार समझौते या व्यापक आर्थिक साझेदारी का समझौता कर चुका है। भारत सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपने कारोबारी नेटवर्क का विस्तार करते हुए नौ बड़े मुक्त व्यापार समझौते भी किए हैं। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ यानी ईएफटीए में आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। इसी तरह भारत ने आसियान देशों, जापान, दक्षिण कोरिया और साफ्टा के सदस्य देशों के साथ पारंपरिक कारोबारी समझौता कर चुका है। अगर अमेरिका भारत पर टैरिफ थोपता है तो देश को चाहिए कि इन देशों के जरिए कारोबार को बढ़ावा दे। वैसे भी टैरिफ थोपने की दशा में भारतीय कारोबारी दूसरे देशों के जरिए अमेरिका में अपना माल भेज सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सरकार भी ऐसी राह तलाशने की कोशिश में जुटी होगी। फिर भारतीय अर्थव्यवस्था भी पहले जैसी नहीं रही, इसलिए हताश और चिंतित होने की जरूरत नहीं है, भारत को अमेरिकी बाजार में घुसने के लिए वैकल्पिक राहों की तलाश तेज करनी होगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता क्यों अटका

रिश्ते
विवेक शुक्ला
स्वतंत्र पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता पिछले डेढ़ साल से चर्चा में है, लेकिन अभी तक उस पर अंतिम मुहर नहीं लगी है। दोनों देश बार-बार कहते हैं कि बातचीत आगे बढ़ रही है, फिर भी समझौता अधर में लटकता रहता है। सवाल यही है कि नई परिस्थितियों में दबाव बढ़ेगा या अमेरिका टैरिफ की धमकी से अपनी शर्तें थोपने की कोशिश करेगा। सबसे पहले बात साफ कर लेनी चाहिए। फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा था। उस समय द्विपक्षीय व्यापार करीब 191 अरब डॉलर था। आज यह आंकड़ा लगभग 240 अरब डॉलर के आसपास बताया जाता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और भारत के कुल माल निर्यात का करीब पांचवां हिस्सा वहीं जाता है। इसलिए यह समझौता सिर्फ कागजी नहीं, बल्कि वस्त्र, रसायन, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और फार्मा जैसे क्षेत्रों की लाखों नौकरियों से जुड़ा विषय है। 2025 में तनाव बढ़ा। अमेरिका ने "पारस्परिक टैरिफ" लगाया और रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर अतिरिक्त जुर्माना भी चढ़ा दिया। कुछ वस्तुओं पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत तक पहुंच गया। भारतीय निर्यातकों के लिए यह बड़ा झटका था। छोटे और मझोले उद्यमों को ऑर्डर रद्द होने या मार्जिन घटने की चिंता सताने लगी। वस्त्र, चमड़ा, प्लास्टिक, रसायन और आभूषण जैसे क्षेत्रों में अनिश्चितता फैल गई। भारत ने इसे अनुचित बताया, क्योंकि रूस से तेल खरीदने वाले कुछ अन्य बड़े देश उसी अनुपात में दंडित नहीं हुए। फरवरी 2026 में मोदी-ट्रंप बातचीत के बाद माहौल कुछ नरम पड़ा। अमेरिका ने पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की बात कही और रूस-तेल से जुड़ा अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का ऐलान किया। भारत की ओर से अमेरिकी औद्योगिक सामान और कई कृषि उत्पादों -जैसे पशु आहार, मेवे, फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स-पर शुल्क घटाने या हटाने की रूपरेखा बनी। भारत ने पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा, विमान, तकनीक और कोयले की खरीद का इरादा भी जताया। दोनों सरकारों ने इसे "अंतरिम समझौते की रूपरेखा" कहा और इसे 30 खरब डॉलर के अमेरिकी बाजार की ओर एक कदम बताया। लेकिन रूपरेखा और अंतिम समझौते में फर्क होता है। भारत बार-बार कहता रहा है कि उसे प्रतिस्पर्धी देशों जैसे वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलेशिया और बांग्लादेश की तुलना में बेहतर या रूपरेखा बनी। यानी दबाव काम करता है। लेकिन भारत भी अब वैसा कमजोर पक्ष नहीं रहा। उसने ब्रिटेन, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और मॉरीशस जैसे देशों के साथ व्यापार समझौते किए हैं। न्यूजीलैंड समझौता अक्टूबर के आसपास लागू हो सकता है और यूरोपीय संघ से बात आगे बढ़ रही है। घरेलू बाजार बड़ा है, ऊर्जा जरूरतें गंभीर हैं और किसान-डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर सरकार समझौता नहीं करना चाहती। कृषि मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि किसानों के हितों पर कोई समझौता नहीं होगा। इसलिए दबाव दोनों तरफ से बढ़ सकता

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर डेढ़ साल से जारी बातचीत अब निर्णायक मोड़ पर है। टैरिफ, रूस से तेल खरीद, कृषि और बाजार पहुंच जैसे मुद्दे दोनों देशों के बीच अड़चन बने हैं। अमेरिका दबाव बढ़ा रहा है, जबकि भारत अपने किसानों, निर्यातकों और घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा चाहता है।

कम-से-कम बराबरी का टैरिफ फायदा चाहिए। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का रुख साफ है कि जब तक अमेरिका भारत को प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले तरजीही दर नहीं देता, तब तक अंतिम विवरण घोषित नहीं होगा। भारत सरकार ने कहा है कि उसने अमेरिका को पहले ही बता दिया है कि ऐसे कदम ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक बाजार और द्विपक्षीय रिश्तों पर असर डाल सकते हैं। क्या अमेरिका टैरिफ का डर दिखाकर अपनी मर्जी थोपेगा? अनुभव बताता है कि टैरिफ ट्रंप प्रशासन की पसंदीदा रणनीति रही है। 2025 में 50 प्रतिशत तक शुल्क चढ़ाने के बाद ही फरवरी 2026 की है। अमेरिका चाहता है कि भारत ज्यादा अमेरिकी सामान खरीदे, कृषि बाजार खोले, गैर-टैरिफ बाधाएं घटाए और रूस से तेल खरीद घटाए। भारत चाहता है कि उसके निर्यात को अमेरिका में स्थायी और प्रतिस्पर्धी पहुंच मिले, टैरिफ अचानक न बढ़ें और कृषि-डेयरी पर लाल रेखा बनी रहे। फिलहाल गेंद दोनों के पाले में है। अब इस माह और अक्टूबर की बातचीत बताएगी कि दबाव समझौते की ओर ले जाता है या फिर नई अनिश्चितता की ओर। दोनों लोकतंत्रों को यह याद रखना होगा कि व्यापार सिर्फ शुल्क की गणित नहीं, बल्कि विश्वास का मामला भी है।

भारत के परिवेश में चीज़ें बदलती रहेंगी

अमेरिका-कनाडा विवाद
योगेश कुमार सोनी
स्वतंत्र पत्रकार

बनते-बिगड़ते विश्व की तस्वीर में जब सत्ता का पैमाना बढ़ जाता है तो कहीं कुछ किसी को फ़ायदा होता है तो किसी को नुक़सान, लेकिन जब कहानी वर्चस्व की आ जाए तो सिक्के का एक ही पहलू नज़र आता है और वह है सम्मान। समस्या यह है कि अमेरिका और कनाडा दोनों ही अपने आप सम्पन्न देशों में आते हैं, लेकिन दोनों को यह भी समझना होगा कि विश्वपटल पर उपस्थिति दर्ज कराने के लिए सबका साथ चाहिए होता है, जिसके लिए बहुत समझौते करने होते हैं। बहरहाल यदि भारत के परिवेश में ऐसी स्थिति बनती है तो इसके सकारात्मक व नकारात्मक दोनों तरह के पहलू सामने आ सकते हैं। भारत की सौदेबाजी की ताकत बढ़ सकती है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। इसलिए यदि भारत भी चुनिंदा अमेरिकी वस्तुओं पर जवाबी शुल्क लगाए, तो अमेरिकी कंपनियों और सरकार पर भी आर्थिक दबाव पड़ेगा। इससे व्यापार वार्ता में भारत के पास एक अतिरिक्त समझौता उपकरण हो सकता है। घरेलू उद्योग को संरक्षण मिल सकता है। अमेरिकी सामान महंगे होने पर कुछ भारतीय निर्माता अपने बाजार का हिस्सा बढ़ा सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां भारत के पास पहले से पर्याप्त उत्पादन क्षमता है। व्यापार का विविधीकरण तेज हो सकता है। भारत यूरोप, कनाडा, एएसईएएन, खाड़ी और अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए मजबूर होगा, लेकिन नुकसान ज्यादा व्यापक हो सकते है। भारतीय निर्यातकों को सीधा नुकसान हो सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। अप्रैल–अगस्त 2026 में भारत का अमेरिका को वस्तु निर्यात लगभग 43 अरब रहा। और अगस्त में ही अमेरिका को भारतीय वस्तुओं का निर्यात लगभग 21% बढ़कर 8.3 अरब डॉलर पहुंचा। इसका मतलब है कि मौजूदा समय में अमेरिकी बाजार भारतीय निर्यात के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अगर भारत व्यापक व्यापार युद्ध शुरू करता है और अमेरिका भी जवाब में भारतीय उत्पादों पर भारी शुल्क लगाता है, तो कपड़ा, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, आभूषण और अन्य निर्यात उद्योग प्रभावित हो सकते हैं।रोजगार पर असर पड़ सकता है।

निर्यात घटने का असर केवल बड़ी कंपनियों पर नहीं पड़ेगा। श्रम-प्रधान उद्योगों और उनसे जुड़े छोटे कारोबारों पर भी असर पड़ सकता है।भारत के लिए अमेरिकी आयात भी महंगे होंगे।अमेरिका से आने वाली मशीनरी, तकनीकी उपकरण, खरीदने वाले देशों पर बहुत ऊंचे शुल्क लगाने का प्रावधान है। भारत ने कहा है कि इससे उसके ऊर्जा हित और भारत-अमेरिका संबंध प्रभावित हो सकते हैं। भारत के लिए रूस से सस्ता कच्चा तेल छोड़ना भी महंगा हो सकता है, क्योंकि उसका सीधा संबंध पेट्रोल-डीजल, परिवहन लागत और महंगाई से है। इसलिए भारत के लिए अमेरिका के साथ टकराव का प्रभाव केवल निर्यात-आयात तक सीमित नहीं रहेगा।भारत की सौदेबाजी की ताकत बढ़ सकती है।अमेरिका भारत का एक बड़ा निर्यात बाजार है और दोनों देशों के बीच

अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच भारत के सामने अवसर और चुनौतियां दोनों हैं। जवाबी शुल्क से सौदेबाजी की ताकत और घरेलू उद्योग को संरक्षण मिल सकता है, लेकिन निर्यात, रोजगार, आयात लागत और ऊर्जा सुरक्षा पर दबाव बढ़ने का जोखिम भी है।

औद्योगिक सामग्री और दूसरे उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने का अर्थ भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ना भी हो सकता है।अमेरिकी व्यापार आंकड़ों के अनुसार जनवरी–जुलाई 2026 में अमेरिका ने भारत से लगभग 60 अरब की वस्तुएं आयात कीं, जबकि भारत को 30.44 अरब डॉलर की अमेरिकी वस्तुएं निर्यात कीं। यानी दोनों देशों का व्यापार काफी बड़ा है और दोनों पक्षों को नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि वर्तमान विवाद केवल टैरिफ तक सीमित नहीं है। अमेरिका में ऐसा विधेयक आगे बढ़ा है जिसमें रूस से महत्वपूर्ण मात्रा में तेल व्यापारिक संबंध काफी व्यापक हैं। ओंटारियो कनाडा के ऑटो मैन्यूफ़ैक्चरिंग इंडस्ट्री का केंद्र है।उन्होंने साल 2025 में कुछ समय के लिए अमेरिका को होने वाले सभी बिजली निर्यात पर 25% सरचार्ज लगाने का प्रस्ताव रखा था जिसके बारे में उनकी सरकार का अनुमान था कि इससे मिशिगन, मिनेसोटा और न्यूयॉर्क में 15 लाख घरों और व्यवसायों पर असर पड़ेगा।कनाडा पोटाश सहित कई अहम चीज़ों का प्रमुख स्त्रोत भी है।पोटाश एक ऐसा उत्पाद है जिसका उपयोग उर्वरक में किया जाता है और जिसके लिए कनाडा दुनिया का शीर्ष आपूर्तिकर्ता है।

बिलासपुर
रविवार, 20 सितंबर 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष नवमीं
वर्ष : 26, अंक : 180
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5 .00***

मौसम
अधि. 33.4
न्यून. 24.2

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मिलर्स द्वारा चावल जमा का विवरण (टन में)

मिलर्स	जमा	शेष
विद्या श्री राइस	0	1958.6
गोयल एग्रो इंडस्ट्रीज	0	1819.77
वर्धमान इंडस्ट्रीज	0	800.73
मामावली राइस	0	731.32
अमर परबोलिंग इंडस्ट्रीज	0	652.08
जेआईएन कुशल इंडस्ट्रीज	0	376.44
रामजी फुड्स	0	274.45
पारस एग्रो इंडस्ट्रीज	0	226.87
गनपती राइसटेक	0	190.49
शैल फुड्स प्रोडक्ट प्रा.लि.	0	91.58
देवी अनपूर्णा मा राइस मिल	0	16.08
श्रीएसएस फुड्स	29	646.36
श्रीकृष्णा फुड्स एंड राइस	86.89	1728.24
कोर्णाक इंडस्ट्रीज	258.95	4053.81
शिवकुमार रवि शर्मा ट्रेडिंग कं.	28.87	415.36
सांई हनुमंत इंडस्ट्रीज प्रा.लि.	57.86	802.04
अपना बालाजी	57.85	771.01
श्रीतिरूपति राइस इंडस्ट्रीज	173.75	2204.44
अग्रसेन ट्रेडिंग	28.93	319.41
श्रीश्याम राइस उद्योग	231.55	2243.25
एमएस केशरी राइस इंडस्ट्रीज	86.98	627.33
तिरूपति राइस इंडस्ट्रीज	666.59	2863.61
कान्हा ग्रेन प्रोसेस	549.99	2204.19

वित्तीय वर्ष 2025-26 में उपार्जन केंद्रों से धान उठाव के विरुद्ध अब तक 151114.34 टन चावल जमा

कस्टम मिलिंग में खेल...183 मिलर्स में से सिर्फ 6 ही जमा करा पाए पूरा चावल, 4.66 अरब का चावल मिलों में डंप

लक्ष्मण लेखवानी ▶▶| रायपुर

खास खबर

रायपुर जिले में एग्रीमेंट के तहत 183 मिलर्स में अभी तक सिर्फ आधा दर्जन मिलर्स ही कस्टम मिलिंग का शत-प्रतिशत चावल छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम को लौटा पाए हैं। शेष 177 मिलर्स के पास अभी भी 1 लाख 16 हजार 562 टन चावल डंप है, जिसे जमा नहीं किया है। इस डंप चावल की कीमत 4 अरब 66 करोड़ रुपए से अधिक है। इन मिलर्स में 11 ऐसे हैं, जिनके द्वारा अब तक चावल का एक दाना भी जमा नहीं किया गया है। इधर मिलर्स द्वारा चावल जमा करने में बरती जा रही लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने अब इन मिलर्स के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। इसके लिए इन सभी मिलर्स को नोटिस भी जारी किया है और उन्हें सख्त हिदायत दी गई है कि अगर वे 3 दिन में अनुबंध के तहत चावल जमा ▶▶|शेष पेज 6 पर

11 मिलर्स एक दाना भी नहीं कर पाए जमा

चावल जमा नहीं करने वालों में 11 मिलर्स ऐसे हैं, जिनके द्वारा इतने महीनों में चावल का एक दाना भी जमा नहीं किया है। इन मिलरों ने करोड़ों रुपए का चावल अपने मिल में ही डंप कर रखा है। हाल ही में कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक ली थी, जिसमें कस्टम मिलिंग के चावल के संबंध में समीक्षा की गई थी। इस दौरान अपर कलेक्टर ने चावल जमा नहीं किए जाने पर नाराजगी जताते हुए मिलर्स पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं, ताकि आगामी माह तक शत-प्रतिशत चावल जमा हो जाए।

राइस मिलर्स अब तेजी से नान को चावल जमा करेंगे

अभी तक एफसीआई का चावल जमा करने को प्राथमिकता दे रहे थे। दो माह का एक साथ चावल वितरण करना है, इसलिए अब नान का चावल जमा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। सभी राइस मिलर्स अब तेजी से नान को चावल जमा करेंगे।
-दीपक अग्रवाल, अध्यक्ष, राइस मिल एसोसिएशन, रायपुर

32 मिलर्स ही 90 से 100 प्रतिशत चावल कर पाए हैं जमा

183 मिलर्स में 32 ही ऐसे हैं, जो उठाए गए कुल धान के एवज में 90 से 100 प्रतिशत तक चावल जमा कर पाए हैं, वहीं इनमें भी 6 मिलर्स ही 100 प्रतिशत चावल जमा किए हैं। इसी प्रकार करीब 80 मिलर्स ने 50 से 90 प्रतिशत तक चावल जमा किए हैं।

चावल जमा नहीं किया तो होगी कार्रवाई

कस्टम मिलिंग का चावल जमा नहीं करने वाले मिलर्स पर सख्ती बरती जाएगी। कलेक्टर के निर्देश पर राइस मिलर्स को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद भी चावल जमा नहीं किया तो बैंक गारंटी जब्त कर मिल में सीलबंदी की कार्रवाई की जाएगी।
- कीर्तिमान सिंह राठौर
अपर कलेक्टर, रायपुर

खबर संक्षेप

दिल्ली हवाई अड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं आज से

मुंबई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के तीसरे रनवे पर सेवाएं 20 सितंबर से फिर से बहाल होगी। रनवे को मजबूती देने और उन्नयन कार्य के लिए बंद कर दिया गया था। रनवे 11आर/29एल (तीसरा रनवे) का जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो गया है।

1.7 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त

गुवाहाटी। असम के श्रीभूमि जिले में 1.7 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये गये हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के संयुक्त अभियान में गंगपार इलाके से तस्करों द्वारा छोड़ी गई 17,000 याबा टैबलेट बरामद की गईं। तस्कर फरार हो गया लेकिन 1.17 करोड़ रुपए नहीं बच पाए। पुलिस ने श्रीभूमि के गंगपार में लावारिस पड़ी 17,000 याबा टैबलेट बरामद कीं।

दीपिका ने दिया बेटी को जन्म

मुंबई। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह एक बार फिर पेरेंट्स बन गए हैं। उनके दूसरे बच्चे का जन्म हो गया है। दीपिका ने खुद इस खुशखबरी को अपने फैंस के साथ शेयर किया है। दीपिका ने इंस्टाग्राम पर पैरों की छाप की एक तस्वीर शेयर की है।

बाइक सवार परिवार के तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। यह हादसा भीलवाड़ा-कोटा राजमार्ग पर बिगोद थाना क्षेत्र के नयागांव के पास हुआ। मृतकों की पहचान रूपाहेली गांव निवासी भगवान बगड़िया (67), उनकी पत्नी देऊ बगड़िया (53) और बेटे रतन बगड़िया (24) के रूप में हुई है।

भारत-पाक युद्ध के नायक कुक का निधन

नई दिल्ली। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान कलाइकुंडा के ऊपर हुई ऐतिहासिक हवाई लड़ाई के दौरान अदम्य साहस का परिचय देने वाले फ्लाइट लेफ्टिनेंट (सेवानिवृत्त) अल्फ्रेड टाइरोन कुक का निधन हो गया। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम, राहुल ने किया अंधभक्तों का जिक्र

छात्र भारत के भविष्य हैं, उनके बिना देश नहीं बन सकता मजबूत : राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार की शाम को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उन्होंने छात्रों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं जैसे स्कूल-कॉलेजों की खराब हालत, बेरोजगारी, पेपर लीक, सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे उठाए और राज्य व केंद्र सरकार को घेरा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल ने 'अंधभक्तों' का जिक्र भी किया और उनकी छह विशेषताएं भी बताईं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंदौर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के सिस्टम को स्टूडेंट्स पसंद नहीं हैं, बल्कि उसे अंधभक्त पसंद है, क्योंकि वे सवाल नहीं पूछते। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसलिए सिस्टम अंधभक्तों को तैयार करता है, अंधभक्तों को प्रमोट करता है, अंधभक्तों को पूरे देश में फैलाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, सिस्टम को स्टूडेंट्स से खतरा है, क्योंकि स्टूडेंट्स सवाल पूछता है। स्टूडेंट्स कहता है कि अमित शाह जी के बेटे क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष कैसे बन गए। स्टूडेंट्स पूछता है कि हिंदुस्तान के सारे के सारे बिजनेस को दो लोगों ने कैसे कैप्चर कर लिया। स्टूडेंट्स पूछता है कि ज्यूडिशियरी और बाकी संस्थाएं क्यों अपना काम नहीं करती हैं। स्टूडेंट पूछता है कि इलेक्शन कमीशन क्यों अपना काम नहीं करता है, इसलिए सिस्टम स्टूडेंट्स नहीं चाहता है, सिस्टम अंधभक्त चाहता है। इसके बाद अंधभक्त कौन है, इस सवाल का ▶▶|शेष पेज 6 पर

दिखाया वीडियो

कार्यक्रम में राहुल ने एक वीडियो भी दिखाया, जिसमें हिमाचल से भाजपा सांसद कंगना रनौत का वो वीडियो भी शामिल था, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत को आजादी 2014 में मिली थी। वीडियो खत्म होने के बाद राहुल गांधी ने कहा, तो देखा आपने अंधभक्त कहता है हिंदुस्तान को आजादी नहीं मिली, अंधभक्त कहता है विकास नहीं चाहिए, अंधभक्त कहता है मोदीजी विष्णु के अवतार है, मगर अंधभक्त कभी सवाल नहीं पूछता है। अंधभक्त कभी भी ये सवाल नहीं पूछेगा कि हमारे स्कूल और कॉलेजों की हालत क्यों ऐसी हो गई है, हमारे देश का इंफ्रास्ट्रक्चर क्यों टूट गया, पेपर लीक क्यों हो रहे हैं, अंधभक्त कभी ये सवाल नहीं पूछता है, केवल स्टूडेंट ही ये सवाल पूछता है।

पेपर लीक और रोजगार का मुद्दा उठाया

राहुल गांधी ने छात्रों से जुड़े मुद्दों में पेपर लीक, बेरोजगारी और सरकारी भर्तियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि छात्र यह सवाल पूछता है कि स्कूल और कॉलेजों की स्थिति ऐसी क्यों है, परीक्षाओं के पेपर लीक क्यों हो रहे हैं और युवाओं को रोजगार क्यों नहीं मिल रहा। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम का फोकस शिक्षा व्यवस्था, भर्ती परीक्षाओं और रोजगार जैसे मुद्दों पर छात्रों से संवाद पर रहा। यह इंदौर में इस कार्यक्रम का पांचवां संस्करण था। इससे पहले कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में भी कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

गिरिराज और विजयवर्गीय ने उठाए सवाल

कई राज्यों से इस आयोजन को लेकर और राहुल गांधी को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय के साथ ही कांग्रेस के नेताओं ने भी अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इधर, बिहार के पटना में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि छात्रों के लिए जब सोचना था तब वह लोकसभा में बिल फाड़ रहे थे। जब वह सत्ता में 10 साल थे, तब एक बार भी छात्रों से मुलाकात नहीं की। अब जब सत्ता से हट गए हैं तो छात्रों से बात कर रहे हैं। उज्जैन पहुंचे भाजपा सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह झूठ की गूंज है और उन्होंने हर मामले में हमेशा झूठ ही बोला है।

सीएम ने कहा-कैंसर से जंग में इलाज के साथ भरोसा और संवेदना जरूरी

बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, कैंसर के खिलाफ लड़ाई केवल उपचार तक सीमित नहीं है। बीमारी की समय पर पहचान, सुलभ उपचार, आधुनिक तकनीक और मरीज का मनोबल, इन सभी पहलुओं पर सरकार, चिकित्सा जगत और समाज को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, कैंसर मरीज को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि वह इस कठिन लड़ाई में अकेला नहीं है। मुख्यमंत्री शनिवार को नवा रायपुर स्थित मे-फेयर में ▶▶|शेष पेज 6 पर

34 लाख लोगों की स्क्रीनिंग

मुख्यमंत्री ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए भी सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत 34 लाख लोगों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई है। इनमें लगभग 40 हजार लोगों में बीमारी की पहचान के बाद उन्हें उपचार से जोड़ा गया है। स्क्रीनिंग का उद्देश्य बीमारी का शुरुआती चरण में पता लगाकर समय पर उपचार शुरू करना है।

शुरुआती पहचान से बढ़ती है उपचार की संभावना

मुख्यमंत्री ने कहा, कैंसर की समय पर पहचान सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। शुरुआती चरण में बीमारी का पता चलने पर उपचार की संभावनाएं बेहतर होती हैं। उन्होंने विशेषज्ञों से ऐसी तकनीक को आगे बढ़ाने का आग्रह किया, जिससे कैंसर की जल्द पहचान हो और उपचार सस्ता व आम लोगों की पहुंच में हो।

नागोया में एशियाई खेलों का आगाज

मनु भाकर और पवन ने थामा तिरंगा

503 खिलाड़ियों के साथ भारत की पदक चुनौती शुरू

नागोया। जापान में बीसवें एशियाई खेलों का शनिवार को यहां मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में रंगारंग और 'हाई-टेक' उद्घाटन समारोह के साथ आधिकारिक आगाज हुआ। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत खिलाड़ियों की परेड में 501 सदस्यीय भारतीय दल की अगुवाई की। जापान के सम्राट नारुहितो ने महारानी मासाको, शाही परिवार के सदस्यों, एशियाई ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष शेख जोआन बिन हमद अल थानी और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की अध्यक्ष कर्स्टी कोवेंट्री की मौजूदगी में खेलों के शुरू होने की घोषणा की। दो घंटे के उद्घाटन समारोह की शुरुआत जापान के राष्ट्रगान से हुई जिसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

आगर मालवा में हादसा

कार उफनते नाले में गिरी, आठ की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आगर मालवा

मध्यप्रदेश के आगर मालवा जिले में शनिवार तड़के एक कार के बारिश के पानी से उफन रहे नाले में गिर जाने से तीन बच्चों और दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई। नलखेड़ा थाना प्रभारी शशि उपाध्याय ने बताया कि हादसा जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर नलखेड़ा कस्बे में बगलामुखी मंदिर के पास हुआ। ओडिशा से आए श्रद्धालुओं को लेकर जा रही कार बारिश के पानी से उफन रहे नाले में गिर गई ।

पीएम मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मध्य प्रदेश में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया। मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये तथा घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

हंसपुर हत्याकांड में तत्कालीन एसडीएम करुण को झटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रामानुजगंज/ कुसमी

कुसमी क्षेत्र के हंसपुर में बॉक्साइट परिवहन को लेकर हुए विवाद और ग्रामीण रामनरेश की मौत के मामले में उच्च न्यायालय ने निलंबित तत्कालीन कुसमी एसडीएम करुण डहरिया समेत तीन आरोपियों को नियमित जमानत देने से इंकार कर दिया है। न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडेय की अदालत ने 17 सितंबर को तीन अलग-अलग आपराधिक अपीलों पर सुनवाई के बाद सभी की याचिका खारिज कर दी। बता दें कि उच्च न्यायालय के आदेश में दर्ज अभियोजन पक्ष के अनुसार 15 फरवरी की रात ▶▶|शेष पेज 6 पर

हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

आरोपियों को मिलेगा अवसर

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोपियों को खुद को निर्दोष साबित करने का पूरा अवसर मिलेगा। वर्तमान परिस्थितियों में तीनों आरोपियों को नियमित जमानत पर रिहा करने का मामला नहीं बनता। इसके साथ ही करुण डहरिया समेत तीनों की ओर से दायर अलग-अलग आपराधिक अपील खारिज कर दी गई।

प्राकृतिक आवासों के विनाश और जल प्रदूषण के कारण घट रही संख्या

विलुप्त होने की कगार पर देशी मछलियां गंगरेल से चीतल- कुबड़ी हो रही गायब

दिलीप देवांगन ▶▶| धमतरी

अलग खबर

छत्तीसगढ़ की नदियों, तालाबों और प्राकृतिक जलाशयों में मिलने वाली देशी प्रजाति की मछलियों के अस्तित्व पर गहरा संकट मंडरा रहा है। प्रदेश की पारंपरिक जल प्रणालियों में पाई जाने वाली कई अनूठी मछलियां अब धीरे-धीरे विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी हैं। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और ▶▶|शेष पेज 6 पर

खेतों और तालाबों की संकटग्रस्त मछली

बारिश के दिनों में खेतों और छोटे डबरों, कीचड़ में स्वतः पनपने वाली औषधि गुणों से भरपूर कई प्रजातियां रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्याधिक छिड़काव से तेजी से गायब हो रही हैं जिसमें देशी मोंगरी, सिंघी, केवई, पबदा शामिल हैं। अन्य स्थानीय लुप्तप्राय छोटी प्रजातियों में बांबी, रीता कोटिया, पंगाज है।

विलुप्ति से बचाने उठा रहे कदम

मत्स्य पालन विभाग के उपसंचालक एमएस कमल ने बताया कि छग में विलुप्त हो रही देशी मछलियों और जलीय जैव विविधता को बचाने मत्स्य पालन विभाग, वन विभाग, स्थानीय कृषि केंद्रों द्वारा संयुक्त रूप से कई बड़े कदम और संरक्षण के उपाय किए जा रहे हैं जिसमें 16 जून से 15 अगस्त तक मछली पकड़ने पर पूर्ण ▶▶ शेष पेज 6 पर

अत्यंत दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजाति

बोध मछली की शार्क कहा जाता है। बस्तरी की इंद्रावती नदी में पाई जाने वाली इस विशालकाय कैट फिश का वजन 150 किलोग्राम तक होता है। यह अत्याधिक शिकार और जलस्तर घटने के कारण लगभग विलुप्त होने की कगार पर है। बस्तर की कुडुक जनजाति इसे देव मछली मानकर पूजती भी है। डुडुंग मछली इंद्रावती नदी में पाई जाने वाली एक बेहद दुर्लभ और लुप्तप्राय देशी मछली है जो बहुत कम देखने को मिलती है। महाशीर -तोर तोर- छत्तीसगढ़ की पहाड़ी और तेज बहाव वाली नदियां हसदेव और महानदी में पाई जाने वाली मछली संकटग्रस्त की श्रेणी में आ चुकी है। चीतल मछली कभी गंगरेल बांध में प्रचुर मात्रा में पाई जाती थी। वैज्ञानिक सर्वेक्षण में इसका अस्तित्व 2005 के बाद जलाशय से पूरी तरह से समाप्त हो गया है।

स्लीपकेशन घुमक्कड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद

आज की भाग-दौड़ भरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन भरी नींद की कमी अक्सर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी / अंशु सिंह }

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमक्कड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनसी में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।

क्या है स्लीपकेशन

स्लीपकेशन, यात्रा का एक ऐसा रूप है जहां आपका ध्यान आपके आस-पास की हर चीज की खोज से हटकर, खुद से दोबारा जुड़ने पर केंद्रित हो जाता है। कोई जल्दबाजी वाली सुबह नहीं। हर सेकेंड का 'अधिकतम उपयोग' करने का कोई दबाव नहीं। इसके बजाय आप निर्बाध नींद के बाद धीमी, सचेतन सुबह का आनंद ले सकते हैं। एक ऐसा समय बिता सकते हैं, जिसका कोई हिसाब नहीं होता है। वैश्विक स्तर पर इस विचार को लोकप्रियता मिल रही है, क्योंकि लोगों ने यह पहचानना शुरू कर दिया है कि शहरों की आधुनिक जीवनशैली हमें लगातार अतिउत्तेजित और चुपचाप थका देती है। वैसे में एक स्लीपकेशन बिना किसी अपराध बोध के आराम करने की अनुमति देता है। हालांकि भारत में 'स्लीपकेशन' का कॉन्सेप्ट अभी काफी नया है। लेकिन यह धीरे-धीरे सोच-समझकर की जाने वाली यात्राओं का हिस्सा बनता जा रहा है।

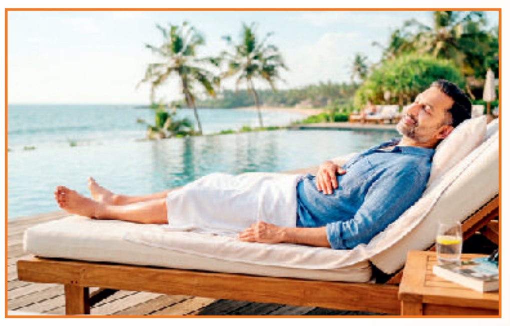

नींद की कमी से परेशान हैं लोग

आज के दौर में बेशुमार काम, जिम्मेदारियों, रिश्तों को संभालना और रोजमर्रा की जिंदगी के लगातार मानसिक बोझ के बीच तालमेल बिठाना जरूरी हो गया है। इस बारे में वरिष्ठ मनोचिकित्सक गगनदीप कौर कहती हैं, 'दुनिया में नींद की कमी वाले देशों में जापान के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। देश में नींद की कमी की समस्या पहले से ही मौजूद डायबिटीज, मोटापा, दिल की बीमारी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बोझ को और बढ़ा रही है।'

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप्स के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन 'लोकल सर्कल्स' का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे थका हुआ महसूस करते हैं। इस 'स्लीप डेब्ट' को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉरपोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कूर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलनेस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थेरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक करण कहते हैं, 'आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई वाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें।'*

अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव

- इसमें व्यक्ति को सुबह बिना अलार्म के जागना होता है।
- बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- बिना किसी मंजिल के लंबी सैर पर यूं ही घूमने निकल जाना।
- इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- शरीर आराम महसूस करने लगता है।

ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

{ लाइफस्टाइल / विवेक कुमार }

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लैश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक भ्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर पर भरोसा करना सही नहीं है। उत्पाद का विवरण पढ़ना भी बहुत जरूरी है।

जरूर पढ़ लें रिव्यू: जब ऑनलाइन खरीदारी करें, तो सबसे कारगर होते हैं पहले के खरीदारों के खरीद संबंधी रिव्यू। इसलिए जब भी ऑनलाइन कोई चीज खरीदें, तो उसके पहले ऑनलाइन रिव्यू जरूर पढ़ें। हालांकि यहां भी हर खरीदार की उसकी अपनी समीक्षा को बिल्कुल सत्य न मान लें। बेहतर है कि कई खरीदारों की प्रतिक्रियाएं पढ़ें, खासकर उन टिप्पणियों को विशेष रूप से देखें, जिनमें उत्पाद की कमियां विस्तार से बताई गई हों।

रेटिंग स्टार्स से रहें सावधान: जहां तक रेटिंग की बात है तो रेटिंग के स्टार देखकर अंतिम निष्कर्ष पर न पहुंचें बल्कि लिखी हुई टिप्पणी का मतलब ज्यादा सच होता है। पांच सितारे देखकर तुरंत प्रभावित होने की बजाय, यह देखना ज्यादा उपयोगी होता है कि ग्राहक ने वास्तव में लिखा क्या है? कई बार हजारों लोगों की अच्छी रेटिंग के बावजूद आपकी जरूरत के लिए उत्पाद अनुपयुक्त हो सकता है।

जान लें रिटर्न पॉलिसी: ऑनलाइन शॉपिंग में सबसे जरूरी है रिटर्न पॉलिसी। ऑनलाइन खरीदारी की सबसे बड़ी भूल है कि उत्पाद खरीदने से पहले रिटर्न पॉलिसी न पढ़ना। कई उत्पादों पर रिटर्न उपलब्ध नहीं होता। कुछ पर केवल रिप्लेसमेंट होता है। जबकि कुछ में रिफंड के लिए विशेष शर्तें होती हैं। कपड़े, कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं के नियम अलग-अलग हो सकते हैं। इसलिए भुगतान करने से पहले यह देखना चाहिए कि उत्पाद वास्तव में रिटर्न किया जा सकता है या नहीं। कितने दिनों के भीतर किया जा सकता है और रिफंड किस माध्यम से मिलेगा?

सही प्लेटफॉर्म चुनें: सस्ती कीमत देखकर किसी अनजान वेबसाइट पर तुरंत भुगतान करना जोखिमभरा हो सकता है। वेबसाइट का नाम, संपर्क, जानकारी, रिटर्न नीति और भुगतान का विकल्प देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए।*

{ गजल }
{ डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद
हाथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संभल जाने के बाद

इस जग का दस्तूर यही है सब साथी हैं उजियारे के
घुस जाते हैं लोग घरों में सूरज ढल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्य उसे नित बांधे रखता है गुलशन से
पास नहीं जाता फिर भौंरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है
ढल जाता है हर सांचे में लौह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से
जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के ढल जाने का 'नवरंग'
परवानों की भीड़ लगेगी शम्मा जल जाने के बाद

{ व्यंग्य / धर्मेंद्र जोशी }

कार्य प्रगति पर है!

शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

आजकल अधिकतर शहरों की सड़कों पर जगह-जगह 'कार्य प्रगति पर है!' के बोर्ड लगे हुए दिख जाते हैं। बोर्ड धुंधला जाते हैं, मगर कार्य को गति नहीं मिल पाती है। प्रगति जमीन पर नहीं बल्कि केवल बोर्ड पर ही लिखी दिखाई देती है। यही वजह है कि जो गड्ढे पिछली बारिश में नन्हे-नन्हे अवतरित हुए थे, वे अब पाताल के द्वार रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं। न जाने कितने दो पहिया वाहन सवार पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को खुद पर गिरा कर हमेशा के लिए उनकी स्मृति इनमें अंकित हो चुकी है।

इधर, शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। लोगों के घर धूल के गुबार से गुलजार हो रहे हैं। गृहिणियों का गृहकार्य बढ़ चुका है। वे सफाई में हाथ बंटाने के लिए अपने वीटो पावर का उपयोग कर घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोर्च की साफ-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं।

सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए खुली हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के यायावरी करते रहते हैं। उनकी सक्रियता से सरकारी और निजी अस्पतालों में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की लाइन दिन-प्रतिदिन लंबी होती जा रही है।

कुछ जागरूक नागरिकों ने अपने घर के सामने मौजूद जलयुक्त कुंड को पार करने के लिए पटिए के अस्थाई पुल का निर्माण कर रखा है। लेकिन सावधानी हटते ही उस पर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। मुख्य सड़क से लगे मकान के रहवासी बेचारे जी, कल संध्या काल में अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी सहित वहीं गटरदोज हो गए। न केवल उनके धवल वस्त्र गंदगी से अलंकृत हुए, उनकी स्कूटी में भी हलचल बंद हो गई। जुगत बाबू की धर्मपत्नी के साथ भी वहीं हादसा हो गया। वे सब्जी मंडी से थैला भरकर ताजी तरकारी लेकर आ रही थीं। छत पर खड़ी पड़ोसन से बात करने में मगन, उन्हें नाली का ध्यान नहीं रहा और वे सब्जी सहित नाली में समा गईं। आस-पास के लोगों ने किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगूल हुआ कि अपनी स्टाइलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को 'कार्य प्रगति पर है' का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल चाट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और वोट पाने के जरिए को और मजबूत किया जा सके।*

{ लघुकथा / कृति आर.के. जैन }

पिता का तकिया

मेरी कॉलोनी में रहने वाले एक वृद्ध की दिनचर्या वर्षों से नहीं बदली थी। हर शाम वह चारपाई पर बैठकर दरवाजे की ओर टकटकी लगाए रहते। लोग समझते, शायद बेटे का इंतजार है। बेटा महीने में केवल एक बार आता। जल्दबाजी में हाल-चाल पूछता, दवाइयां रखता और कहता, 'पिताजी, किसी चीज की जरूरत हो तो बता दिया कीजिए।' वृद्ध मुस्कुरा देते, 'सब है बेटा कुछ नहीं चाहिए।'

एक सर्द रात वह चुपचाप इस दुनिया से विदा हो गए। घर समेटते समय बेटे ने उनका पुराना तकिया उठाया। तकिया भारी लगा। खोलकर देखा तो उसमें न पैसे थे, न गहने, केवल संभालकर रखी छोटी-छोटी पर्चियां थीं। हर पर्ची पर एक तारीख और अधूरी-सी टीस लिखी थी, 'आज बहुत मन था कि बेटा थोड़ी देर बैठ जाता।' 'आज पहली बार खाना अकेले खाया।' 'डॉक्टर ने कहा, बातें करते रहिए। मगर किससे?' 'आज बरामदे में दो कप चाय रखी दूसरी ठंडी हो गई।'

सबसे आखिरी पर्ची पर लिखा था, 'अब उसे बुलाना मत। वह बहुत व्यस्त होगा।' पर्चियां पढ़ते-पढ़ते बेटे की आंखें धुंधला गईं। उसे पहली बार समझ आया कि उसने पिता की हर जरूरत पूरी की, पर उनके अकेलेपन को कभी नहीं पढ़ा। उसने तकिए को सीने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रिश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं।*

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवयित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह 'छत पर लड़कियां' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रेंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री की दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गूंजता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। 'छत पर खड़ी लड़कियां/देखते हुए डूबते सूरज को/सीखती हैं, डूबना नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।' जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। 'बिंदी और सिंदूर' कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी बदलाव को संग्रह की कई अन्य कविताओं में स्पष्ट तौर पर लक्षित कर सकते हैं।

'मी लॉर्ड! मुझे न्याय दीजिए' कविता में वह कहती हैं, 'मैंने कत्ल कर दिया/मी लॉर्ड/उस लड़की का/परंपराओं, संस्कारों के हवन कुंड में/होम किए दे रही थी जो/खुद को/रखने को झूठा मान/घर परिवार का।' 'सुनो नादिया' जैसी कविता को शामिल करने से इस संग्रह की कविताओं का कैनवास और भी विस्तारित हो गया है। इससे भारतीय समाज में शोषित-दमित होकर जीने वाली स्त्रियों के स्वर में वैश्विक आधी आबादी का स्वर भी घुलता-मिलता नजर आता है। कह सकते हैं कि आरती आस्था के इस कविता संग्रह में स्त्री जीवन की अनेक छवियां उजागर हुई हैं।*

पुस्तकः छत पर लड़कियां (कविता संग्रह), **लेखिकाः** आरती आस्था, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

तरकश

संजय के दीक्षित

प्रशासन में उल्टी गंगा

छत्तीसगढ़ के राजस्व केसों में अंधेर नगरी जैसा हाल हो गया है। आम आदमी इस उम्मीद से तहसील कोर्ट के फैसलों के खिलाफ कलेक्टर और कमिश्नर कोर्ट में अपील करता है कि उसे न्याय मिलेगा, मगर कमोवेश सभी जगहों पर देखने में आ रहा कि ये साहबान लोग उसे बिना कोई निर्णय किए नीचे के अधिकारियों को लौटा दे रहे। जबकि, भू-राजस्व संहिता 49 की धारा 3 में स्पष्ट उल्लेख है कि अपीलीय प्राधिकारी याने कलेक्टर, कमिश्नर राजस्व केसों को पुनर्विचार या फिर से निर्णय करने के लिए केस को नीचे कदापि नहीं भेज सकते। उन्हें हर हाल में अपना फैसला देना होगा। केस की सुनवाई में अगर उन्हें कुछ और डक्यूमेंट की जरूरत होगी तो वे खुद ही तलब करेंगे...और अपने स्तर पर ही उसका निबटारा करेंगे। मगर छत्तीसगढ़ में राम राज है। कोई देखने वाला है नहीं...स्थिति यह है कि 90 परसेंट से अधिक केसेज कलेक्टर, कमिश्नर अपने अधीनस्थ अफसरों को लौटा दे रहे। इससे तहसील कार्यालयों में केसों की पेंडेंसी लगातार बढ़ती जा रही। दरअसल, सूबे के कलेक्टरों और कमिश्नरों ने अपनी जिम्मेदारी से बचने का ये तरीका निकाला है...अब आम आदमी भटकता रहे, उन्हें क्या फर्क पड़ना। आगे जब भी कलेक्टर कांफ्रेंस हो, इसे एजेंडा में शामिल करना चाहिए कि कितने अपीलीय प्राधिकारी ने अपील के कितने मामलों को निबटारा किया और कितने को नीचे वापिस किया, चौंकाने वाली संख्या सामने आएगी।

बड़े मियां तो बड़े मियां...

वो युग चला गया, जब कलेक्टर, कमिश्नर राजस्व मामलों के गहरी दिलचस्पी लेते थे। कलेक्टर साल में एकाध बार ब्लॉकों में पहुंचकर खुद ही डक्यूमेंट चेक कर लेते थे। मगर अब के कलेक्टरों को राजस्व से कोई वास्ता नहीं। गलती उनकी भी नहीं। अब डीएमएफ में इतना पैसा आ गया है कि बेचारे कलेक्टर उसी गुनतारे में व्यस्त रहते हैं कि उसे खर्च कैसे करें। खैर बात मुद्दे की। छत्तीसगढ़ सरकार ने जमीन या संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद ऑटो नामंतरण जैसा बड़ा रिफार्म किया है। मगर राजस्व विभाग उसे सफल होने दें तब तो! पिछले हफ्ते इसी स्तंभ में हमने बताया था कि किस तरह प्रायोजित आपत्तियां लगाकर नामंतरण रोका जा रहा। इसमें नया अपडेट यह है कि रजिस्ट्री के बाद आटो नामंतरण हो भी गया तो पटवारी अपना रिकार्ड नहीं सुधारता। पटवारी या तहसील ऑफिस में आप जाएंगे तो कहा जाएगा कि त्रुटि सुधार का आप्लीकेशन लगाइये। याने त्रुटि राजस्व विभाग का और आवेदन करें भुक्तभोगी व्यक्ति। उपर से बिना चढ़ावा कुछ होगा नहीं। याने सरकार कोई भी रिफार्म कर लें, आपको पटवारी के पास जाना ही होगा।

नाम चढ़ाने का 27 लाख

एक बड़े जिले का मामला है...एक रोड कंट्रेक्टर ने करीब 54 करोड़ में 20-22 एकड़ जमीन परचेज किया। जमीन की रजिस्ट्री हो गई। नाम भी चढ़ गया। मगर उसे ऑनलाइन करने के लिए राजस्व महकमा अड़ गया, क्योंकि सामने वाला बड़ा आसामी था। ठेकेदार को डर था कि इतना बड़ा सौदा है...राजस्व विभाग कहीं किसी मामले में उलझा दिया या दोबारा किसी की रजिस्ट्री करवा दिया...जैसा की आमतौर पर होता है...तो बड़ी चपत लग जाएगी। थक हारकर उसे 27 लाख देना पड़ा, तब जाकर ऑनलाइन नाम चढ़ा।

बिहार में बड़ा मूवमेंट

बिहार की नई बीजेपी सरकार ने जमीनों को डिजिटल रिकार्ड दुरूस्त करने बड़ा अभियान चलाया है। 17 सितंबर से लेकर 31 अक्टूबर तक पूरे राज्य में स्पेशल कैंपेन चलाया जा रहा। इसके लिए वहां के सिस्टम ने कलेक्टरों को नोडल अधिकारी बनाया है...कलेक्टर रोज इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। राजस्व विभाग से कहा गया है कि गांव में कैंप लगाकर रिकार्ड ठीक करें। अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु हो गई तो उसके वास्तविक वारिस का नाम ऑनलाईन रिकार्ड में चढ़ना चाहिए। याने झगड़े की पूरी वजह ही खतम हो जाएगी। छत्तीसगढ़ में भी ऐसा कुछ करना चाहिए।

कलेक्टरों को मिशन मोड

जमीनों की रजिस्ट्री के साथ ऑटो नामंतरण के लोकार्पण कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय ने राजस्व अमले को यमराज से तुलना की थी। उन्होंने बताया...30 साल पहले जब वे विधायक थे, एक तहसीलदार ने उनके एक परिचित की जमीन का नामंतरण 18 साल से लटका कर रखा था...वे खुद मोटर सायकिल पर उसे बिठाकर तहसील ऑफिस गए और फिर नामंतरण करवाया। बहरहाल, पड़ोस के तेलांगना और ओड़िसा ने राजस्व मामलों में काफी बदलाव कर आम आदमी का काम आसान कर दिया। मगर छत्तीसगढ़ में पटवारी और तहसीलदार राज से लोगों को मुक्ति नहीं मिल रही तो इसकी बड़ी वजह प्रशासन तंत्र की कमजोरी है। सरकार ने ऑटो नामंतरण का ऐतिहासिक रिफार्म किया मगर राजस्व विभाग के जिम्मेदार लोगों ने कभी देखने की कोशिश नहीं की, इसमें राजस्व अमला किस तरह रोड़ा अटका रहा। सरकार अगर कलेक्टरों की एकाउंटबिलिट तय कर दें तो महीने भर में राजस्व विभाग का भ्रष्टाचार रुक जाएगा। इसके लिए एकाध कलेक्टरों को लटकाना पड़े, तो इसमें कोई हर्ज नहीं। क्योंकि, बिना कलेक्टर के संरक्षण के राजस्व विभाग का ये खेल कतई संभव नहीं।

लिटमस टेस्ट

छत्तीसगढ़ में चार नगर निगमों में चुनाव होना है। बीरगांव, भिलाई, रिसाली और भिलाई-चरौदा। ये चुनाव बीजेपी और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न होगा। क्योंकि, चारों सीटें कांग्रेस के पास है और सत्ताधारी पार्टी की कोशिश होगी कि उसमें किस तरह सेंध लगाया जाए। बहरहाल, भिलाई इलाके के तीन नगर निगमों के चुनाव कांग्रेस के भूपेश बघेल और देवेंद्र यादव गुट के लिए भी लिटमस टेस्ट होगा। प्रत्याशी चयन में जिस गुट को ज्यादा मौका मिलेगा, और उसके नतीजे...2028 के विधानसभा चुनाव के राजनीतिक दिशा का संकेत देंगे। हालांकि, इसमें कोई संशय नहीं कि कांग्रेस में भूपेश बघेल गुट इस समय सबसे स्ट्रांग है। मगर भूपेश के शिष्य रहे देवेंद्र यादव उन्हें लगातार टक्कर दे रहे हैं। अलबत्ता, देवेंद्र यादव का राजनीतिक कैनवास अभी स्टेट लेवल नहीं हुआ है मगर यादवों के साथ सतनामी समुदाय में उनकी पैठ बढ़ी है। फिर, कांग्रेस की सियासत में दिल्ली कनेक्शन का बड़ा रोल होता है...और देवेंद्र ने ये काम वहां ठीकठाक कर लिया है। फिलहाल ये देखना दिलचस्प होगा कि प्रत्याशी चयन में कौन गुट भारी पड़ता है।

कलेक्टर, एसपी की ये कैसी ट्रेनिंग?

पीएम आवास का प्रोग्राम सक्ती में क्यों रखा गया, ये अलग प्रश्न है मगर केंद्रीय पंचायत मिनिस्टर शिवराज सिंह की मौजूदगी में काले झंडे से लेकर जिस तरह हूटिंग हुई, वह प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय है। दरअसल, कार्यक्रम ऐसा नहीं था कि उसे मैनेज नहीं किया जा सके। चूकि जांजगीर और सक्ती कांग्रेस का गढ़ है...बीजेपी के एक भी विधायक वहां नहीं, सो जैसी सतर्कता बरतनी चाहिए थी, वो हुआ नहीं। सिस्टम को चाहिए कि जिले में कलेक्टर या एसपी बनाने से पहले किसी अच्छे कलेक्टर या एसपी के अंदर में रख एकाध महीने की ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। वो इसलिए कि आजकल एडीएम या अपर कलेक्टर वाला सिस्टम खतम हो गया है। 80 परसेंट कलेक्टर्स, एसपी को लॉ एंड आर्डर फेस करने का तजुर्बा नहीं। सक्ती में जिन्हें कलेक्टर बनाया गया, वे लंबे समय तक मुख्य सचिव की स्टाफ अफसर रहीं। फील्ड में कब पोस्टिंग की, शायद उन्हें भी याद नहीं होगा। बिलासपुर में जिला पंचायत सीईओ बनाया गया तो चार महीने में ही छुट्टी पर चली गई, फिर सरकार को पोस्टिंग बदलनी पड़ी। अब उन्हें सीधे नेता प्रतिपक्ष के जिले में भेज दिया गया। हालांकि, छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक इनोवेशन पर काफी काम हो रहा। कलेक्टर बनाने से पहले आईएएस अधिकारियों को एडीएम की एक पोस्टिंग देने की परंपरा फिर शुरू करनी चाहिए। वरना, वही होगा कि बलौदा बाजार में हिंसा की घटना हुई तो कलेक्टर जिला छोड़ भाग निकले थे...अभी भी स्थिति बदली नहीं है। इस तरह की कोई नौबत आए तो कितने कलेक्टर, एसपी फ्रंट पर टिक पाएंगे, सिस्टम में बैठे लोगों को इसे सनद रखना चाहिए।

झारखंड से दीये

पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर दीये जलाने का टारगेट तो कलेक्टरों ने बढ़-चढ़कर दे दिया मगर दीयों का बंदोबस्त करने में उनके पसीने छूट गए। दरअसल, कुम्हार बरसात बाद दिवाली के लिए दीये बनाने प्रारंभ करते हैं। इसलिए दीये का स्टॉक था नहीं। उपर से मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और बीजेपी कार्यकर्ताओं में दीये खरीदने की होड़ मच गई। सो, बाजार से दीये पहले ही खतम हो गए थे। कलेक्टरों के समक्ष दिक्कत ये भी थी...लाख रुपए का बजट मिला, उपर से सवा लाख दीये का टारगेट...और मार्केट से दीये नदारत। कई कलेक्टरों ने झारखंड तक आदमी दौड़ाए। झारखंड में गैर बीजेपी सरकार है, इसलिए वहां दीयों की उतनी डिमांड नहीं रही। कुल मिलाकर पर्सनल एप्रोच लगाकर कलेक्टरों ने ठीकठाक दीये जलवा लिए।

24 आईएएस डेपुटेशन पर

छत्तीसगढ़ में एक वो भी टाईम था, जब दो आईएएस सेंट्रल डेपुटेशन पर होते थे। एक सुनिल कुमार और दूसरा बीवीआर सुब्रमणियम। सुब्रमणियम तो राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ आए ही नहीं थे, सो उनका काउंट भी नहीं होता था। याने एक ही डेपुटेशन माने। मगर धीरे-धीरे अफसरों की संख्या बढ़ी तो प्रतिनियुक्ति में भी उसी के अनुरूप इजाफा हुआ। इस समय पूरे 24 आईएएस अधिकारी डेपुटेशन पर हैं। इनमें 93 बैच के दूसरे नंबर के सबसे सीनियर आईएएस अमित अग्रवाल भी शामिल हैं। 2011 बैच के नीलेश श्रीरसागर भी डेपुटेशन के लिए ट्राई कर रहे थे, मगर अब डायरेक्टर अर्बन की पोस्टिंग मिलने का मतलब है, वे अब शायद ही जाएं। मगर 2012 बैच के दो-तीन आईएएस अगले साल जरूर दिल्ली का रुख करेंगे। उससे पहले बहुत संभावना है कि दिसंबर तक अंकित आनंद भी दिल्ली जाएं। यानी संख्या और बढ़नी ही हैं। खैर, भारत सरकार ने ज्वाइंट सिकेट्री बनने के लिए सेंट्रल डेपुटेशन अनिवार्य कर दिया है। मगर दिक्कत यह है कि चुनिंदा अफसरों को ही केंद्र क्लियरेंस देता है। छत्तीसगढ़ से 24 आईएएस दिल्ली गए हैं, उनमें से कम-से-कम 15 तो काफी अच्छे अफसर होंगे। इससे राज्य को नुकसान तो होता है। छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में और भी...जहां रीढ़ सीधा करके काम करने वाले अफसरों की बड़ी जरूरत है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. जिन 12 जिलों में महिलाओं को कलेक्टर बनाया गया है, उनके परफार्मेंस के बारे में पब्लिक ओपिनियन क्या हैं?
2. मंत्री अगर सूटकेस के वजन को पोस्टिंग का पैरामीटर बना लेंगे तो क्या छत्तीसगढ़ में वर्किंग कल्चर डेवलप होने की कल्पना करनी चाहिए?

देशी चना भी महंगा, थोक में दाम 72 और चिल्हर में 80 रुपए किलो

रायपुर। त्योहारी सीजन में हमेशा की तरह ही किचन के कई सामानों में महंगाई की मार पड़ रही है। अब दालों में भी महंगाई का उबाल आ गया है। जो अरहर दाल कुछ समय पहले अच्छी क्वालिटी की 110 रुपए चल रही थी, उसके दाम थोक में ही 130 रुपए और चिल्हर में 140 रुपए हो गए हैं। दूसरी दालों के साथ देशी चना भी महंगा हो गया है। 50 से 52 रुपए रहने वाला देशी चना थोक में ही 72 रुपए हो गया है। इसके दाम चिल्हर में 80 रुपए हो गए हैं। त्योहारी सीजन आते ही उत्पादक एक-एक करके किचन के सामान के दाम बढ़ने का काम करते हैं। इसके लिए कोई न कोई कारण बताया जाता है। शक्कर, खाद्य तेल, प्याज, चावल, गेंहू, घी, मसालों के बाद अब दालों के दाम में आग लगी है। जैसे-जैसे दीपावली का समय करीब आएगा और सामानों के दाम में भी इजाफा होगा।

अरहर दाल इस बार जनवरी से लेकर अगस्त तक 100 रुपए रही है। थोक में इसके दाम 90 और चिल्हर में 100 रहे। इसके बाद अच्छी क्वालिटी के दाम थोक में 100 और चिल्हर में 110 रुपए तक ही रहे, लेकिन अब इसके दाम में 30 रुपए का इजाफा हो गया है। अच्छी क्वालिटी वाली कर्नाटक, महाराष्ट्र और कटनी की दाल थोक में 130 रुपए तथा चिल्हर में 140 रुपए हो गई है। उड़द दाल के दाम भी 20 रुपए बढ़ गए हैं। उड़द दाल थोक में 110 और चिल्हर में 120 रुपए तक बिक रही थी, अब इसके दाम थोक में 120 से 130 और चिल्हर में 140 रुपए हो गए हैं।

एनआरआई कोटे का बड़ा खेल, 178 अंक पर मिली एमबीबीएस की सीट, एससी कोटे का कटऑफ 180 पर अटका

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

दूर के रिश्तेदारों के सर्टिफिकेट और विदेशी मुद्रा में मोटी फीस का भुगतान करने वालों को कम अंक में भी एमबीबीएस की सीट मिल गई। दूसरे राउंड की काउंसिलिंग के दौरान 178 अंक हासिल करने वाले को निजी मेडिकल कालेज में एनआरआई कोटे की सीट अलॉट हुई और एससी कोटे का कटऑफ 180 से नीचे नहीं उतरा। जनरल केटेगरी के लोगों को इसके लिए खासी मेहनत करनी पड़ी और सवा पांच सौ रैंक वालों को सरकारी सीट नसीब हुई।

निजी मेडिकल कालेजों में अप्रवासी भारतीय छात्रों के लिए निर्धारित कोटे पर काफी समय से सवाल खड़ा होता आया है। केवल सर्टिफिकेट और विदेशी मुद्रा में फीस का भुगतान के नियम का पालन करने पर उन्हें थोड़ी मेहनत और कम अंक हासिल करने पर भी एमबीबीएस की सीट पक्की हो जाती है। इस बार भी काउंसिलिंग के दौरान ऐसा ही कुछ हो रहा है। वर्ष 2026 की काउंसिलिंग में 6 प्रायवेट मेडिकल कालेज शामिल है, जहां बड़ी संख्या में एनआरआई कोटे की सीटें हैं। पहले राउंड में करीब 34 लोगों का एडमिशन होने के बाद दूसरे राउंड में 32 लोगों को पात्र माना गया था। पिछले दिनों जारी हुई आवंटन सूची में भिलाई के निजी मेडिकल कालेज में 720 अंकों के नीट में 178 अंक हासिल करने वाले छात्र को एनआरआई कोटे से सीट का आवंटन हुआ था। उसी कालेज में एससी कोटे के छात्र को एडमिशन का मौका दिया गया, जिसने उसी एग्जाम में 182 अंक हासिल किए थे। वहां राजधानी के एक मेडिकल कालेज में एससी कोटे के 180 अंक वाले को भी सीट का आवंटन किया गया था। अभी दूसरे राउंड का एडमिशन 22 सितंबर तक पूरा होगा। इसके बाद आने वाले दिनों में तीसरा राउंड आयोजित किया जाएगा। इस राउंड के दौरान एनआरआई को छोड़कर अन्य कोटे की सीट का कटऑफ और नीचे जा सकता है।

रिश्तेदारों के अप्रवासी सर्टिफिकेट और मोटी फीस के बदले मिली मेडिकल की सीट

दूसरे राउंड में आवंटन सूची के दौरान सामान्य वर्ग की सीट हासिल करना अभ्यर्थियों के लिए काफी टफ रहा। रायपुर के शासकीय कालेज में अंतिम आवंटन 576 अंक वाले को दिया गया था। वहीं बिलासपुर के शासकीय कालेज में अंतिम आवंटन 563, राजनांदगांव के शासकीय मेडिकल कालेज में 558 तथा रायगढ़ में 530 स्कोर वाले को सीट आवंटित की गई है। सरकारी कालेजों में एडमिशन इस राउंड के दौरान लगभग पूरा होने की उम्मीद है।

नियम के मुताबिक दो राउंड तक एनआरआई कोटे से एडमिशन दिया जाता है। इसके बाद भी सीट खाली बचती है तो उसे प्रबंधन कोटे में तब्दील कर दिया जाता है। दूसरे राउंड के बाद काफी संख्या में सीटें खाली रहने का अनुमान है, जो मैनेजमेंट को वापस की जाएगी।

मिशन अमृत के तहत अहिवारा, मुंगेली और कांकेर में बनेंगे आधुनिक उद्यान, 7.29 करोड़ से विकसित होंगे

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मिशन अमृत-2.0 के तहत छत्तीसगढ़ के अहिवारा, मुंगेली और कांकेर नगरपालिका क्षेत्रों में आधुनिक उद्यान विकसित किए जाएंगे। तीनों परियोजनाओं के लिए कुल 7 करोड़ 29 लाख 24 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इन उद्यानों में कुल 8,732 पौधे लगाए जाएंगे। निर्माण कार्य एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अहिवारा में वार्ड क्रमांक-1 के शीतला मंदिर क्षेत्र में 0.52 एकड़ में 2 करोड़ 7 लाख 48 हजार रुपए की लागत से उद्यान बनेगा। यहां करीब 2,115 पौधे लगाए जाएंगे। मुंगेली के पेंड्राकांपा स्थित महाराणा प्रताप वार्ड में 3.08 एकड़ में सबसे बड़ा उद्यान विकसित होगा। इसके लिए 3 करोड़ 52 लाख 32 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं और करीब 4,453 पौधे लगाए जाएंगे। वहीं कांकेर के श्रीराम नगर, वार्ड क्रमांक-9 में 0.72 एकड़ में 1 करोड़ 69 लाख 44 हजार रुपए की लागत से उद्यान विकसित किया जाएगा। यहां 2,164 पौधे लगाए जाएंगे। तीनों उद्यानों में बच्चों के लिए प्ले-एरिया और खेल उपकरण, नागरिकों के लिए ओपन जिम, पैदल चलने के लिए पाथवे, बैठने और विश्राम की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, टॉयलेट ब्लॉक तथा गज़ेबो जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था भी होगी। अहिवारा और कांकेर में सोलर लाइट की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को बेहतर और सुविधायुक्त जीवन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। तेजी से विकसित होते शहरों में अधोसंरचना के साथ पर्यावरण और जीवन की गुणवत्ता पर भी ध्यान दिया जा रहा है। ये उद्यान बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किए जाएंगे।

राशिफल

मेष परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी।

वृष कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यर्थ की भागदौड़ बढ़ सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन लाभ में में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कर्क सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। मान-सम्मान बढ़ेगा। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।

सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव हो सकते हैं।

तुला व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें।

वृश्चिक पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यभार में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु जीवनसाथी से नोकझोंक हो सकती है। कुटुम्ब में मान-सम्मान की प्राप्ति के योग हैं। लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। सुखद परिणाम मिलेंगे।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। खर्चों की अधिकता रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। शासन-सत्ता का सहयोग रहेगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ेगी। खर्च अधिक रहेंगे।

रामनरेश हत्याकांड में डहरिया की जमानत याचिका खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रामानुजगंज/कुसमी

कुसमी क्षेत्र के हंसपुर में बॉक्साइट परिवहन को लेकर हुए विवाद और ग्रामीण रामनरेश की मौत के मामले में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने निलंबित तत्कालीन कुसमी एसडीएम करुण डहरिया समेत तीन आरोपितों को नियमित जमानत देने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडेय की अदालत ने 17 सितंबर को तीन अलग-अलग आपराधिक अपीलों पर सुनवाई के बाद सभी की खारिज कर दिया।

मामले में थाना कोरंधा में आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अलावा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराओं में भी मामला दर्ज किया गया है। तीनों आरोपितों को 16 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस जांच पूरी होने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय के आदेश में दर्ज अभियोजन पक्ष के अनुसार 15 फरवरी की रात करीब 9 बजे ग्राम हंसपुर के पास बॉक्साइट से लदे एक

ट्रक को कुछ ग्रामीणों ने रोक लिया था। वाहन रोके जाने के बाद मौके पर विवाद हुआ और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। अभियोजन का आरोप है कि इस दौरान तत्कालीन कुसमी एसडीएम करुण डहरिया समेत तीन लोगों ने कुछ ग्रामीणों के साथ मारपीट की। इस घटना में कई लोग घायल हुए थे। घायलों में रामनरेश भी शामिल था। उपचार के दौरान अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव के चलते उसकी मौत हो गई। घटना के बाद थाना कोरंधा के तत्कालीन थाना प्रभारी अमर सिंह कोमरे की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शुरुआत में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 115(2) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज हुआ था। जांच के दौरान अन्य धाराएं भी जोड़ी गईं। जिसमें धारा 109(1), 115, 296 और 238 के साथ एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1)(आर), 3(1)(एस) और 3(2)(वी) शामिल हैं। उच्च न्यायालय के आदेश के मुताबिक मामले में करुण डहरिया समेत तीनों आरोपितों को 16 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में पेश कर दिया।

ट्रायल कोर्ट में कुछ अभियोजन गवाहों के बयान भी दर्ज हो चुके हैं। जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे आरोपितों की ओर से दलील दी गई कि वे लंबे समय से जेल में हैं और पुलिस की जांच पूरी हो चुकी है। ऐसे में उन्हें नियमित जमानत का लाभ दिया जाना चाहिए। करुण डहरिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज परांजपे ने अदालत में अलग घटनाक्रम प्रस्तुत किया।

शब्द पहेली - 6353

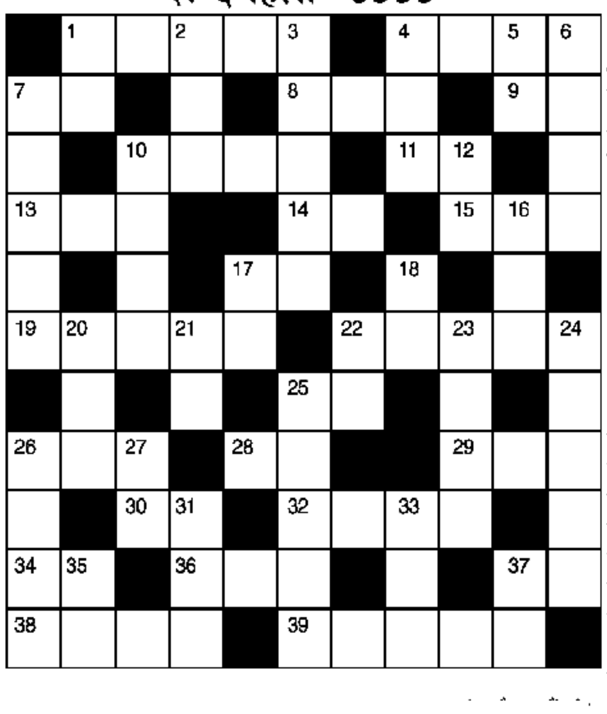

बाएँ से दाएँ
1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे
1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली- 6352 का हल

सूडोकु नवताल - 6363

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6362 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

खबर संक्षेप

गृहमंत्री शाह हुए फूड प्वाइजनिंग के शिकार

हुबली/बेलगावी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि शनिवार को कर्नाटक में दो कार्यक्रमों में शामिल होने आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 'खाद्य विषाक्तता' यानी फूड प्वाइजनिंग हो गई थी,

लेकिन अब वे 'पूरी तरह ठीक' हैं। शाह को हुबली के गबूर में केएलई जगद्गुरु गंगाधर महास्वामीगलु मूरुसाविरमठ चिकित्सा महाविद्यालय की नयी शैक्षणिक इमारत और 1,200 बिस्तरों वाले केएलई अस्पताल एवं चिकित्सा अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन करना था लेकिन वह इन कार्यक्रमों में शामिल नहीं हुए। स्थानीय नेताओं ने हालांकि, बताया कि दिल्ली के लिए हवाई अड्डा जाने से पहले शाम को उन्होंने परिसर का दौरा किया।

आतंकी हमला : तीन आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

जम्मू। अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सांबा दौरे से पहले जम्मू में हुए आतंकवादी हमले के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों की संयुक्त जमानत याचिका विशेष अदालत ने खारिज कर दी।

उल्लेखनीय है कि 21 और 22 अप्रैल 2022 की मध्यरात्रि को जम्मू के बाहरी इलाके सुंजवां में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के वाहन पर हुए हमले में एक सहायक उप-निरीक्षक (एसएसआई) शहीद हो गया था और कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए थे। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो हमलावरों को बाद में जवाबी कार्रवाई में मार गिराया गया था और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद किया गया था। दोनों पाकिस्तानी नागरिक थे।

कोलकाता : कमांडो ने लगाई बैरक में फांसी

कोलकाता। कोलकाता पुलिस का एक कमांडो शनिवार को यहां पुलिस प्रशिक्षण स्कूल (पीटीएस) के एक शौचालय के अंदर फंदे से लटका पाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान दीपक तमांग (49) के रूप में हुई है, जो कमांडो बैरक की

चौथी मंजिल के शौचालय में एक ओवरहेड पाइपलाइन से लटके हुए पाये गये। तमांग राज्य के उत्तरी हिस्से के कलिम्पोंग जिले के रहने वाले थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार, शौचालय कुछ समय से अंदर से बंद था, जिससे उनके साथियों को संदेह हुआ। जब बार-बार आवाज देने पर भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो साथियों ने दरवाजा तोड़ा और तमांग को अंदर फंदे से लटका हुआ पाया।

विकसित भारत बनाने में आप जैसे युवाओं का बड़ा रोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 20वें रोजगार मेले के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 51 हजार से ज्यादा नवनियुक्त युवाओं को विभिन्न सरकारी संगठनों में नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान देशभर में 45 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने नवनियुक्त युवाओं को संबोधित भी किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि देश में त्योहारी सीजन शुरू हो गया है और इन उत्सवों के बीच आज हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी आई है। उन्होंने कहा कि देशभर में 51 हजार से ज्यादा युवा आज सरकारी सेवा में शामिल हो रहे हैं।

रोजगार मेला : प्रधानमंत्री मोदी ने 51 हजार युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

अब तक 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र

आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिले हैं उनकी नियुक्तियां केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों और संगठनों में हुई हैं। रोजगार मेला देश के 45 स्थानों पर आयोजित किया गया। नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थी केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में काम शुरू करेंगे। इनमें राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और रक्षा मंत्रालय शामिल हैं। अब तक अलग-अलग विभागों और सरकारी संगठनों में करीब 12.75 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल चुके हैं।

अक्टूबर 2022 से शुरू हुआ था रोजगार मेला

प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब पीएम ने कहा था- हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के आखिर तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना था। लोकसभा चुनाव से पहले 12 फरवरी 2024 को 12वां रोजगार मेला आयोजित हुआ था, जिसमें सबसे ज्यादा 1 लाख जॉब लेटर बांटे गए थे। 11 लाख का आंकड़ा 2025 में पूरा हुआ था।

उन्होंने कहा कि युवा ऐसे समय में भारत सरकार का हिस्सा बन रहे हैं, जब देश 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

दुनिया को भारत से उम्मीदें

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवाओं की प्रतिभा और कौशल ने पूरी दुनिया का भरोसा जीता है। दुनिया को भारत के इनोवेटर्स, उद्यमियों और युवा शक्ति से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के साथ भारत ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि सहयोग केवल सरकारों तक सीमित न रहे, बल्कि उद्यमी, किसान, महिलाएं और युवा भी इस साझेदारी में सक्रिय भागीदार बनें।

रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर कसेगा शिकंजा

भारत पर खतरा, ट्रंप ने किया 100% टैरिफ वाला बिल साइन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को रूस और उससे तेल खरीदने वालों पर शिकंजा कस दिया है। उन्होंने 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' पर हस्ताक्षर किए हैं। ऐसा करके इसे कानून बना दिया गया है। इससे उनके प्रशासन को रूस और उन देशों पर प्रतिबंध और टैरिफ लगाने के लिए ज्यादा अधिकार मिल गए हैं जो रूस से बड़े पैमाने पर तेल और गैस खरीदते रहते हैं।

व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कानून रूस के खिलाफ कानूनी प्रतिबंधों, टैरिफ और रोक के दायरे को बढ़ाता है। साथ ही ईरान पर मौजूदा प्रतिबंधों को पांच साल के लिए और बढ़ा देता है। यह कानून भारत के लिए अहम है। कारण है कि नई दिल्ली रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक है। हालांकि, यह कानून भारतीय सामानों पर अपने आप 100% टैरिफ नहीं लगाता है। इसके बजाय, यह ट्रंप प्रशासन के लिए कुछ खास शर्तों के तहत ऐसे टैरिफ लगाने का कानूनी रास्ता बनाता है।

■ नया कानून बनने से प्रतिबंध और टैरिफ लगाने के लिए मिले ज्यादा अधिकार

यह कानून क्या करता है?

यह कानून रूसी अधिकारियों, वित्तीय संस्थानों, रक्षा से जुड़े नेटवर्क और देश के तथाकथित 'शैडो फ्लीट' (गुप्त जहाजों के बेड़े) को निशाना बनाता है। इनका इस्तेमाल पश्चिमी प्रतिबंधों से बचते हुए ऊर्जा की ढुलाई के लिए किया जाता है। एक अहम प्रावधान अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है कि वह कानून में बताई गई शर्तों के आधार पर रूसी पेट्रोलियम या प्राकृतिक गैस के पांच सबसे बड़े आयातकों के सामान पर 100% तक टैरिफ लगा सकें। इसमें उन देशों को निशाना बनाने वाले प्रावधान भी शामिल हैं जो रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों से बचने में मदद करते हैं। यह ईरान प्रतिबंध कानून को और पांच साल के लिए बढ़ाता है।

यह कहा है भारत ने

भारत ने बार-बार रूस से तेल खरीदने के अपने फैसले का बचाव किया है। उसका कहना है कि उसकी ऊर्जा नीति अपनी आबादी के लिए सस्ती और भरोसेमंद सप्लाई सुनिश्चित करने की जरूरत पर आधारित है। नई दिल्ली ने कहा कि वह इस मामले में आगे होने वाली गतिविधियों पर नजर रख रही है। अपने लोगों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत के लिए 100% टैरिफ का क्या मतलब है?

जीटीआरआई के संस्थापक और व्यापार मंत्रालय के पूर्व अधिकारी अजय श्रीवास्तव के अनुसार, यह कानून भारत पर दबाव बनाने की एक चाल है। बीबीसी के अनुसार, उन्होंने कहा, 'यह बिल भारत पर एकतरफा शर्तों पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डालने की सीधी और खतरनाक कोशिश है। भारत 1.4 अरब लोगों के लिए सस्ती ऊर्जा पाने के लिए रूस से तेल खरीदता है। न कि युद्ध को फंड देने के लिए। उन्होंने आगे कहा, '100% तक के टैरिफ से भारतीय एक्सपोर्टरों और अमेरिकी उपभोक्ताओं को नुकसान होगा। व्यापार में रुकावट आएगी। अगर अमेरिका नए कानून के तहत भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाता है तो इसका सबसे बड़ा असर रूसी कच्चे तेल की कीमत पर सीधे पड़ने के बजाय अमेरिका को होने वाले भारतीय एक्सपोर्ट पर पड़ेगा।

एच-1बी वीजा : ट्रंप ने साल भर के लिए बढ़ाया शुल्क

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा पर विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं पर लगने वाली 1,00,000 अमेरिकी डॉलर की फीस को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी. यह फीस पहली बार 2025 में लगाई गई थी और इसी महीने इसकी अवधि खत्म होने वाली थी। जारी राष्ट्रपति की घोषणा में ट्रंप ने कहा कि 2025 के इस फैसले के बाद बड़ी आईटी आउटसोर्सिंग कंपनियों की ओर से एच-1बी रजिस्ट्रेशन में 92 फीसदी की गिरावट आई है। एच-1बी वीजा कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थी समूह में भारतीय अब भी सबसे आगे हैं। ट्रंप ने कहा, '2025 की घोषणा का विस्तार अमेरिका के आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा करना जारी रखेगा, अमेरिकी कर्मचारियों और ग्रेजुएट्स के लिए श्रम बाजार तक पहुंच में सुधार करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि नियोक्ता जरूरत पड़ने पर कार्यक्रम के मूल उद्देश्य के अनुरूप केवल सबसे अधिक कुशल और जरूरी विदेशी कर्मचारियों की भर्ती करें।' ट्रंप ने एच-1बी वीजा आवेदनों की जांच को सख्त करने के लिए एक अलग घोषणा भी जारी की है।

केरल नौसेना अकादमी में बांग्लादेशी हुआ गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल की एझिमाला नौसेना अकादमी में फर्जी कागजात से भारतीय नागरिक बनकर काम कर रहे बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 32 साल के बिप्लब सोरेन के रूप में हुई है। वह अकादमी के लॉन्ड्री सेक्शन में कॉन्ट्रैक्ट वर्कर था। नौसेना अधिकारियों ने शुक्रवार रात करीब 8:15 बजे उससे पूछताछ की। उसके कागजात की जांच के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वह बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहा था। नौसेना अधिकारियों को बिप्लब के व्यवहार पर शक हुआ था। इसके बाद उस पर नजर रखी गई। इसके बाद हिरासत में लिया गया। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन से ऐसे दस्तावेज और जानकारी मिली, जिनसे उसके बांग्लादेशी नागरिक होने का संकेत मिला।

राहुल एक पागल व्यक्ति हैं: असम सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार की गिरफ्तारी के बाद 'लोकतंत्र की हत्या' वाली टिप्पणी को लेकर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष पर निशाना साधा और कहा कि 'राहुल गांधी एक पागल व्यक्ति हैं, कभी आप उन्हें दाढ़ी के साथ देखते हैं, तो कभी बिना दाढ़ी के दिखाई देते हैं'। शर्मा ने 19 साल पुराने मामलों के सिलसिले में कांग्रेस उम्मीदवार की गिरफ्तारी का बचाव करते हुए कहा कि यह 'पुलिस का कर्तव्य' था। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बताया कि प्रधान को चार लंबित गिरफ्तारी वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया गया। ये वारंट गैर-जमानती मामलों में कथित संलिप्तता को लेकर जारी किए गए थे, जिनमें 2007 के नंदीग्राम भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के दौरान दर्ज दंगा, हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण और आपराधिक धमकी से जुड़े मामले शामिल हैं।

बंगाल उपचुनाव, सुबह कहा- नहीं लड़ूंगा, दोपहर में बोले- लड़ूंगा

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के रेजीनगर उपचुनाव में सियासी ड्रामा जारी है। शनिवार सुबह चुनाव मैदान से हटने की घोषणा करने वाले 'ममता टीएमसी' के उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने कुछ ही घंटों के भीतर अपना फैसला बदल लिया है। पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी से टेलीफोन पर हुई सीधी बातचीत और उनके आश्वासन के बाद रबीउल अब उपचुनाव लड़ने पर अड़े हुए हैं। शनिवार को नामांकन वापसी की अंतिम समय सीमा (दोपहर 3 बजे) समाप्त होने के ठीक पहले यह नाटकीय मोड़ आया। चौधरी ने कहा कि वह पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी की इच्छा के अनुसार छह अक्तूबर को होने वाला उपचुनाव लड़ेंगे। बता दें, यह घटनाक्रम ममता बनर्जी की पार्टी की नंदीग्राम उपचुनाव उम्मीदवार संचिता प्रधान डे के नामांकन वापस लेने के एक दिन बाद हुआ। संचिता ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी।

■ रेजीनगर उपचुनाव में नाटकीय मोड़

यह कहा था आलम ने पहले

रबीउल आलम चौधरी पहले टीएमसी विधायक रह चुके हैं। उन्होंने दोपहर में अपने मुर्शिदाबाद स्थित घर पर पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, मेरे लिए जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार करना मुश्किल होता जा रहा है। इन कार्यकर्ताओं को लगातार परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इतने कम समय में मतदाताओं को नए 'फुटबॉलर' चुनाव चिह्न से परिचित कराना भी एक बड़ी मुश्किल है। ऐसी स्थिति में मैंने कल रात ममता दीदी को अपने फैसले की जानकारी दी थी कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। देखते हैं।

अब क्या कहा?

हालांकि, कुछ घंटे बाद चौधरी ने जल्दबाजी में एक और प्रेस वार्ता बुलाई। इसमें उन्होंने कहा, मैं उपचुनाव लड़ूंगा। पार्टी प्रमुख के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने मुझे सुरक्षा का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा, मैंने अपनी पार्टी प्रमुख से बात की। उन्होंने मुझे और मेरे कार्यकर्ताओं को भी चुनाव प्रचार के दौरान सुरक्षा देने का भरोसा दिया है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि हमारे किसी भी कार्यकर्ता को प्रताड़ना का सामना न करना पड़े। मेरे पास अगर 10 कार्यकर्ता भी हैं, तो मैं जीतूंगा।

उड़ानें प्रभावित, देरी- कैंसिलेशन से यात्री परेशान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर शनिवार को ऑपरेशनल दिक्कतों के चलते स्पाइसजेट की कई फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। कुछ फ्लाइट्स में देरी हुई, जबकि कुछ रद्द भी की गईं। इसके कारण सैकड़ों यात्री परेशान हुए। दिल्ली एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट में यात्रियों से माफी मांगी। एयरपोर्ट के मुताबिक, ग्राउंड स्टाफ प्रभावित यात्रियों को जरूरी मदद दे रहा है और स्पाइसजेट के साथ मिलकर काम कर रहा है। ऑपरेशनल दिक्कतें क्या हैं,

■ दिल्ली एयरपोर्ट पर हंगामा, स्पाइसजेट ने यात्रियों से मांगी माफी

इस पर स्पाइसजेट की ओर से फिलहाल कोई बयान नहीं आया है। स्पाइसजेट की उड़ानों में पिछले कुछ दिनों में लगातार देरी की घटनाएं सामने आई हैं। 15 सितंबर को दिल्ली से दुबई जाने वाली दो फ्लाइट्स में घंटों की देरी हुई थी। इनमें एक फ्लाइट करीब 30 घंटे और दूसरी करीब 19 घंटे की देरी से रवाना हुई थी। इस दौरान करीब 200 यात्रियों ने एयरपोर्ट पर प्रदर्शन भी किया था।

समय पर उड़ान का रिकॉर्ड सबसे खराब

समय पर उड़ान के मामले में स्पाइसजेट का इस साल का रिकॉर्ड बड़ी एयरलाइंस के मुकाबले कमजोर रहा है। जुलाई में एयरलाइन की सिर्फ 34.5% फ्लाइट्स निर्धारित समय पर चलीं। जुलाई में स्पाइसजेट की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 1.6% रही, जबकि जून में यह 1.9% थी। यानी एक महीने में हिस्सेदारी 0.3 प्रतिशत अंक घट गई। जुलाई में एयरलाइन ने करीब 1.87 लाख यात्रियों को सफर कराया। इसी अवधि में इंडिगो की हिस्सेदारी 67.4%, एयर इंडिया ग्रुप की 24% और अकासा एयर की 5.5% रही।

मोदी का पुतला जलाया, 21 किसानों पर एफआईआर

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर गुजरात के मोरबी जिले में पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुतले जलाने जाने के बाद पुलिस ने 21 लोगों और कुछ अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। मोरबी पुलिस ने इन सभी के खिलाफ गैर-कानूनी तरीके से जमा होने और आपराधिक साजिश रचने समेत कई आरोपों में मामला दर्ज कर लिया है।

पिछले कई महीनों से मोरबी का जेटपार गाँव किसानों के आंदोलन की वजह से खासा चर्चा में है। यहां के किसान अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) की एक स्पेशल पर्पस व्हीकल कंपनी 'हलवद ट्रांसमिशन लिमिटेड' की ओर से अपने खेतों के ऊपर से हाई-टेंशन बिजली ट्रांसमिशन लाइन बिछाए जाने का कड़ा विरोध कर रहे हैं।

अमेरिका से जंग के बावजूद न्यूयॉर्क आएंगे ईरानी राष्ट्रपति

नहीं होगी गिरफ्तारी, मिला यूएस वीजा

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच 7 महीने से जंग चल रही है। इसके बावजूद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली यूएनजीए बैठक में शामिल होंगे। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं को वीजा दे दिया गया है। युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार होगा, जब ईरान के शीर्ष नेता अमेरिका पहुंचेंगे। ईरानी राष्ट्रपति पजशकियान न्यूयॉर्क में गिरफ्तार नहीं हो पाएंगे। इसकी दो बड़ी वजहें हैं। राष्ट्रपति को खास कानूनी सुरक्षा मिलती है। किसी देश के मौजूदा राष्ट्रपति को दूसरे देश में जाकर सीधे गिरफ्तार करना आसान नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत मौजूदा राष्ट्राध्यक्षों को खास कानूनी सुरक्षा मिलती है। इसका मकसद यह है कि कोई देश अपनी

मर्जी से दूसरे देश के मौजूदा राष्ट्रपति को गिरफ्तार न कर सके। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि राष्ट्रपति पर कभी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती। यह इस बात पर निर्भर करता है कि मामला किस अदालत में है, आरोप क्या हैं और उस देश के कानून क्या कहते हैं। निकोलस मादुरो का मामला इसका उदाहरण है। उन्हें अमेरिका ने गिरफ्तार किया था, लेकिन अमेरिका उन्हें उस समय वेनेजुएला का वैध राष्ट्रपति नहीं मानता था।

यूएनजीए के लिए अमेरिका की अलग जिम्मेदारी

यह मामला सिर्फ अमेरिका और ईरान के बीच का नहीं है। यूएन का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है और अमेरिका इसकी मेजबानी करता है। इसलिए यूएन की बैठकों में हिस्सा लेने वाले दूसरे देशों के प्रतिनिधियों को अमेरिका आने की अनुमति देना उसकी जिम्मेदारी का हिस्सा है। यूएन के नियमों के मुताबिक अमेरिका ऐसा नहीं कर सकता कि किसी विदेशी प्रतिनिधि को यूएन के आधिकारिक काम में हिस्सा लेने से ही रोक दे। हालांकि, यूएन के बाहर उसकी आवाजाही पर पाबंदी लगाई जा सकती है। इसी वजह से पजशकियान और अराघची को अमेरिका आने की अनुमति दी गई है। लेकिन ईरानी प्रतिनिधिमंडल छोटा रखा गया है और उसके सदस्यों की आवाजाही भी सीमित रहेगी।

बाल-बाल बचे, गलत रिपोर्ट से हमले की तैयारी में थी यूएस आर्मी

एआई की एक गलती से छिड़ सकता था चीन-अमेरिका युद्ध!

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का इस्तेमाल कई सेक्टर में हो रहा है, जिसमें सेना का भी नाम शामिल है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एआई की एक गलती की वजह से अमेरिका और चीन के बीच युद्ध छिड़ सकता था। दरअसल, ईरान और अमेरिका युद्ध के बीच एक खुफिया रिपोर्ट तेजी से सर्कुलेट हुई थी। सीएनएन की रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया है कि ईरान युद्ध के दौरान मध्य पूर्व में मौजूद एक चीनी जहाज परमाणु हथियार प्रोग्राम से संबंधित सामान लेकर जा रहा है, जो जानकारी गलत थी। रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिकी सेना ने चीनी जहाज को रोकने की योजना बनाई थी। साथ ही हथियारबंद जवान जहाज पर चढ़ने की तैयारी में थे और अमेरिका सेना का विमान भी हवा में था।

■ एआई पर निर्भरता का खतरनाक उदाहरण आया सामने

एआई की मदद से तैयार की थी रिपोर्ट

एक्शन लेने से पहले अमेरिकी अधिकारियों ने रिपोर्ट की गहराई से जांच की, जिसके बाद पता चला कि यह रिपोर्ट स्पेशल ऑपरेशन्स कमांड के एक विश्लेषक ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की मदद से तैयार की थी। एआई ने जहाज में मौजूद सामान की गलत पहचान कर ली थी, जिसके बाद कार्रवाई को तुरंत रोका गया। हालांकि, रिपोर्ट्स में यह नहीं बताया है कि वास्तव में जहाज के अंदर क्या सामान था। फिर पता चला कि वह रिपोर्ट पूरी तरह से गलत थी। अगर अमेरिकी चीनी जहाज के खिलाफ एक्शन लेता तो दोनों देशों के बीच सैन्य युद्ध में तब्दील हो सकता था।

गलती का यह अकेला मामला नहीं

सीएनएन के मुताबिक, सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि चीनी जहाज से जुड़ी यह एआई गलती खुफिया समुदाय में कोई अकेली घटना नहीं हो सकती। सरकार में एआई टूल्स के व्यापक इस्तेमाल के बाद ऐसी गलतियों की आशंका लगातार बनी हुई है। कुछ वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों का मानना है कि एआई के इस्तेमाल से विश्लेषकों पर खुफिया जानकारी को पहले से ज्यादा तेजी से तैयार करने और साझा करने का दबाव बढ़ रहा है।

एक्सपर्ट दे चुके हैं सलाह

यह घटना युद्ध के दौरान टारगेट तय करने में नए जोखिम सामने ला सकती है। अमेरिका द्वारा चीनी जहाज के सामान को पहचानने में भी यह गलती सामने आई है। एक्सपर्ट भी सलाह दे चुके हैं कि एआई पर पूरी तरह से निर्भरता सही नहीं है। एक्सपर्ट लंबे समय से सलाह दे रहे हैं कि अगर कोई देश गलत या खराब डेटा पर एआई की मदद से निर्भर होते हैं, तो वह कई गंभीर फैसलों में गलत सलाह दे सकता है।

तीन मिडकैप फंड ने किया बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन

- व्हाइटओक, एडेलवाइज और निप्पॉन इंडिया ने दिया खूब रिटर्न
- निवेश से पहले जोखिम और लागत को समझना बेहद जरूरी
- मिडकैप में ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ उतार-चढ़ाव भी अधिक
- तीनों फंडों ने अलग-अलग अवधि में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा
- पिछले प्रदर्शन को भविष्य की गारंटी न मानें

बिजनेस डेस्क

मिडकैप म्यूचुअल फंड उन कंपनियों में निवेश करते हैं जो बड़ी कंपनियों से छोटी, लेकिन स्मॉलकैप कंपनियों से अपेक्षाकृत बड़ी होती हैं। इनमें विकास की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं, लेकिन बाजार में गिरावट आने पर इनका उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है। हाल के आंकड़ों में मिडकैप सेगमेंट की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। 10 सितंबर 2026 तक एक साल में निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% रहा, जबकि तीन साल में इसका सालाना औसत रिटर्न करीब 15% रहा। ऐसे माहौल में यह देखना महत्वपूर्ण हो जाता है कि कौन-से सक्रिय मिडकैप फंड अपने बेंचमार्क से आगे रहे हैं। इक्विटीमास्टर की 30 से अधिक फंडों की स्क्रीनिंग में तीन योजनाएं सामने आईं व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड, एडेलवाइज मिड कैप फंड और निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड। इस विश्लेषण में रिटर्न के साथ जोखिम-समायोजित प्रदर्शन को भी देखा गया। आंकड़े 10 सितंबर 2026 तक के हैं।

1. व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड

यह तीनों में अपेक्षाकृत नया फंड है। सितंबर 2022 में शुरू हुए इस फंड ने उपलब्ध अवधि में बेंचमार्क से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। एक साल में फंड का रिटर्न 14.92% रहा, जबकि निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% था। तीन साल में फंड ने 21.73% सालाना रिटर्न दिया, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% रहा। इस फंड की खासियत इसका अपेक्षाकृत विविध पोर्टफोलियो है। मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती हेक्साकॉम, फेडरल बैंक, लॉरस लैब्स और कोफोर्ज इसकी प्रमुख हिस्सेदारी में शामिल हैं। शीर्ष होल्डिंग का वजन भी बहुत ज्यादा नहीं है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 15.86 रही। शार्प अनुपात 0.33 और सॉर्टिनो अनुपात 0.62 रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि उपलब्ध तीन साल की अवधि में फंड ने जोखिम के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन किया।

2. एडेलवाइज मिड कैप फंड

एडेलवाइज मिड कैप फंड का इतिहास बाकी दोनों की तुलना में लंबा है। यह फंड दिसंबर 2007 में शुरू हुआ था और इसके पास अलग-अलग बाजार परिस्थितियों का अपेक्षाकृत लंबा रिकॉर्ड है। पांच साल में इसने 18.89% और सात साल में 25.40% सालाना रिटर्न दिया। इसी अवधि में निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 16.52% और 22.68% रहा। तीन साल में फंड का रिटर्न 20.65% रहा, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% था। फंड का निवेश वित्तीय कंपनियों और बाजार से जुड़ी कुछ कंपनियों की ओर अपेक्षाकृत अधिक रहा है। इसके पोर्टफोलियो में एमसीएक्स, बीएसई, फेडरल बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसी कंपनियां शामिल हैं। यही सेक्टर झुकाव इसके प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.61 रही, जो इन तीनों में सबसे अधिक थी। शार्प अनुपात 0.30 और सॉर्टिनो अनुपात 0.56 रहा। इस फंड की एक महत्वपूर्ण बात इसका लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। हालांकि, निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि मौजूदा फंड मैनेजमेंट टीम के कार्यकाल और पूरे ऐतिहासिक प्रदर्शन में कितना अंतर है।

3. निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड तीनों में सबसे पुराना है। अक्टूबर 1995 में शुरू हुआ यह फंड कई बाजार चक्रों से गुजर चुका है। इसके लंबे इतिहास में डॉट-कॉम संकट, 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी, टेपर टैंट्रम, नोटबंदी, कोविड और मिडकैप में आई बड़ी गिरावट जैसे दौर शामिल हैं। एक साल में फंड ने 8.44%, तीन साल में 17.73%, पांच साल में 18.31% और सात साल में 24.11% सालाना रिटर्न दिया। संबंधित अवधि में निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 7.19%, 14.92%, 16.52% और 22.68% रहा। इससे पता चलता है कि उपलब्ध सभी प्रमुख अवधियों में फंड का रिटर्न बेंचमार्क से ऊपर रहा। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.07 रही। शार्प अनुपात 0.27 और सॉर्टिनो अनुपात 0.51 रहा। फंड का आकार करीब 39,100 करोड़ रुपये बताया गया है, जो इन तीनों में सबसे बड़ा है। बड़ा आकार एक तरफ मजबूत निवेशक आधार को दर्शाता है, लेकिन मिडकैप क्षेत्र में बहुत बड़े फंड के लिए छोटी कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी बनाना अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है। इसका प्रत्यक्ष योजना व्यय अनुपात करीब 0.81% है।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

मिडकैप फंड में पिछले रिटर्न को देखकर निवेश करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस श्रेणी में शेयरों की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। इसलिए निवेशक को कम से कम पांच बातों पर ध्यान देना चाहिए—फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का रिकॉर्ड, खर्च और अपने पोर्टफोलियो में मिडकैप का उचित हिस्सा। इसके अलावा फंड के आकार को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बहुत बड़े फंड के लिए छोटी और मझोली कंपनियों में पर्याप्त हिस्सेदारी बनाना मुश्किल हो सकता है, जबकि छोटे फंड में दूसरी तरह के जोखिम हो सकते हैं।

एसआईपी निवेशकों के लिए क्या समझना जरूरी

मिडकैप फंड को आम तौर पर लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से देखना चाहिए। बाजार में गिरावट के दौरान एसआईपी जारी रखने के लिए निवेशक में पर्याप्त जोखिम क्षमता होनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, किसी फंड ने पिछले तीन या पांच वर्षों में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा है, इसका अर्थ यह नहीं है कि अगले तीन या पांच वर्षों में भी ऐसा ही होगा। बाजार की परिस्थितियां, कंपनियों की कमाई, मूल्यांकन और फंड की निवेश रणनीति बदल सकती है। इसलिए निवेश का निर्णय केवल 'किसने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया' के आधार पर नहीं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम क्षमता और पहले से मौजूद पोर्टफोलियो को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

फंड चुनते समय रिटर्न संग जोखिम पर ध्यान दें

व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड के आंकड़े उपलब्ध छोटी अवधि में मजबूत रहे हैं, एडेलवाइज मिड कैप के पास लंबा और मजबूत प्रदर्शन रिकॉर्ड है, जबकि निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप का इतिहास तीनों में सबसे लंबा है। तीनों की निवेश शैली, पोर्टफोलियो संरचना, फंड का आकार और लागत अलग-अलग है। इसलिए इन आंकड़ों को निवेश की गारंटी या भविष्य के रिटर्न का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। मिडकैप फंड चुनते समय रिटर्न के साथ जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो और निवेशक की अपनी परिसंपत्ति-वितरण रणनीति को भी समान महत्व देना जरूरी है।

स्मार्ट बीटा फंड : दिला सकता है बढ़िया मुनाफा, जोखिम भी ज्यादा नहीं

कम लागत में बेहतर रणनीति से करें निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के सामने अब केवल पारंपरिक इंडेक्स फंड और सक्रिय रूप से संचालित फंड ही विकल्प नहीं हैं। स्मार्ट बीटा फंड भी निवेश की एक ऐसी रणनीति है, जो पैसिव निवेश की नियम-आधारित प्रक्रिया को अलग-अलग फैक्टर के आधार पर शेयर चुनने की रणनीति से जोड़ती है। इनका उद्देश्य बाजार के पारंपरिक इंडेक्स से अलग तरीके से निवेश करना और जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न हासिल करने की कोशिश करना होता है। हालांकि, स्मार्ट बीटा का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि फंड हर समय बाजार या सामान्य इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करेगा।

साधारण इंडेक्स फंड किसी तय इंडेक्स की संरचना को दोहराने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी इंडेक्स में जिस कंपनी का जितना वजन है, फंड भी लगभग उसी अनुपात में उसमें निवेश करता है। स्मार्ट बीटा फंड इससे अलग तरीके से काम करते हैं। इनमें शेयरों का चयन और उनका वजन पहले से तय नियमों के आधार पर किया जाता है। यानी फंड मैनेजर की व्यक्तिगत पसंद के बजाय किसी निर्धारित रणनीति या फैक्टर को प्राथमिकता दी जाती है। यही वजह है कि स्मार्ट बीटा को सक्रिय और निष्क्रिय निवेश के बीच की रणनीति के तौर पर देखा जाता है। इसमें सक्रिय फंड की तरह अलग-अलग विशेषताओं वाले शेयर चुने जाते हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया नियम-आधारित होती है।

चार प्रमुख फैक्टर को समझें

1. **वैल्यू :** इस रणनीति में ऐसे शेयरों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें निर्धारित वित्तीय मानकों के आधार पर उनकी कीमत की तुलना में आकर्षक माना जाता है। इसका आधार मूल्यांकन से जुड़े आंकड़े हो सकते हैं।
2. **क्वालिटी :** इसमें मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों को प्राथमिकता देने की कोशिश होती है। लाभप्रदता, कर्ज, आय की स्थिरता और अन्य वित्तीय मानक इसके आधार हो सकते हैं।
3. **मोमेंटम :** इसमें हाल के समय में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों की चाल को महत्व दिया जाता है। रणनीति का आधार यह होता है कि कुछ शेयरों में बनी सकारात्मक या नकारात्मक गति कुछ समय तक जारी रह सकती है।
4. **लो वोलैटिलिटी :** इसमें अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव वाले शेयरों पर ध्यान दिया जाता है। इसका उद्देश्य पोर्टफोलियो में बाजार की तुलना में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने की कोशिश करना होता है।

कैसे अलग होता है पोर्टफोलियो

पारंपरिक बाजार पूंजीकरण आधारित इंडेक्स में बड़ी कंपनियों का वजन उनके बाजार मूल्य के आधार पर अधिक होता है। स्मार्ट बीटा रणनीति में ऐसा जरूरी नहीं है। मान लीजिए कोई फंड क्वालिटी फैक्टर पर आधारित है। तब वह बाजार पूंजीकरण की बजाय कंपनियों की वित्तीय गुणवत्ता से जुड़े मानकों के आधार पर शेयरों का चयन कर सकता है। इसी तरह मोमेंटम फंड में हाल की कीमत की चाल महत्वपूर्ण हो सकती है।

स्मार्ट बीटा रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि फैक्टर हमेशा काम नहीं करते। किसी खास रणनीति का प्रदर्शन कुछ वर्षों तक कमजोर रह सकता है। उदाहरण के लिए, तेज बाजार उलटफेर की स्थिति में मोमेंटम आधारित रणनीति को नुकसान हो सकता है। इसी तरह वैल्यू आधारित रणनीति लंबे समय तक बाजार की पसंद से बाहर रह सकती है। लो वोलैटिलिटी रणनीति भी तेजी वाले बाजार में कुछ परिस्थितियों में व्यापक इंडेक्स से अलग प्रदर्शन कर सकती है। इसलिए केवल पिछले कुछ वर्षों के रिटर्न देखकर स्मार्ट बीटा फंड का चुनाव करना उचित नहीं माना जाना चाहिए।

निवेश से पहले इन 6 बातों की जांच करें

1. **फंड किस इंडेक्स को ट्रैक करता है?**
   सिर्फ फंड का नाम न देखें, उसके पीछे मौजूद इंडेक्स और उसकी पद्धति समझें।
2. **कौन-सा फैक्टर इस्तेमाल हो रहा है?**
   वैल्यू, क्वालिटी, मोमेंटम और लो वोलैटिलिटी की रणनीतियां अलग-अलग परिस्थितियों में अलग प्रदर्शन कर सकती हैं।
3. **खर्च कितना है?**
   एक्सपेंस रेशियो के साथ-साथ रीबैलेंसिंग और लेनदेन से जुड़ी लागत को भी देखें।
4. **पोर्टफोलियो कितना केंद्रित है?**
   टॉप कंपनियों और सेक्टरों में कितना निवेश है, इसकी जांच करें।
5. **पिछला प्रदर्शन कैसे रहा है?**
   अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन देखें। केवल सबसे अच्छे सालों के रिटर्न पर निर्णय न लें।
6. **निवेश का उद्देश्य क्या है?**
   फंड का चुनाव अपनी जोखिम क्षमता, समयावधि और मौजूदा पोर्टफोलियो के हिसाब से करें।

निवेशकों को क्या फायदे मिलेंगे

- नियम-आधारित निवेश : शेयरों के चयन के लिए पहले से निर्धारित नियम होते हैं। इससे निवेश प्रक्रिया अपेक्षाकृत व्यवस्थित और पारदर्शी रहती है।
- कम लागत की संभावना : सक्रिय रूप से संचालित फंड की तुलना में स्मार्ट बीटा फंड की लागत आम तौर पर कम हो सकती है, हालांकि हर फंड का वास्तविक खर्च अलग होता है।
- विशेष रणनीति का विकल्प : निवेशक वैल्यू, क्वालिटी, मोमेंटम या लो वोलैटिलिटी जैसे किसी खास फैक्टर पर आधारित रणनीति चुन सकते हैं।
- पोर्टफोलियो में विविधता : पारंपरिक इंडेक्स से अलग कंपनियों और अलग वजन वाली कंपनियों में निवेश होने के कारण यह निवेश पोर्टफोलियो में एक अलग रणनीतिक एक्सपोजर दे सकता है।

सेक्टर या शेयरों का झुकाव बढ़ेगा

फैक्टर आधारित निवेश का एक दूसरा जोखिम कंसंट्रेशन है। किसी खास नियम के कारण पोर्टफोलियो में कुछ सेक्टर या कंपनियों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। ऐसे में यदि उस सेक्टर या कंपनियों के समूह का प्रदर्शन कमजोर रहता है तो पूरे फंड के रिटर्न पर असर पड़ सकता है। इसलिए फंड की शीर्ष होल्डिंग, सेक्टर आवंटन और इंडेक्स की निर्माण पद्धति को समझना जरूरी है।

बार-बार रीबैलेंसिंग से बढ़ेगी लागत

कुछ स्मार्ट बीटा रणनीतियों में समय-समय पर पोर्टफोलियो को रीबैलेंस किया जाता है। यानी तय नियमों के अनुसार कुछ शेयरों का वजन बढ़ाया या घटाया जाता है और कुछ शेयरों को शामिल अथवा बाहर किया जाता है। मोमेंटम जैसी रणनीतियों में यह बदलाव अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। ज्यादा बदलाव का मतलब लेनदेन की लागत और पोर्टफोलियो में शेयरों के आने-जाने की दर बढ़ना हो सकता है। इसका असर फंड के वास्तविक रिटर्न पर पड़ सकता है।

सैलरी आते ही पैसा खत्म हो जाता है तो बदलें कुछ आदतें

बिजनेस डेस्क

- कमाई कितनी है, इससे ज्यादा जरूरी है उसका सही बंटवारा
- पहले बचत, फिर खर्च और निवेश का नियम अपनाएं
- महीने के आखिर में होने वाली पैसों की तंगी से बच सकेंगे

हर महीने सैलरी आते ही लगता है कि इस बार खर्च संभालकर चलेंगे, लेकिन कुछ ही दिनों बाद खाते का बैलेंस तेजी से कम होने लगता है। महीने के आखिर में जरूरी खर्चों के लिए भी पैसों का हिसाब लगाना पड़ता है। ऐसी स्थिति को हमेशा कम आय का नतीजा मानना सही नहीं है। कई बार बिना बजट खर्च करना, छोटी-छोटी खरीदारी को नजरअंदाज करना और बचत को महीने के आखिर के लिए छोड़ देना भी आर्थिक दबाव की बड़ी वजह बनता है। पैसे को बेहतर तरीके से मैनेज करने के लिए बहुत जटिल वित्तीय रणनीति की जरूरत नहीं होती। कुछ आसान आदतों को नियमित रूप से अपनाकर आय और खर्च के बीच बेहतर संतुलन बनाया जा सकता है।

सैलरी आते ही पहले बचत करें

सबसे आम गलती यह होती है कि लोग पूरे महीने खर्च करने के बाद बची रकम को बचत करने के लिए रखते हैं। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बचने के लिए बहुत कम पैसा रह जाता है। इसका आसान तरीका है। 'पहले बचत, फिर खर्च'। सैलरी खाते में आते ही तय रकम को अलग बचत खाते या निर्धारित निवेश में भेज दें। इससे खर्च करने के लिए उपलब्ध पैसा अपने आप सीमित हो जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति की मासिक आय 50,000 रुपये है तो वह अपनी क्षमता के अनुसार पहले ही 5,000 या 10,000 रुपये अलग कर सकता है। इसके बाद बाकी रकम से महीने का खर्च चलाया जाए। बचत की राशि छोटी हो तो भी नियमितता ज्यादा महत्वपूर्ण है। समय के साथ यही रकम बड़ा वित्तीय सहारा बन सकती है।

माह की शुरुआत में बनाएं बजट

सैलरी आने के बाद बिना योजना के खर्च शुरू करना बजट बिगाड़ने का सबसे आसान तरीका है। इसलिए महीने की शुरुआत में ही जरूरी खर्चों की सूची बनाएं। सबसे पहले किराया, ईएमआई, बिजली-पानी, राशन, स्कूल फीस, बीमा प्रीमियम और दूसरी अनिवार्य जरूरतों के लिए रकम अलग करें। इसके बाद यात्रा, खरीदारी, मनोरंजन और बाहर खाने जैसे खर्चों के लिए सीमा तय करें। बजट का मतलब हर खर्च रोकना नहीं है। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि किस मद में कितना पैसा खर्च किया जा सकता है। यदि महीने की शुरुआत में ही 50,000 की आय में से 25,000 जरूरी खर्चों के लिए निर्धारित हैं और 10,000 रुपये बचत या निवेश के लिए अलग कर दिए गए हैं, तो बाकी 15,000 ही वैकल्पिक खर्चों के लिए उपलब्ध होंगे। इससे महीने के बीच में पैसा खत्म होने की संभावना कम होगी।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें

बजट अक्सर किसी एक बड़े खर्च से नहीं, बल्कि कई छोटे खर्चों से बिगड़ता है। रोज की कॉफी, ऑनलाइन खाना, कैब, छोटी-मोटी खरीदारी, मनोरंजन और ऐसे डिजिटल सब्सक्रिप्शन जिनका इस्तेमाल बहुत कम होता है इनकी कुल रकम महीने के अंत में काफी बड़ी हो सकती है। इसलिए कम से कम एक महीने तक हर खर्च लिखने की आदत डालें। मोबाइल के नोट्स, डायरी या किसी खर्च ट्रैकिंग ऐप का इस्तेमाल किया जा सकता है। महीने के अंत में खर्चों को तीन हिस्सों में बांटें। जरूरी, उपयोगी और गैर-जरूरी। इसके बाद देखें कि किन खर्चों को कम किया जा सकता है। मान लीजिए रोजाना 100 का छोटा खर्च हो रहा है। महीने में यह करीब 3,000 और सालभर में करीब 36,500 हो सकता है।

इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता

बजट और बचत के साथ आपातकालीन कोष यानी इमरजेंसी फंड भी जरूरी है। अचानक नौकरी में रुकावट, घर से जुड़ी जरूरत, वाहन की मरम्मत या कोई अप्रत्याशित खर्च आने पर अगर अलग पैसा नहीं है तो व्यक्ति को निवेश तोड़ना पड़ सकता है या क्रेडिट कार्ड और कर्ज पर निर्भर होना पड़ सकता है। इमरजेंसी फंड का उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत के समय पैसा उपलब्ध रखना है। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से निकाली जा सके।

निवेश को आदत बनाएं

सिर्फ पैसा बचाकर रखना पर्याप्त नहीं है। लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए बचत के साथ निवेश भी जरूरी हो सकता है। निवेश का विकल्प चुनते समय लक्ष्य, अवधि और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए। नियमित निवेश के लिए एसआईपी एक तरीका हो सकता है। इसमें हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड योजना में निवेश की जाती है। हालांकि, म्यूचुअल फंड बाजार जोखिम के अधीन होते हैं और रिटर्न की गारंटी नहीं होती।

सैलरी का आसान बंटवारा करें

- **जरूरी खर्च:** घर, राशन, बिजली, ईएमआई और दूसरी अनिवार्य जरूरतें।
- **बचत:** भविष्य की जरूरतों और बड़े खर्चों के लिए।
- **निवेश:** लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए।
- **वैकल्पिक खर्च:** घूमना, मनोरंजन, खरीदारी और दूसरी इच्छाओं पर खर्च।
- इस बंटवारे को अपनी वास्तविक आय और जिम्मेदारियों के अनुसार बदला जा सकता है।

क्रेडिट कार्ड और ईएमआई पर भी रखें नजर

अगर हर महीने सैलरी का बड़ा हिस्सा पुरानी ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में चला जाता है तो बचत और निवेश के लिए रकम निकालना मुश्किल होगा। इसलिए नए कर्ज लेने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसकी मासिक किस्त बजट पर कितना दबाव डालेगी। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन ऐसा खर्च नहीं करना चाहिए जिसे समय पर चुकाना मुश्किल हो। ब्याज और लेट फीस जैसी लागत छोटे खर्च को भी महंगा बना सकती है।

सिर्फ हर महीने निवेश करना काफी नहीं, सही फंड का चयन और लंबी अवधि तक अनुशासन भी जरूरी

एसआईपी से उम्मीद के मुताबिक नहीं बन रहा पैसा, तो कुछ गलतियों से बचें

सुझाव
बिजनेस डेस्क

व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी आज छोटे और बड़े निवेशकों के बीच लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का लोकप्रिय माध्यम बन चुकी है। हर महीने तय राशि निवेश करने की सुविधा के कारण नौकरीपेशा और सीमित आय वाले लोग भी धीरे-धीरे बड़ा कोष तैयार करने की उम्मीद रखते हैं। लेकिन कई निवेशकों की शिकायत रहती है कि वर्षों तक एसआईपी चलाने के बाद भी पैसा उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ रहा। ऐसे में वे अक्सर फंड, बाजार या फंड प्रबंधक को जिम्मेदार मान लेते हैं। असल में एसआईपी कोई ऐसा निवेश उत्पाद नहीं है, जो निश्चित या गारंटीशुदा रिटर्न देता हो। यह केवल नियमित अंतराल पर निवेश करने का तरीका है। निवेश का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि हर महीने कितनी राशि लगाई जा रही है, किस प्रकार के म्यूचुअल फंड का चयन किया गया है, निवेश का लक्ष्य और अवधि क्या है, बाजार की स्थिति कैसी है और निवेशक कितने समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है। यदि एसआईपी उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं दे रही है तो बाहर निकलने से पहले निवेशक को अपनी रणनीति की इन पांच महत्वपूर्ण कमियों की जांच करनी चाहिए।

लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम है एसआईपी की राशि

एसआईपी में सबसे आम गलती यह होती है कि निवेशक पहले यह तय करता है कि वह हर महीने कितनी रकम आसानी से बचा सकता है, लेकिन यह नहीं देखता कि उसके वित्तीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए वास्तव में कितने निवेश की जरूरत है। 2,000 या 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश की अच्छी शुरुआत हो सकती है, लेकिन हर लक्ष्य के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं होती। मसलन, यदि कोई व्यक्ति पांच साल में 50 लाख या एक करोड़ रुपये का कोष बनाना चाहता है, तो केवल 5,000 रुपये मासिक निवेश से लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं होगा। इसलिए निवेश की शुरुआत करते समय सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि हर महीने कितना निवेश कर सकता हूं, बल्कि यह होना चाहिए कि अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितना निवेश करना जरूरी है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक पांच साल तक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मान लिया जाए, तो उसके पास करीब 4.1 लाख रुपये का कोष बन सकता है। यदि उसका लक्ष्य पांच लाख रुपये है तो वह लगभग 90 हजार रुपये पीछे रह जाएगा। इसी अनुमानित रिटर्न और अवधि में पांच लाख रुपये के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए करीब 6,100 रुपये मासिक निवेश की जरूरत पड़ सकती है। आय बढ़ने के साथ एसआईपी की रकम बढ़ाना भी जरूरी है।

लक्ष्य और अवधि के हिसाब से गलत फंड चुनना

हर म्यूचुअल फंड हर निवेशक और हर लक्ष्य के लिए उपयुक्त नहीं होता। फंड चुनते समय केवल ज्यादा रिटर्न देखने के बजाय निवेश की अवधि, लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए। उदाहरण के लिए, तीन साल बाद घर खरीदने के लिए पैसा जुटा रहे निवेशक और 20 साल बाद सेवानिवृत्ति के लिए निवेश करने वाले व्यक्ति की रणनीति एक जैसी नहीं हो सकती। लंबी अवधि वाले निवेशक अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव सहन कर सकते हैं, जबकि कम अवधि के लक्ष्य के लिए बहुत अधिक जोखिम वाले इक्विटी फंड परेशानी पैदा कर सकते हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में ज्यादा निवेश करने वाले फंड लंबी अवधि में बेहतर वृद्धि की संभावना दे सकते हैं, लेकिन इनमें उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक हो सकता है।

पिछले शानदार रिटर्न के पीछे भागना

कई निवेशक ऐसे म्यूचुअल फंड चुन लेते हैं, जिन्होंने पिछले एक, तीन या पांच साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया हो। लेकिन किसी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। आज सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड आने वाले वर्षों में भी शीर्ष पर रहेगा, यह जरूरी नहीं है। इसी तरह कुछ समय के लिए कमजोर प्रदर्शन करने वाला फंड भी हर स्थिति में खराब निवेश साबित नहीं होता। बाजार के अलग-अलग दौर में विभिन्न फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। निवेशक को किसी फंड का चयन करते समय यह देखना चाहिए कि उसका प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में कितना स्थिर रहा है।

बाजार को समय देने के बजाय बाजार का समय पकड़ने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत नियमित निवेश और अनुशासन है। इसके बावजूद कई निवेशक बाजार बढ़ने पर उत्साह से निवेश करते हैं, लेकिन बाजार गिरते ही एसआईपी रोक देते हैं। उन्हें लगता है कि बाजार और नीचे आने पर दोबारा निवेश शुरू करेंगे। समस्या यह है कि बाजार का सबसे निचला स्तर और सबसे ऊंचा स्तर पहले से तय करना बेहद मुश्किल है। कब बाजार गिरेगा और कब तेजी से ऊपर जाएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना आसान नहीं है। नियमित एसआईपी में बाजार की अलग-अलग स्थितियों में निवेश जारी रहता है।

बहुत जल्दी बड़े रिटर्न की उम्मीद करना

एसआईपी को कुछ लोग जल्दी पैसा बनाने का साधन समझ लेते हैं, जबकि यह मुख्य रूप से लंबी अवधि में अनुशासित निवेश की रणनीति है। शुरुआती वर्षों में कोष की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी दिखाई दे सकती है, क्योंकि निवेशित राशि अभी बहुत बड़ी नहीं होती। समय के साथ नियमित निवेश जारी रहने पर कुल निवेश राशि बढ़ती है और यदि निवेश को बढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है तो चक्रवृद्धि का प्रभाव भी अधिक दिखाई दे सकता है। निवेश से होने वाली संभावित कमाई यदि निवेश में बनी रहती है, तो वह भी आगे रिटर्न पैदा करने में योगदान दे सकती है।

क्या करें निवेशक

यदि आपकी एसआईपी उम्मीद के मुताबिक आगे नहीं बढ़ रही है तो सबसे पहले घबराकर निवेश बंद करने या फंड बेचने की जरूरत नहीं है। अपनी पूरी निवेश योजना की समीक्षा करें। देखें कि एसआईपी की राशि लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं, फंड आपकी निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से सही है या नहीं और कहीं आप बार-बार बाजार के उतार-चढ़ाव के आधार पर निवेश के फैसले तो नहीं बदल रहे। जरूरत पड़ने पर एसआईपी की रकम बढ़ाई जा सकती है, फंड चयन की समीक्षा की जा सकती है और अलग-अलग निवेश माध्यमों में राशि के बंटवारे पर भी विचार किया जा सकता है। कोई एक ऐसा 'जादुई' फंड नहीं है, जो हर समय सबसे बेहतर रिटर्न दे। बेहतर रणनीति वही है, जो आपके लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुकूल हो और जिसे आप लंबे समय तक अनुशासन के साथ जारी रख सकें।

प्रथम पृष्ठ का शेष

झीरम नरसंहार...
एक दरभा डिवीजन का कमाण्ड बनाया गया था। वहीं उसने स्वीकार किया कि झीरम घाटी हमला के दौरान वह उपस्थित नहीं था।

सुरेंदर को दी...
गया है कि टीसीओसी के दौरान एक सप्ताह बैठक चली इसके बाद ग्राम मुम्मरका के जगंल में सेण्ट्रल कमेटी की बैठक में मई-जून के आसपास घटना को अंजाम देने का निर्णय लिया गया था जिसकी मंजूरी सीसी व पोलित ब्यूरो मेंबर गणपति व रमन्ना ने दी थी।

एक और बहस...
पांच साल नहीं निकल सके। अब भी समय है, सबूत एनआईए को देने चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना को बीते दिनों हुई डिबेट को लेकर विजय शर्मा ने कहा, मैं फिर से प्रधानमंत्री आवास योजना पर बहस के लिए तैयार हूं। भूपेश बघेल तैयारी के लिए एक माह का समय ले लें और उसके बाद चर्चा कर लें।

बघेल ने साय...
बढ़ी। श्री बघेल ने कहा, उनके पास भी इस मामले से जुड़े दस्तावेज हैं और मुख्यमंत्री के पास भी पत्र हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा, मीडिया के सामने दोनों पक्ष दस्तावेज रखें और आमने-सामने चर्चा करें। उन्होंने कहा, आरोप-प्रत्यारोप के बजाय इस मामले पर खुली बहस होनी चाहिए।

झीरम फैसले पर...
कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा, एनआईए को यदि कवासी लखमा पर संदेह था तो उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया। यदि वो दोषी होता, तो जैसे सबको सजा हुई तो उसको भी हो गई होती। कुल मिलाकर इनके पास किसी तरह का कोई सबूत नहीं है। जैसे दूसरी केंद्रीय एजेंसी सरकार के इशारे पर काम कर रही है ठीक उसी तरह से एनआईए ने भी काम किया है।

बारिश से बचने...
(26 वर्ष) पति रामभरोश पटेल, दुलारा बाई पटेल (46 वर्ष) पति तुलसी पटेल और बैशाखू खैरवार (32 वर्ष) पिता रामू खैरवार झुलसकर घायल हो गए। आकाशीय बिजली गिरने की तेज आवाज के बाद आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीण तत्काल घटना स्थल की ओर पहुंचे। झोपड़ी में तीन लोगों को मृत देखकर वहां चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने घायल लोगों को बाहर निकाला और घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद बलौदा पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलौदा पहुंचाया गया। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। **एक साथ तीन मौत से गांव में मातम**- हादसे की खबर मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। एक ही स्थान पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत की खबर से महुदा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी मिलते ही मृतक और घायलों के परिजनों की भीड़ अस्पताल पहुंच गई। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद ग्रामीणों में भी शोक है। पुलिस ने घटनास्थल की जानकारी जुटाते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीन पदों पर...
कांग्रेस से संबद्ध भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) का खाता नहीं खुल सका, हालांकि उसके उम्मीदवार अध्यक्ष और संयुक्त सचिव पदों पर मामूली अंतर से हार गए। एनएसयूआई के प्रदर्शन पर उसके बागी उम्मीदवार दीपांशु शौकीन का भी असर पड़ा, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और 13,700 से अधिक वोटों के बड़े अंतर से उपाध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। एनएसयूआई चार पद में से किसी पर भी जीत हासिल नहीं कर सकी, जबकि एबीवीपी ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पदों पर जीत दर्ज की। एबीवीपी के उम्मीदवार यश डबास अध्यक्ष चुने गए।

एमपी-महाराष्ट्र में...
सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जानकार यहां भी केंद्र की टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व (टीओटीआर) परियोजना लागू करने की बात कह रहे हैं। राज्य के टाइगर रिजर्व के बाहर नौ जिलों के वनक्षेत्रों में बाघों का मूवमेंट देखा गया है। वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, नोटिफाइड टाइगर रिजर्व के बाहर मुख्य रूप से कबीरधाम (कवर्धा), कोरबा, रायगढ़, सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, कांकेर, बस्तर (जगदलपुर) और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के वनक्षेत्रों में बाघों का मूवमेंट दर्ज किया गया है। भोरमदेव और चिल्फी घाटी में इस साल चार से अधिक बाघ-बाघिनों का परिवार देखा गया है। भोरमदेव मध्यप्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व से लगा हुआ कॉरिडोर है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के कोरबा, रायगढ़, सूरजपुर और सरगुजा के जंगलों में मध्यप्रदेश के बांधवगढ़, संजय-डुबरी से अचानकमार तथा गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के बीच आवाजाही कर रहे हैं। कांकेर और जगदलपुर में बीजापुर के रास्ते महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व से बाघ पहुंच रहे हैं। **20-22 माह परवरिश के बाद शावक को अलग कर देती है मां** -शावक की उम्र 20 से 22 माह हो जाती है, उसके बाद मादा बाघ अपने शावक को अलग कर देती है। इसके बाद शावक से जवान हुए बाघ को अपने लिए नई टेरिटरी की तलाश करनी पड़ती है। पूर्व में रह रहे बाघ अपनी टेरिटरी में नए बाघ को प्रवेश करने नहीं देते। टेरिटरी में रहने के लिए एक-दूसरे के साथ संघर्ष करना पड़ता है। संघर्ष में जो हार जाए, उस बाघ को टेरिटरी से बाहर जाना पड़ता है। संघर्ष में किसी एक बाघ की जान भी जा सकती है। इस कारण मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र टाइगर रिजर्व के बाघ छत्तीसगढ़ के जंगल में नई टेरिटरी की तलाश में पहुंच रहे हैं। **इसलिए जरूरी है टीओटीआर परियोजना** -टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व केंद्र सरकार की एक राष्ट्रीय स्तर की विशेष परियोजना है, जिसे केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और एनटीसीए द्वारा लांच किया गया है। भारत में बाघों के सफल संरक्षण के कारण उनकी आबादी बढ़ी है, जिससे अब लगभग 35% से 40% बाघ अधिसूचित टाइगर रिजर्व की सीमाओं से बाहर (जैसे गांवों, कृषि क्षेत्रों और जंगलों के बाहरी छोरों पर) रह रहे हैं। यह प्रोजेक्ट रिजर्व से बाहर निकलने वाले बाघों और इंसानों के बीच होने वाले मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और सुरक्षित सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। बाघों की सुरक्षित निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अर्ली वार्निंग (जल्द चेतावनी) सिस्टम, ड्रोन सर्विलांस, कैमरा ट्रैप और जीपीएस आधारित पेट्रोलिंग का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

कस्टम मिलिंग में...
नहीं करेंगे तो उनके विरुद्ध सख्ती बरतते हुए बैंक गारंटी को जब्ती बनाने से लेकर उनके मिल में सीलबंदी की कार्रवाई की जाएगी। **398021.55 टन धान उठाव के विरुद्ध 267676.85 टन जमा होना है चावल**-विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, जिले में एग्रीमेंट के तहत 183 राइस मिलर्स द्वारा कुल 398021.55 टन धान का उठाव किया गया है। इस धान के विरुद्ध कुल 267676.85 टन चावल जमा किया जाना है, लेकिन अभी तक कुल 151114.34 टन चावल ही जमा हो पाया है। इस तरह शेष 116562.46 टन चावल जमा होना बाकी है। धान का उठाव 15 नवंबर 2025 से शुरू होकर 31 जनवरी 2026 तक हुआ था। इस तरह धान का उठाव किए साढ़े सात महीने हो चुके हैं। इसके बाद भी मिलर्स द्वारा अब तक महज 54.94 प्रतिशत चावल ही जमा कर पाए हैं।

छात्र भारत के...
जवाब देते हुए राहुल ने उनकी छह विशेषताएं बताते हुए कहा, अंधभक्त कौन हैं? अंधभक्त एंटी स्टूडेंट्स हैं। जहां स्टूडेंट सवाल पूछता है, जहां स्टूडेंट क्यूरियस (जिज्ञासु) है, वहीं अंधभक्त डिल्यूजनल (भ्रम में रहने वाला) है, और अपनी ही दुनिया में रहता है।' आगे उन्होंने कहा, जहां स्टूडेंट मोहब्बत की बात करता है, प्यार से सम्मान से बात करता है, वहां अंधभक्त नफरत फैलाता है, नफरत से बात करता है। जहां स्टूडेंट विनम्र (हंबल) होता है, दूसरों की बात सुनता है, वहीं अंधभक्त अहंकार से भरा होता है, घमंडी होता है। जहां स्टूडेंट डरता नहीं है, निडर होता है, वहीं अंधभक्त डरपोक होता है, कायर होता है। छात्रों की गूंज कार्यक्रम में राहुल गांधी ने अंधभक्तों का जिक्र करते हुए उनकी छह प्रमुख खूबियां बताते हुए उन्हें डिल्यूजन, नफरती, एरोगेंट (घमण्डी), डरपोक, पैट्रीयाकल और बेईमान बताया। इसके आगे उन्होंने कहा, 'जहां स्टूडेंट महिलाओं का सम्मान करता है, वहीं अंधभक्त पैट्रियाकल होता है, महिलाओं पर आक्रमण करता है, महिलाओं का अपमान करता है। जहां स्टूडेंट ईमानदार होता है, वहीं अंधभक्त बेईमान होता है, झूठा होता है।' उन्होंने कहा कि 'सिस्टम नहीं चाहता कि स्टूडेंट्स सवाल पूछें, इसलिए सिस्टम अंधभक्तों को तैयार करता है, अंधभक्तों को प्रमोट करता है, अंधभक्तों को पूरे देश में फैलाता है। **स्टूडेंट सवाल करता है, इसलिए सिस्टम को लगता है खतरा** -राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र स्कूल-कॉलेजों की स्थिति से लेकर पेपर लीक और रोजगार तक पर सवाल उठाता है। उनका कहना था कि छात्र यह जानना चाहता है कि संस्थाएं अपना काम ठीक से क्यों नहीं कर रही हैं। उन्होंने न्यायपालिका, दूसरी संस्थाओं और चुनाव आयोग का भी जिक्र किया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों की आदत सवाल पूछने की होती है और यही लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए जरूरी है। उन्होंने स्टूडेंट की सोच को मोहब्बत, सम्मान और विनम्रता से जोड़ते हुए कहा कि छात्र दूसरे की बात सुनता है, सवाल करता है और फिर अपनी राय रखता है। **मंच पर बनी विवाद की स्थिति**- 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम स्थल पर उस वक्त विवाद की स्थिति बन गई जब मंच पर मौजूद आयोजकों को पुलिस अफसरों ने धक्का दे दिया। पुलिस अफसर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे थे और इसी दौरान मंच पर मौजूद आयोजकों से बातचीत कर रहे थे तभी अचानक किसी बात को लेकर बहस हो गई। बहस के बीच ही पुलिस अफसरों ने आयोजकों को धक्का दे दिया, जिससे तेज बहस होने लगी और मंच पर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई।

सीएम ने कहा-...
बालको मेडिकल सेंटर की ओर से आयोजित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। 'रेस्टोरिंग बैलेंस टू कैंसर केयर' थीम पर आयोजित कॉन्क्लेव में देश-विदेश के 200 से अधिक राष्ट्रीय और 11 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। इस दौरान कैंसर की रोकथाम, स्क्रीनिंग, उपचार, अनुसंधान और नई चिकित्सा तकनीकों पर मंथन किया जा रहा है। इस दौरान बालको मेडिकल सेंटर की निदेशक डॉ. भावना सिरोही, पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज रायपुर के डीन डॉ. विवेक चौधरी, ई-कैंसर की प्रतिनिधि डॉ. सुजाना स्टेनवे, वाइस एडमिरल आरती सरीन सहित देश-विदेश से आए चिकित्सक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधि मौजूद रहे। **100 एकड़ में बनेगी 5 हजार बिस्तर की मेडिसिटी**- मुख्यमंत्री ने कहा कि नवा रायपुर में लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में 5 हजार बिस्तर सुविधा वाली मेडिसिटी विकसित की जा रही है। इससे प्रदेश में विशेषज्ञ और सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्होंने बताया कि राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि अब शासकीय और निजी क्षेत्र को मिलाकर मेडिकल कॉलेजों की संख्या 15 हो गई है। पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की दिशा में भी काम किया जा रहा है। **कैंसर मरीजों का बनेगा व्यवस्थित डेटाबेस**-स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, प्रदेश में कैंसर की समय पर पहचान के लिए स्क्रीनिंग का दायरा बढ़ाया जा रहा है। सरकार ने कैंसर को नोटिफाई करने का निर्णय लिया है। इससे कैंसर मरीजों का व्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने और उनके उपचार व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के बेहतर संधारण में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि बालको मेडिकल सेंटर के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश में 500 से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाए हैं। वहीं सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जा रहा है।

हंसपुर हत्याकांड में...
करीब 9 बजे ग्राम हंसपुर के पास बॉक्साइट से लदे एक ट्रक को कुछ ग्रामीणों ने रोक लिया था। इस दौरान तत्कालीन कुसमी एसडीएम करुण डहरिया समेत तीन लोगों ने कुछ ग्रामीणों के साथ मारपीट की। इस घटना में कई लोग घायल हुए थे। घायलों में रामनरेश भी शामिल था। उपचार के दौरान अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव के चलते उसकी मौत हो गई। न्यायालय के आदेश के मुताबिक मामले में करुण डहरिया समेत तीनों आरोपियों को 16 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद आरोप पत्र न्यायालय में पेश कर दिया। ट्रायल कोर्ट में कुछ अभियोजन गवाहों के बयान भी दर्ज हो चुके हैं। जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे आरोपियों की ओर से दलील दी गई कि वे लंबे समय से जेल में हैं और पुलिस की जांच पूरी हो चुकी है। ऐसे में उन्हें नियमित जमानत का लाभ दिया जाना चाहिए। करुण डहरिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज परांजपे ने अदालत में अलग घटनाक्रम प्रस्तुत किया। राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता डॉ. सौरभ कुमार पांडे ने भी जमानत का विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और केस डायरी का अवलोकन करने के बाद उच्च न्यायालय ने कहा कि कुछ घायल व्यक्तियों और पुलिसकर्मियों के बयानों में आरोपियों द्वारा रामनरेश के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट किए जाने की बात दर्ज है। वहीं ट्रायल कोर्ट के समक्ष कुछ गवाहों ने बचाव पक्ष के समर्थन में भी बयान दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि जमानत पर सुनवाई के दौरान साक्ष्यों की विस्तृत जांच करना उचित नहीं है। गवाहों के बयानों की विश्वसनीयता और उनकी अंतिम समीक्षा मुकदमे की सुनवाई के दौरान की जानी है। जमानत के स्तर पर अदालत को प्रथम दृष्टया मामले की स्थिति पर विचार करना होता है।

विलुप्त होने की...
स्थानीय ग्रामीण बाजारों में इन देशी मछलियों का एक खास स्थान रहा है, जहाँ इन्हें इनके अनूठे पारंपरिक नामों से पहचाना जाता है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न नदी-बेसिनों जैसे महानदी, इंद्रावती और हसदेव में 96 से अधिक प्रकार की देशी और सजावटी (ऑर्नामेंटल) मछलियों की प्रजातियां दर्ज हैं। हालांकि, प्राकृतिक आवासों के विनाश और जल प्रदूषण के कारण इनकी संख्या लगातार घट रही है। स्थानीय और पारंपरिक प्रजातियों का समृद्ध संसारराज्य के जल निकायों में प्रसिद्ध स्थानीय प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें कोतरी, खोखसी, टेंगना, बांबी, मोंगरी, सिंघी, चिन्हारी, सारंगी, डडवा, डेसरा, बोधस, डूडुंम, पढ़ेना, चंदेनी, लुड़वा, भेंदो, सोडहा, गिवना, केवई, चिंगरी, तेलबया और माइनर कार्प शामिल हैं। इसके अलावा, स्वदेशी प्रमुख प्रजातियों में बोराई, करोंथ, बटा, कुरसा, चितला, पटोला, मुरैल तथा कैटफिश वर्ग की बचरा, पंगाज, पब्दा, रीता जैसी मछलियां प्रमुख हैं। प्रदेश के जलस्रोतों में भोला, टिक्टो बार्ब, सरना बार्ब, चंदानामा, खसखसी और रसबोरा जैसी छोटी और सुंदर सजावटी स्वदेशी प्रजातियां भी पाई जाती हैं। **देशी प्रजाति की मछली पूरी तरह से विलुप्त नहीं**- मत्स्य विभाग के संचालक एनएस नाग का दावा है कि छत्तीसगढ़ में पाई जाने वाली देशी प्रजाति की कोई भी मछली पूरी तरह से विलुप्त नहीं हुई है। धान के खेतों, डबरी, गड्ढों के कीचड़ में पनपने वाली मछली देशी मांगूर, सिंघी, डरई, कोतरी की प्रजाति संकटग्रस्त है। इनके संरक्षण के लिए शासन आवश्यक कदम उठा रहा है। **प्राकृतिक आवासों से देशी मांगुर विलुप्त, संरक्षण का प्रयास**- कृषि विज्ञान केंद्र धमतरी के विषयवस्तु विशेषज्ञ मछली पालन मनीषा खापर्डे ने बताया कि डबरी, तालाबों में प्राकृतिक रूप से मिलने वाली देशी मांगुर विलुप्त हो चुकी है। हालांकि देशी मांगुर के संरक्षण के लिए कोंडागांव में बिडिंग कराई जा रही है लेकिन सीमित मात्रा में। इसके अलावा सिंघी, पाबदा, सरना, तोर-तोर, बाघ और आऊ मछली विलुप्त होने की कगार पर है। उन्होंने देशी मछलियों के विलुप्त होने की बड़ी वजह मछलियों के प्रजनन काल के समय मछली पकड़ने के प्रतिबंध को कड़ाई से पालन नहीं करने को बताया। इसके अलावा जल में प्रदूषण, प्राकृतिक आवास (जलीय खरपतवार जहां देशी मछलियों का प्रजनन होता है) नदी, जलाशय से साफ होना, मछली पालन में कतला, रोहा, कामनकार, मृगाल, तेलपिया को ही प्रोत्साहित करना बड़ा कारण है।

विलुप्ति से बचाने...
प्रतिबंध, बस्तर की विशिष्ट बोध मछली को विलुप्त से बचाने वन्यप्राणी संरक्षण सलाहकार समिति और स्थानीय निकायों ने इसे राज्य मछली घोषित करने का प्रस्ताव दिया है। ग्रामीणों में जागरूकता, देशी बीजों का संरक्षण, कृत्रिम प्रजनन तथा बीजों को वापस नदियों में छोड़ा जाना, आक्रामक विदेशी प्रजातियों पर नियंत्रण, स्थानीय समुदायों को शामिल कर इनके संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice

Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No : 372249/2026 — Korba, Date 16.09.2026

Sr No	System Tender No.	Name of Work/ Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	199490 (1st Call)	CONSTRUCTION OF 30 NOS ANIMAL KENNELS AT ANIMAL BIRTH CONTROL CENTER UNDER WARD NO.-60 (Nigam mad)	10.98

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 16.09.2026 at 15:00 Hours (IST) onwards.

Executive Engineer
Municipal Corporation
Korba (C.G.)

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

JHAIGO Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुँहासे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- 1 पद पुरूष कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है जिन्हे हिन्दी, अंग्रेजी टायपिंग एवं MS Office की जानकारी हो तथा स्वयं का दुपहिया वाहन हो। संपर्क करें 7000470670, 9584570444 (41897)

आवश्यकता है- Wep के अधिकृत एजेंसी में कम्प्यूटर प्रिंटर, इंजीनियर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें मो. 9425280394 (41894)

आवश्यकता है- जय अम्बे नेत्रालय महाराणा प्रताप चौक रिंगरोड नं. 2, में कार्य करने हेतु नर्सिंग स्टाफ की आवश्यकता है संपर्क करें मो. 8349949990, 07752405124 (41895)

आवश्यकता है- सुबह 9 बजे से पूरे टाइम हेतु ग्रेजुएट, जो ऑफिस में हिन्दी, अंग्रेजी टायपिंग के साथ, इंटरनेट कार्य में सक्षम, लड़का जो सरकंडा बिलासपुर क्षेत्र में निवासरत हो। मो. 9993802110 (41896)

आवश्यकता है- दिन में ड्यूटी कार्य करने हेतु मैनेजर की एवं वेटर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- किरण लाज गांधी चौक बिलासपुर (41904)

आवश्यकता है- ढाबा में काम करने हेतु वेटर, तन्दूर मास्टर, हेड मिस्त्री, हेल्पर, बर्तन धोने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नया हाईकोर्ट के पास, रायपुर रोड बिलासपुर 7000942962, 9098976666 (41901)

आवश्यकता है- गर्ल्स हॉस्टल में किचन के लिए महिला हेल्पर की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- मिश्रा गर्ल्स हॉस्टल, कपिल नगर, सरकंडा, बिलासपुर 7415640258 (41902)

आवश्यकता है- हॉस्पिटल मैनेजर, रिसेप्शनिस्ट, पीआरओ, एकाउंटेंट, सुपरवाइजर, टैली ऑपरेटर, फार्मासिस्ट, नर्स, वार्ड बॉय, आया बाई, हाउस कीपिंग स्टाफ, स्वीपर, ड्राइवर चाहिए। सम्पर्क करें- आरोग्य हॉस्पिटल, अमेरी चौक, गौरव पथ, बिलासपुर 7000501955 (41888)

आवश्यकता है- कक्षा पहली से 12वीं तक सभी विषय पढ़ाने के लिए टीचर्स की आवश्यकता है सम्पर्क करें- संस्कार स्कूल, उसलापुर बाजार के सामने, बिलासपुर 9098546135, 7000737657 (41873)

आवश्यकता है- बुटिक में काम करने एवं साड़ी कुर्ती समेटने के लिए लड़की या लेडिस की आवश्यकता है। समय सुबह 10बजे से रात 8बजे तक। सम्पर्क करें- मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9425535829 (41906)

आवश्यकता है- घर, ऑफिस, आँगन साफ सफाई हेतु लड़का चाहिए। सुबह 9बजे से शाम 5बजे, रहकर काम करने वाले को कमरा फ्री, वेतन 8000 सम्पर्क- रामावर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़, रायपुर रोड, बिलासपुर, 9340600776 (41907)

आवश्यकता है- खाना बनाने हेतु एक अनुभवी महिला कर्मचारी एवं घर की साफ सफाई हेतु एक अलग से महिला कर्मचारी चाहिए। स्थान- महाराणा प्रताप चौक के पास सम्पर्क करें- 8871563925, 8085681072 (41900)

आवश्यकता है- निजी कार चलाने के लिए अनुभवी नशा मुक्त लाइसेंस धारी ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9425227614 (41880)

आवश्यकता है- (1) टूव्हीलर मैकेनिक, (2) एकाउंटेंट (टैली, जीएसटी) (3) DMS Operator (BCA, कम्प्यूटर इंजीनियर) (4) टेक्नीकल एडवाइजर (ट्रक) (5) अनुभवी कार ड्राइवर (6) चौकीदार की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 8871717004, 8896200007 (41908)

आवश्यकता है- फर्निशिंग शोरूम में कार्य करने हेतु 50 लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार शोरूम में सम्पर्क करें- राजा ब्रदर्स, साइंस कॉलेज के पास सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 9399525343, 7489333895 (41899)

आवश्यकता है- दो बाई झाड़ू पोंछा, बर्तन सफाई, दो लड़के रूम सर्विस साफ सफाई, एक मैनेजर चाहिए रहने, खाने की सुविधा सम्पर्क करें- नारायण गेस्ट हाउस थर्ड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर 9302855022 (41905)

आवश्यकता है- तखतपुर से 5 किलोमीटर पहले जरेली में साइड पर सिविल कार्य करने के लिए अनुभवी सिविल सुपरवाइजर की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- 9516801320 (41890)

आवश्यकता है- डेन्टल क्लीनिक में कार्य करने हेतु युवती (उम्र 18 से 24वर्ष) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सक्सेना डेन्टल क्लीनिक, अशोक नगर चौक, सरकंडा, बिलासपुर 9893968977 (41891)

आवश्यकता है- रामालाइफ सिटी में वेन्यू कार चलाने हेतु 12वीं पास नशामुक्त ड्राइवर चाहिए (जो घर के ऊपरी काम भी कर सके) सकरी एवं आसपास वालों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7067124226, 9893081826 (41881)

आवश्यकता है- पल्लव भवन में शादी पार्टी हेतु सुरक्षा गार्ड की अतिशीघ्र आवश्यकता है। इच्छुक युवक युवती तत्काल सम्पर्क करें- पल्लव भवन, रिंग रोड नम्बर- 2, गौरव पथ, बिलासपुर (41893)

आवश्यकता है- भोजनालय में कार्य करने के लिए अनुभवी इंडियन एवं चाइनीज कुक, वेटर, हेल्फर लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सांई भोजनालय, मंगला चौक, बिलासपुर 9755592108, 9589480555 (41889)

आवश्यकता है- Cafe के किचन एवं Cafe में कार्य करने हेतु लड़कियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन 7000 से 12000 प्रति माह तत्काल सम्पर्क करें- ट्विन प्लाजा अग्रसेन चौक बिलासपुर 9306187790 (41871)

आवश्यकता है- चिकन बिरयानी, साउथ इंडियन, चाइनीज और कॉन्टिनेंटल फूड आइटम बनाने के लिए अनुभवी शेफ की जरूरत है सम्पर्क करें- 8349360608, 7869102531, 7869102530 (41882)

आवश्यकता है- तिफरा थोक सब्जी मंडी में कार्य करने हेतु कलेक्शन मैनेजर- 2पद की आवश्यकता है वेतन- 12000 से 25000 योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से 10बजे तक 9893599044 (41874)

आवश्यकता है- लेडीज ब्यूटी पार्लर में ब्यूटीशियन, मेकअप आर्टिस्ट, हेयर ड्रेसर/ स्टाइलिस्ट, मैनेजमेंट कार्य हेतु फीमेल स्टाफ चाहिए। सम्पर्क- ड्रीम्स मेकओवर, पार्किंग स्थल फर्स्ट फ्लोर, बजरंग कॉम्प्लेक्स, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 8770323626 (41885)

आवश्यकता है- जानवरों की सेवा करें और बढ़िया वेतन कमाए। कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य रू. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800 (007)

आवश्यकता है- रेडिमेड मेंस वियर शॉप में सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार जो पहले से काम जानता हो, वही सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक सरकंडा बिलासपुर 8349373122 (41870)

आवश्यकता है- रायपुर (सिविल लाइन्स) स्थित प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभव कम से कम 5 वर्ष, शिक्षा न्यूनतम 10वीं पास, वेतन 20,000 प्रतिमाह, रहने की व्यवस्था है स्थान सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्क 9109972720, 9109125252 (079)

आवश्यकता है- पैथोलॉजी लैब टेक्नीशियन एवं रिसेप्शनिस्ट चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- दोपहर 3 से शाम 6बजे तक निष्कर्ष पैथोलॉजी क्लीनिक प्रथम तल, डॉ. अग्रवाल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी क्लीनिक, जूनीलाइन, बिलासपुर 7869911027 (41875)

आवश्यकता है-अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 22000 फील्ड अधिकारी 16000 कम्प्यूटर ऑपरेटर 20000 योग्यता अनुसार मेस सुविधा आवास फ्री सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019 (815)

आवश्यकता है- Evincepub Publishing, कोनी (बिलासपुर) में बुक पब्लिशिंग हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर (लड़के/लड़कियाँ) चाहिए। MS Word, Excel एवं Canva का ज्ञान आवश्यक। संपर्कः 6260711728, 9171810321 (41864)

आवश्यकता है- तत्काल आवश्यकता है सोलर कम्पनी में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए किसी भी उम्र के व्यक्ति पार्ट टाइम एवं फुल टाइम कार्य करने के लिए सम्पर्क करें- 7000589595, 9232083236 (41877)

आवश्यकता है- पेट्रोल पम्प पर काम करने के लिए महिला एवं पुरूष कर्मचारियों की आवश्यकता है संपर्क करें जय जवान पेट्रोल पंप मरीन ड्राइव के पास तेलीबांधा रायपुर (छ.ग.) 9827141707 (4181)

आवश्यकता है- न्यू हाई कोर्ट के पीछे छतौना के प्लॉट वर्कशॉप में ही रहकर परिवार वाले व्यक्ति की चौकीदारी करने के लिए आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9669211111, 9827175811 (41866)

आवश्यकता है- काम करने वेटर, झाड़ू पोछा, साफ सफाई कार्य 18वर्ष से ऊपर पुरुष कर्मचारी चाहिए। वेतन 10000 से 12000 ग्रामीणों को निःशुल्क भोजन+ आवास पता- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9827940898 (41848)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु (10वी -12वीं)पास लड़कों हेतु जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 12000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + किराया, ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000- 20000/- महीना-8770508791, 7580821223 (140)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बेचना है

बेचना है- श्रीराम कॉलोनी काली ढाबा के पास रायपुर रोड 2500 वर्गफुट के चार डायवर्टेड प्लॉट टोटल 10000 वर्गफीट अलग अलग या एक साथ बेचना है। सम्पर्क करें- 9755859422 (41898)

बेचना है- बिलासपुर घुरू नारायणी होम्स में डायवर्टेड प्लॉट 1200 वर्गफुट 14.40 लाख रुपए में एवं 2BHK मकान मात्र 30 लाख रुपए में अति शीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9329940681, 8461997770 (41909)

बेचना है- 70 का फ्रंट 36 डिसमिल मेन रोड पर कमर्शियल प्लॉट रतनपुर से कटघोरा NH हाइवे पर प्लॉट रतनपुर में आएगा बेचना है 650/- रुपए फुट सम्पर्क करें- 9827938236 (41886)

बेचना है- सकरी हाईवे रोड से 50मी. गायत्री मन्दिर के सामने सर्वसुविधायुक्त पूर्ण विकसित कॉलोनी प्लॉट साईज 252×53= 13356 वर्गफुट डायवर्टेड आवासीय नार्थ फेस 2/3 टुकड़ों में बेचना है सम्पर्क करें- 7898855268 (41750)

किराया

किराया- अज्ञेय नगर प्राइम लोकेशन में ग्राउंड फ्लोर पर एक हॉल एक बेडरूम अटैच लेटबॉथ किचन किराए पर देना है सम्पर्क करें- महागौरी मेडिकल मगरपारा बिलासपुर 9399540400, 9131162578 (41903)

किराया- बिलासपुर R.K. ओझा बिल्डिंग मेन रोड व्यापार विहार अपोजिट वेस्टसाइड फर्स्ट फ्लोर 1200 वर्गफुट AC, लेटबाथ सर्वसुविधायुक्त बैंक ऑफिस शॉप कोचिंग शोरूम हेतु किराए पर उपलब्ध सम्पर्क करें- 7987068578, 8305541155 (41884)

किराया- व्यापार विहार मुख्य मार्ग, Starbucks से पहले, Burger King के सामने, वास्तु अनुरूप नवनिर्मित 500 वर्गफीट, 19.5 फीट फ्रंट, डबल स्टोरी कमर्शियल शॉप किराये से उपलब्ध है। सम्पर्क करें- 9893428881 (0305)

किराया- बिलासपुर कुदुदण्ड में इंदिरा सेतु के पास दन्त चिकित्सालय के ऊपर स्थित सर्व सुविधा युक्त परिवार वाले मकान किराये से देना है। सम्पर्क करें- 9425227614 (41879)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे B.ED, B.A, B.COM, B.SC, BCA, MCA, BBA, LLB, M.A M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.TECH M.TECH (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector -6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4171)

वैवाहिकी

वर चाहिए

Groom wanted-Alliance invited for a beautiful, well-educated Jatt Sikh girl, 30, 5'-5,'' from a reputed, well-settled Raipur family.Canadian citizen,wishing to settle in India; family-oriented with a modern outlook. Seeking an educated, well-settled, family- oriented Jatt Sikh match, preferably from Raipur and a business family. Contact- 6266792911 (08215)

Medicare Specialists
सोरायसिस एवं चमड़ी रोग
सफेद रिसाव एवं स्किन केयर क्लिनिक
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.डी.बी. अग्रवाल (BAMS MD)
(चर्म रोग विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
98271-99213, 94255-55659
96177-89223, 93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय दोपहर 12 से 7 बजे तक

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

एशियाई खेलों का रंगारंग उद्घाटन

नागोया के आसमान में चमका भारत मनु और सहरावत ने लहराया तिरंगा

मार्च पास्ट में 45 देशों के खिलाड़ी हुए शामिल

4 अक्टूबर को खेलों का समापन

मार्च पास्ट में नेवी ब्लू का जलवा

स्टार निशानेबाज मनु भाकर और कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत की अगुवाई में भारत ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच खिलाड़ियों की परेड में प्रवेश किया। गहरे नीली (नेवी ब्लू) साड़ी और बंदगले की औपचारिक जैकेट पहने मनु दर्शकों का अभिवादन करती नजर आईं। उन्होंने सहरावत के साथ 150 सदस्यीय भारतीय दल की अगुवाई की। भारतीय पुरुष खिलाड़ियों ने भी गहरे नीले रंग की बंदगले की औपचारिक जैकेट और उससे मेल खाती पतलून पहनी थी।

एजेंसी ▶▶| नागोया

जापान ने शनिवार को एशियाई खेलों के सादगीपूर्ण लेकिन रंगारंग उद्घाटन समारोह में अपनी तकनीकी और औद्योगिक ताकत के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश की जिसने प्रतियोगिता से पहले की अव्यवस्थाओं और लॉजिस्टिक्स समस्याओं के बीच एक उम्मीद की किरण दिखाई। अगले 15 दिनों तक 45 देशों के करीब 11,000 खिलाड़ी 43 खेलों और 71 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। इस दौरान कुल 469 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा और खेलों का समापन 4 अक्टूबर को होगा। बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट समेत कुछ अन्य खेलों की स्पर्धाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। 'हार्मोनिक हार्ट बीट' थीम के साथ जापान ने अपने इतिहास में तीसरी बार एशियाई खिलाड़ियों का स्वागत किया। इससे पहले 1958 में तोक्यो और 1994 में हिरोशिमा में एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था।

'वन एशिया' की थीम मुख्य आकर्षण

उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण दिल के आकार का मुख्य मंच रहा, जिसे 'वन एशिया' की थीम को दर्शाने के लिए तैयार किया गया था। यह पूरे महाद्वीप के खिलाड़ियों और लोगों के एक-दूसरे से दिल से जुड़ने का प्रतीक था। 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाले खचाखच भरे मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस शानदार समारोह में आइची की औद्योगिक तकनीक और पारंपरिक कला का अनूठा मेल देखने को मिला।

भारत- बांग्लादेश के बीच भिड़ंत आज

महिला क्रिकेट

निशिन। मौजूदा चैंपियन भारत रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मैच में अपने आक्रामक तेवर बरकरार रखकर दबाव बनाने की कोशिश करेगा। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ इस प्रारूप में अपना दबदबा बनाए रखा है और उसने पिछले नौ मुकाबलों में जीत हासिल की है, जिसमें पिछले सप्ताह एशिया कप में 40 रन की जीत भी शामिल है। बांग्लादेश के हाथों उसे टी20 में आखिरी बार तीन साल पहले हार का सामना करना पड़ा था। बांग्लादेश की टीम भारत पर दबाव बनाने के लिए अपने स्पिनरों पर निर्भर रहेगी। बांग्लादेश को अगर भारत के बल्लेबाजों पर दबाव बनाना है तो नाहिदा अख्तर और रबिया खान जैसी गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वे पिच से मिलने वाली किसी भी मदद का फायदा उठाने और भारत के आक्रामक शीर्ष क्रम को नियंत्रण में रखने की कोशिश करेंगी।

मैच का समय सुबह 10:30 बजे

भारत को जापान से मिल सकती है चुनौती

बैडमिंटन

पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम रविवार को अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश की खिलाफ करेगी जबकि महिला टीम कजाकिस्तान से भिड़ेगी। टीम प्रतियोगिता के बाद 25 सितंबर से व्यक्तिगत स्पर्धाएं होंगी। भारत को 2023 में हांगझोऊ में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पुरुष युगल में स्वर्ण पदक दिलाया था। इसके अलावा भारत ने पुरुष टीम स्पर्धा में रजत और पुरुष एकल में एचएस प्रणय के शानदार प्रदर्शन से कांस्य पदक भी जीता था। भारतीय पुरुष टीम रजत पदक को स्वर्ण पदक में बदलने का लक्ष्य रखेगी, जबकि महिला टीम 2014 में इंचियोन में कांस्य पदक जीतने के बाद दूसरा टीम पदक हासिल करने की कोशिश करेगी।

टेकबॉल : सेमीफाइनल में हारी क्विम्सी

अब कांस्य के लिए मुकाबला

भारत की क्विम्सी डिसूजा एशियाई खेलों की टेकबॉल महिला एकल सेमीफाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की सुमाया के खिलाफ जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गई और अब कांस्य पदक के लिये खेलेंगी। क्विम्सी ने शुरुआती बढत बनाई लेकिन लय कायम नहीं रख पाई और 12-7, 9-12, 7-12 से हार गई। क्विम्सी अब रविवार को कांस्य पदक का प्लेआफ खेलेगी। क्विम्सी ने अपनी लंबे कद का पूरा फायदा उठाते हुए बार-बार सटीक स्मैश लगाए। घुमावदार टेबल से उनकी नीची और स्लाइडिंग सर्व ने सुमाया को दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम 12-7 से आसानी से जीत लिया लेकिन दूसरे गेम में कहानी एकदम से बदल गई। यह खेल सेपक टकरा (पांव से वॉलीबॉल खेलने जैसा) से मिलता है और सुमाया सेपक टकरा की खिलाड़ी रही है, जिसका उन्हें फायदा मिला। सुमाया ने तेजी दिखाई और क्विम्सी को हर अंक के लिए कड़ी टक्कर दी। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को रैलियों में उलझाया।

हॉकी: नई शुरुआत करेगी भारतीय टीम

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम हाल ही में विश्व कप में मिली निराशा को भुलाकर एशियाई खेलों में रविवार से शुरू होने वाली हॉकी प्रतियोगिता में अपने खिताब का बचाव करने में किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी जबकि महिला टीम भी स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। भारत को मेजबान जापान, कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ पूल ए में रखा गया है, जबकि पूल बी में पाकिस्तान, मलेशिया, चीन, ओमान, उज्बेकिस्तान और थाईलैंड शामिल हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। वह इस मैच में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगा।

पूल बी में महिला हॉकी टीम

भारतीय महिला हॉकी टीम को पूल बी में उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया, थाईलैंड, जापान और सिंगापुर के साथ रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जिसमें वह बड़ी जीत हासिल करना चाहेगी।

टेबल टेनिस : मानव-मानुष से पदक की उम्मीद

मानुष शाह और मानव ठक्कर की विश्व में तीसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी के नेतृत्व में आत्मविश्वास से भरी भारतीय टेबल टेनिस टीम रविवार को एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरू करेगी और उसका लक्ष्य कम से कम एक पदक जीतना है। भारतीय पुरुष टीम ग्रुप एफ के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया का सामना करेगी और रविवार को अपने दूसरे मैच में ईरान के खिलाफ खेलेगी। महिला टीम को भी ग्रुप एफ में रखा गया है और वह इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दिन के दूसरे मैच में उसका सामना सिंगापुर से होगा। पिछले एशियाई खेलों में भारत ने महिला युगल जोड़ी सुतीर्थ मुखर्जी और आयिका मुखर्जी के दम पर कांस्य पदक जीता था।

सटीक निशाना लगाने के लिए तैयार मनु और नीरू

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर की अगुवाई में भारतीय निशानेबाज रविवार को एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसमें उन्हें चीन से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। निशानेबाजी में भारत का 30 सदस्यीय दल भाग ले रहा है और उनसे पिछले एशियाई खेलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जा रही है। हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने रिकॉर्ड 22 पदक (सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य) जीते थे। भारतीय टीम में कई ओलंपियन और विश्व स्तरीय खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से कुछ को बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का अनुभव है। लेकिन सबकी निगाहें निश्चित रूप से मनु पर होंगी, जो पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक हासिल करने के बाद एशियाई खेलों में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेंगी।

आज एशियाड के लिए जापान रवाना होंगे क्रिकेटर

टीम इंडिया की किट पर पेंच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सदस्य एशियाई खेलों के लिए अब भी सही साइज की किट का इंतजार कर रहे हैं जबकि उन्हें रविवार तड़के जापान रवाना होना है।

खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर बीसीसीआई और भारतीय ओलंपिक संघ के किट उपलब्ध कराने वाले जेएसडब्ल्यू इंस्पायर के बीच बातचीत हुई है। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी से रवाना होने वाली है। भारतीय खिलाड़ी 22 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी मानक पोशाक पहनेंगे। इसके बाद वे 28 सितंबर से शुरू होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक पहनेंगे।

खिलाड़ियों को दो अलग-अलग ड्रेस की जरूरत

आईओए के सूत्र ने बताया, 'क्रिकेटरों की पोशाक के साइज में कुछ समस्या थी, जिसे काफी हद तक ठीक कर लिया गया है। कुछ किटें बची हैं और उन्हें जल्द ही टीम को भेज दिया जाएगा। खिलाड़ियों को दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत है (एक द्विपक्षीय मैचों के लिए और दूसरी एशियाई खेलों के लिए), इसलिए ऐसा हुआ होगा।' इस बीच नागोया में अन्य भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में हो रही देरी को देखते हुए बीसीसीआई ने स्वयं होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है।

महिला टीम को आवास समस्या नहीं

भारतीय महिला टीम हालांकि आईओए के उपलब्ध कराए आवास में रह रही है। 'महिला टीम के ठहरने की व्यवस्था में किसी तरह की समस्या नहीं आई। आयोजकों ने पुरुष टीम के लिए जो कमरे उपलब्ध कराए उनमें किट बैग रखने की भी जगह नहीं थी।

अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेशी टीम का ऐलान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को इस टेस्ट के लिए आराम दिया गया है। दोनों टीमों के बीच यह टेस्ट मुकाबला 9 से 13 अक्टूबर तक खेला जाना है। तस्कीन के अलावा, विकेटकीपर बल्लेबाज अमिते हसन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। जेक अली और तौहीद हृदय की टीम में वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लिटस दास के खेलने पर संशय को देखते हुए जेकर अली को बैकअप के तौर पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, लिटस समय रहते हुए इंजरी से उबर गए थे, जिसके कारण जेकर को मौका नहीं मिल सका था। साउथ अफ्रीका एक के खिलाफ जेकर का प्रदर्शन भी अच्छा रहा था और उन्होंने 94 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी।

डेविस कप : दक्षिणेश्वर और बालाजी की शानदार जीत

एजेंसी ▶▶| सियोल

दक्षिणेश्वर सुरेश और श्रीराम बालाजी ने युगल मुकाबले में उई-सुंग पार्क और जी-सुंग नाम को हराकर डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत की जीत की उम्मीदों को जीवंत रखा।

मुकाबला के पहले दिन शुक्रवार को दोनों एकल मैच गंवाने के कारण 0-2 से पिछड़ने के बाद भारत को कुछ अलग करने की जरूरत थी। उसने निकी पूनाचा की जगह दक्षिणेश्वर को बालाजी के साथ कोर्ट पर उतारा और उसका यह फैसला सही साबित हुआ। इन दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-3 3-6 6-3 से जीत हासिल की।

पिछड़ने के बाद हासिल की जीत

भारत ने इससे पहले केवल दो बार, 2010 और 2018 में, डेविस कप मुकाबले में 0-2 से पिछड़ने के बाद जीत हासिल की है। यह कारनामा फिर से करने के लिए भारत को अब दोनों उलट एकल मैच जीतने होंगे। भारत के नंबर एक खिलाड़ी सुमित नागल पर सारा दायित्व है, जिन्हें पहले उलट एकल मैच में कोरिया के शीर्ष के खिलाड़ी सूनवू क्वोन को हराना होगा। भारत ने पहले सेट में शुरू से ही अपने इरादे जतला दिए थे।

रचिन चोटिल, भारत के खिलाफ खेलने पर संशय

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान डाइव लगाकर कैच लेने के प्रयास में चोटिल हो गए और उनका भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलना संदिग्ध है। रचिन के कंधे में चोट लगी है। उनकी चोट का आकलन किया गया, जो गंभीर नहीं है लेकिन चोट से उबरने की प्रक्रिया के दौरान उनकी प्रगति से ही पता चल पाएगा कि वह कब तक वापसी कर पाएंगे। न्यूजीलैंड 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए भारत की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि यह अब भी 'अस्पष्ट' है कि रविंद्र सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं।

रविंद्र की वापसी में जल्दबाजी नहीं

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि टीम अपने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए रविंद्र की वापसी में जल्दबाजी नहीं करेगी। वाल्टर ने कहा, 'हमारा अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट में व्यस्त कार्यक्रम होने के कारण हम रचिन की वापसी को लेकर जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं।'

जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष बन सकते हैं पोवार

नई दिल्ली। पूर्व ऑफ स्पिनर रमेश पोवार और उत्तर प्रदेश के अनुभवी तेज गेंदबाज आशीष विंस्टन जैदी राष्ट्रीय जूनियर पुरुष चयन समिति में शामिल हो सकते हैं। 24 अगस्त को बीसीसीआई ने इस समिति में पांच पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितंबर थी।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल / साईकोलि / कुस / मप्र (ख) / व्या.प्र.के. / 2026 / 338

जांच कार्यवाही की सूचना

कुसमुण्डा परियोजना में कार्यरत श्री शिव प्रसाद आ. जवाहर, पदनाम- सा. सहा केटे. I कर्म. सं. 58012188 को अनाधिकृत अनुपस्थिति के कारण आरोप पत्र जारी किया गया था। आरोपित कर्मचारी को विभागीय जांच कार्यवाही में उपस्थित होने हेतु तीन बार बी फार्म में दर्ज पते पर सूचना भेजी गयी किन्तु संबंधित कर्मचारी के विभागीय जांच कार्यवाही में सम्मिलित न होने के कारण जांच कार्यवाही पूर्ण नही हो पा रही है।

नैसर्गिक न्याय सिद्धान्त के तहत मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अंतिम अवसर प्रदान करते हुए अधोलिखित कर्मचारी को विभागीय जांच कार्यवाही में सम्मिलित हेतु समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि अपना बचाव संबंधी पक्ष प्रस्तुत कर सके। बैठक दिनांक एवं समय नाम के समक्ष दी गई है।

अत: संबंधित कर्मचारी को अपने समस्त दस्तावेज, गवाहों, सहकर्मी (यदि कोई हो तो) को साथ लेकर उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया जाता है। उपस्थित न होने की स्थिति में यह समझा जावेगा कि आरोपी कर्मचारी के पास अपने बचाव में कोई उपयुक्त स्पष्टीकरण नहीं है या जांच कार्यवाही में भाग नहीं लेना चाहते है, तदानुसार प्रबंधन, आचार सहिता नियमावली के तहत एक पक्षीय निर्णय लेने हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु स्वतंत्र होगा।

नाम / पिता	पदनाम / कार्मिक संख्या	आरोप पत्र क्रमांक एवं दिनांक	अंतिम बैठक की तिथि समय एवं स्थान
श्री शिव प्रसाद आ. जवाहर पता- ग्राम- जगन्नाथपुर पो.आ.- धरमपुर जिला- सूरजपुर (छ.ग.) पिन- 497223	सा. सहा. केटे. I कर्म सं.- 58012188	साईकोलि / मप्र (ख) / कुस / कार्मिक / 2026 / 31 दिनांक 15.04.2026	दिनांक- 28.09.2026 समय- शाम 04.30 बजे स्थान- कार्यालय व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र कुसमुण्डा परियोजना

SECL/26-27/147 जांच अधिकारी, एसईसीएल, कुसमुण्डा परियोजना

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), कोरबा
CENTRAL INSTITUTE OF PETROCHEMICALS ENGINEERING & TECHNOLOGY (CIPET), KORBA
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
(भारत सरकार का शैक्षणिक संस्थान)
सिपेट CIPET PMKVY
एजुकेशन हब, स्याहीमुड़ी, जमनीपाली, पो.-गोपालपुर, कोरबा (छ.ग.) पिन-495450
Email: vtc-korba@cipet.gov.in, korba@cipet.gov.in, Website - www.cipet.gov.in, Phone No.: + 91 7815350001

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत (PMKVY 4.0) रोजगारोन्मुखी नि:शुल्क आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

सिपेट, कोरबा द्वारा प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनांतर्गत युवक-युवतियों हेतु नि:शुल्क आवासीय रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाना सुनिश्चित है। जिसके लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रम में योग्य उम्मीदवार से आवेदन आमंत्रित हैं:-

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	आयु सीमा	शैक्षणिक योग्यता
1	मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक प्रोसेसिंग (QG - 3.5 - CP - 04116-2025-V2-CIPET)	600 Hours	18 से 32 वर्ष	11 वीं पास

1. उम्मीदवार की आयु पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय 18 वर्ष होनी चाहिए।
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आवास व भोजन, प्रशिक्षण सामाग्री नि:शुल्क प्रदान किया जायेगा।
3. प्रशिक्षण के दौरान उपस्थिति 70% अनिवार्य है, उपस्थिति बायोमीट्रिक प्रणाली से दर्ज किया जायेगा।
4. उम्मीदवार के पास वैध आधार कार्ड होना अनिवार्य है।
5. आवेदन की प्रक्रिया :- (i) उम्मीदवार सीधे Skill India Digital Portal www.skillindiadigital.gov.in पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अथवा (ii) योग्य उम्मीदवार आवेदन-पत्र के साथ समस्त दस्तावेजों की प्रति जैसेः अंकसूची, परिचय-पत्र, आधार कार्ड तथा पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ के साथ सिपेट, कोरबा के ऊपर लिखित पते पर भेजें अथवा सिपेट आकर कौशल विकास विभाग में जमा कर सकते हैं। अग्रिम प्रति ई-मेल द्वारा vtc-korba@cipet.gov.in पर एवं Whatsapp No. 7978785859 पर भी भेज सकते हैं।
6. चयन प्रक्रिया :-(1) उम्मीदवार का चयन काउंसिलिंग के आधार पर किया जाएगा। (2) काउंसिलिंग हेतु आने वाले उम्मीदवारों को किसी भी प्रकार का TA/DA प्रदान नहीं किया जाएगा। (3) काउंसिलिंग के समय मूल प्रमाण-पत्र लाना अनिवार्य है।
7. चयन पाठ्यक्रम में पंजीयन कराने हेतु दिनांक 25.09.2026, सुबह 9 बजे से 5 बजे तक, सिपेट कोरबा में उपस्थित होवें।
8. सिपेट बिना किसी कारण बताए, किसी भी आवेदन के स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
9. प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के उपरांत देश के विभिन्न प्लास्टिक्स एवं सम्बद्ध कंपनी में रोजगार का अवसर दिया जाएगा।
10. उम्मीदवार पूर्व में पी.एम.के.व्ही.वाए. द्वारा प्रायोजित किसी भी पाठ्यक्रम में पंजीयन नहीं होना चाहिए।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 7978785859, 9229441945, 9770126712, 8109113599

लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर, शाखा: बिलासपुर (छ.ग.)
बिलासपुर शाखा- ग्राउंड फ्लोर, मिश्रा टावर, यश सुपर मार्केट के सामने, गौरव पथ, बिलासपुर (छ.ग.),
ई-मेल: bmbsp@laxmimahilabank.com, फोन: 07752-407059, मुख्य शाखा रायपुर (छ.ग.)

कब्जा-सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम-2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम-2002 की धारा 13(4) एवं 13(12) सहपठित नियम- 8 के अंतर्गत लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, बिलासपुर शाखा के प्राधिकृत अधिकारी यह सूचित करता है, कि निम्न वर्णित खाताधारक /खाताधारकों/ जमानतदार/ जमानतदारों को बैंक ने मांग की सूचना पत्र प्रेषित कर उनके विरुद्ध लिखी गई सकल ऋण राशि का भुगतान नोटिस की तिथि से 60 दिन के भीतर करने का आग्रह किया था। किन्तु संबंधित खाताधारक / खाताधारकों / जमानतदार एवं जमानतदारों द्वारा उक्त ऋण राशि की अदायगी नहीं की गई।

फलस्वरूप (S.A.R.F.A.E.S.I. ACT - 2002) के अंतर्गत उपरोक्त वर्णित धारा एवं नियम में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने निम्न कर्जदारों के द्वारा बंधक रखी गई निम्न संपत्ति, जो बैंक के पक्ष में बंधक है, को अपने कब्जे में ले लिया है। अत: विशेषकर ऋणी / ऋणियों एवं जमानतदार / जमानतदारों एवं सामान्य आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध लिखि गई संपत्ति / संपत्तियाँ बैंक के अधीन (Charge) में है, जिसके उपर कोई भी लेन-देन के संव्यवहार न करें। बैंक की जानकारी के बगैर लेन-देन करने के लिए बैंक उत्तरदायी नहीं होगा तथा यह अवैध वसूली व शून्य मान्य होगी।

ऋणी का नाम	संपत्ति स्वामी का नाम / संपत्ति का विवरण	मांग सूचना पत्र जारी दिनांक को बकाया सकल ऋण राशि	भौतिक आधिपत्य प्राप्त की तिथि और शेष राशि
1. श्री योगी टहल्यानी 2. श्री हीरो टहल्यानी पिता (सभी) श्री मोतीलाल टहल्यानी 3. श्रीमती रीना टहल्यानी पति श्री मोतीलाल टहल्यानी 4. श्री मोतीलाल टहल्यानी पिता श्री बिशनदास टहल्यानी निवासी- बिलासपुर (छ.ग.) बंधक ऋण क्र.- 000450042020037	संपत्ति 1 : स्वामी श्री योगी टहल्यानी, श्री हीरो टहल्यानी पिता श्री मोतीलाल टहल्यानी एवं मोतीलाल टहल्यानी पिता स्व. बिशनदास टहल्यानी की टिकरापारा, जूना बिलासपुर (छ.ग.) प.ह.नं. 36(22), तह. एवं जि. बिलासपुर (छ.ग.) में प्रथम तल पर निर्मित- मकान में परिवर्तित ख. नं. 151 / 14(151 / 24), शीट नं. 20, ब्लॉक नंबर 09, प्लॉट नं.-227 / 3, 227 / 5 रकबा 1562 एवं 232 वर्गफुट जिसकी चर्तुसीमा उत्तर में रीना टहल्यानी की भूमि, दक्षिण में पाठक का मकान, पूर्व में निस्तारी रोड, पश्चिम में कमल दत्ता का मकान है।	दिनाँक 24.06.2026 बकाया ऋण राशि रु.33,92,664/- (ब्याज एवं खर्च अतिरिक्त)	दिनांक 18.09.2026 बकाया ऋण राशि रु. 36,89,780/- (ब्याज एवं खर्च अतिरिक्त)
1. श्री योगी टहल्यानी 2. श्री हीरो टहल्यानी 3. श्रीमती रीना टहल्यानी 4. सुश्री पूजा टहल्यानी पिता श्री मोतीलाल टहल्यानी निवासी - बिलासपुर (छ.ग.) बंधक ऋण क्र.- 000450042020059	संपत्ति 2 : स्वामी श्रीमती रीना टहल्यानी पति श्री मोतीलाल टहल्यानी की परिवर्तित भूमि मौजा जूना बिलासपुर प.ह.नं.- 36(22) विख-बिल्हा, तह. जि. बिलासपुर (छ.ग.), शीट क्र. 20, ब्लॉक- 9, प्लॉट क्र. 227 / 2, ख.नं. 151 / 25, रकबा 433 वर्गफुट, जिसकी चर्तुसीमा उत्तर में मोतीलाल टहल्यानी की भूमि, दक्षिण में अशोक टहल्यानी का मकान, पूर्व में रोड, पश्चिम में कमल दत्ता का मकान है।	दिनाँक 24.06.2026 बकाया ऋण राशि रु. 20,75,272 / - (ब्याज एवं खर्च अतिरिक्त)	दिनांक 18.09.2026 बकाया ऋण राशि रु. 22,55,873 / - (ब्याज एवं खर्च अतिरिक्त)

बिलासपुर, छ.ग., दिनांक 20.09.2026 प्राधिकृत अधिकारी, लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर, बिलासपुर शाखा

कठिन समस्याएं अब न होंगी
क्यूंकि सच्ची सहेली में हैं 67 खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in
67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स
Helps in: कठिन दर्द | चिड़चिड़ापन | थकान | कमजोरी | कमर कटना | इम्यूनिटी
सच्ची सहेली

भारत का मिनी इंडिया, यहां एक ही जगह मौजूद हैं सभी धर्म के लोग

नई दिल्ली। आज के मौजूदा समय में भारत में कई सारे बड़े-बड़े शहर मौजूद है। इन सभी शेहरों की अपनी अलग विशेषता और पहचान भी है इन्हीं में से कुछ शहर तो ऐसे भी है जो वैश्विक पटल पर भी अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुए है। आज की इस खबर में हम आपको एक ऐसे ही शहर के बारे में जानकारी देने वाले हैं इसे भारत का मिनी इंडिया भी कहा जाता है। यहां पर आपको अलग-अलग राज्यों के खानपान से लेकर नागरिक काफी आसानी से मिल जाएंगे।

इस शहर को कहा जाता है मिनी इंडिया

भारत की राजधानी दिल्ली को मिनी इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। इसके कई सारे प्रमुख कारण भी है, यहां पर देश के हर कोने से आकर लोग रह रहे हैं। चाहे जम्मू कश्मीर हो या फिर कन्याकुमारी आपको देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगभग सभी शहरों के लोग आसानी से मिल जाएंगे। दिल्ली में आपको पूरे भारत की संस्कृत, भाषा खान-पान और परंपराओं का मेलजोल भी देखने को आसानी से मिल जाता है।

सभी भाषा बोलने वाले लोगों को समावेश

देश की राजधानी दिल्ली में हिंदी- बंगाली- भोजपुरी- गुजराती- मराठी- कन्नड़ आदि भाषा बोलने वाले लोग भी आपको काफी आसानी से मिल जाएंगे। चाहे आप देश के किसी भी राज्य से क्यों ना हो आपको दिल्ली में आसानी से वहां का भोजन मिल जाएगा। देशभर से यहां पर लोग बेहतर शिक्षा- रोजगार के उद्देश्य से आते हैं।

सभी महत्वपूर्ण कार्यालय इस क्षेत्र में मौजूद

यहां पर सभी पार्टियों के दफ्तर भी मौजूद है. दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट से लेकर संसद भवन तक सभी चीज दिल्ली में ही मौजूद है। दिल्ली को मिनी इंडिया कहे जाने की प्रमुख वजह यहां पर लाल किला, कुतुब मीनार, राष्ट्रपति भवन आदि भी माने जाते हैं। यह दिल्ली की खूबसूरती को चार चांद लगा देते हैं।

आसानी से मिल जाएंगे सभी धर्म को मानने वाले लोग

पूरे भारत में आपको अलग-अलग धर्म और पंथ के लोग काफी आसानी से मिल जाएंगे, इसी तरह दिल्ली में भी आपको अलग-अलग धर्म को मानने वाले लोग मिल जाएंगे। इसी कारण यहां पर हर त्यौहार जैसे की होली- दिवाली- लोहड़ी- बिहू- ओणम- पोंगल- गणेश चतुर्थी- जगन्नाथ रथ यात्रा आदि मनाते हुए दिखाई दे जाएंगे। इन सभी कारणों की वजह से ही दिल्ली को मिनी इंडिया कहा जाता है।

सुंदर हत्यारे स्कार्लेट मैकॉ... अपने बच्चों को ही भूखा मार देते हैं ये रंगीन तोते

नई दिल्ली। स्कार्लेट मैकॉ बहुत सुंदर और मशहूर तोते हैं. इनका चमकदार लाल रंग जंगल में आसानी से दिख जाता है लेकिन इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। शिकार, जंगल काटना और घोंसलों की कमी से ये खतरे में हैं। मेक्सिको और मध्य अमेरिका में एक उप-प्रजाति लगभग खत्म हो चुकी है। वैज्ञानिकों ने पाया कि इनके खुद के माता-पिता भी बच्चों की मौत का बड़ा कारण हैं। पेरू की वैज्ञानिक गैब्रिएला विगो-ट्रॉको ने दो दशक से ज्यादा समय तक इन पक्षियों की स्टडी की। टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी से जुड़ी यह वैज्ञानिक द मैकॉ सोसाइटी की सह-निदेशक हैं।

मैकॉ जानबूझकर मरने छोड़ देतें हैं चूजों को : उन्होंने पाया कि स्कार्लेट मैकॉ जानबूझकर अपने सबसे छोटे चूजों को भूखा छोड़ देते हैं। एक घोंसले में मादा चार अंडे तक दे सकती है लेकिन

आमतौर पर सिर्फ एक या दो बच्चे ही उड़ पाते हैं। तीसरे और चौथे चूजे लगभग हमेशा मर जाते हैं। दूसरे पैदा हुए चूजों में भी करीब 25 प्रतिशत की मौत हो जाती है।

वैज्ञानिकों ने घोंसले से निकाला एक बच्चा

2018 में पेरू के तंबोपता नेशनल रिजर्व में विगो-ट्रॉको की टीम ने एक चूजे को घोंसले से निकाला। उसका नाम पार्कर रखा गया। वह चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। आंखें भी नहीं खुली थीं। वह कमजोर और कम वजन का था। अगर बचाया नहीं जाता तो वह भूख से मर जाता।

मित्तल हॉस्पिटल
त्वरित, सरल और कैशलेस सुविधा द्वारा
आयुष्मान योजना के अंतर्गत
नि:शुल्क डायलिसिस
Dr Abhishek Tiwari
DrNB (Nephrology)
पूर्णकालिक सेवा उपलब्ध
अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें
अनुभवी नेफ्रोलॉजिस्ट द्वारा देखभाल
होली क्रास स्कूल के सामने, अवंति बाई चौक, पंडरी, रायपुर
फोन: 93430 79151, 91313 99570
Deepak Ad./119/1

वी शेप में क्यों उड़ते हैं पक्षी, इसके पीछे है बेहद रोचक वजह

नई दिल्ली। आसमान में बहुत बार आपने पंछियों को उड़ता हुआ देखा होगा, पर क्या आपने ध्यान दिया कि ये पंछी अंग्रेजी के अक्षर वी शेप में उड़ते हुए क्यों नजर आते है। यह सिर्फ देखने में ही अच्छा नहीं लगता, बल्कि इसके पीछे साइंस भी है। इसकी वैज्ञानिक वजह के बारे में जानकर यह सोचने मजबूर हो जाएंगे कि पक्षी भी कितने बुद्धिमान होते हैं।

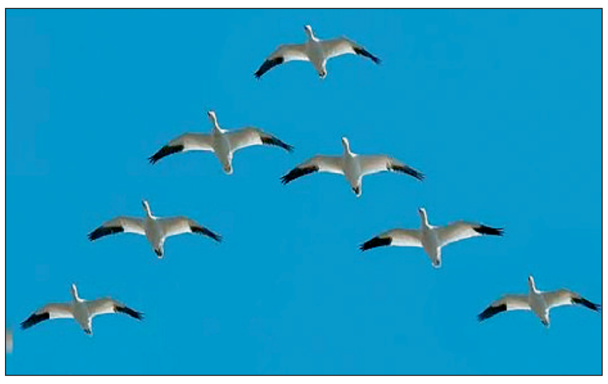

कम ऊर्जा लंबी दूरी की स्मार्ट तकनीक

दरअसल पक्षियों का वी शेप में उड़ना एक स्मार्ट तकनीक है। जब कोई पक्षी उड़ता है, तो उसके पंख हवा को नीचे की ओर धकेलते है। इससे उसके पीछे एक खास तरह की हवा बनती है, जिसे 'अपवॉश' कहते हैं।

सीधी लाइन में न उड़ने का कारण

अगर पक्षी एक सीधी लाइन में एक-दूसरे के पीछे उड़ते है तो इससे पक्षी को डाउनवॉश का सामना करना पड़ता है। इससे हवा नीचे की तरह धकेली जाती है, जिससे पक्षी की उड़ान मुश्किल हो जाती है। इसी समस्या से बचने के लिए पक्षी वी शेप बनाते हैं और फिर उड़ान भरते हैं। दरअसल, वी शेप में उड़ने वाले पक्षी प्रवासी होते है और उन्हें ज्यादा दूरी तय करनी पड़ती है। ऐसे में उनका ऊर्जा बचाना बेहद महत्वपूर्ण होता है।

टीमवर्क, लीडर और कम्युनिकेशन

पक्षियों के झुंड में वी शेप उड़ने पर सबसे आगे उड़ने वाला पक्षी सबसे ज्यादा थकता है। इसीलिए पक्षी बार-बार अपनी जगह बदलकर लीडर बनते हैं, ताकि सबको आराम मिल सके। इस फॉर्मेशन में उड़ने से पक्षी एक-दूसरे को आसानी से देख सकते हैं और तालमेल बनाए रखते हैं। इस प्रकार वे एक-दूसरे की मदद से लंबी यात्रा पूरी करते है।

छत्तीसगढ़ का सर्वप्रथम
लेसर फेशियल
कम दरों में
चेहरे की झुर्रियां, दाग-धब्बे से छुटकारा पाएं, चेहरे में चमक लायें
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

PRADIKSHA HERBAL दर्द अनेक, उपचार एक!
प्रदिक्षा आर्थो ऑयल
Ortho Oil 50 ML
घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक एक बार अवश्य आजमायें।
Custmer Care - 9112637000, 9823286830

NABH Entry Level
ओम हॉस्पिटल
मेडिसिन विभाग
मधुमेह | हृदय रोग
वात रोग | आईसीयू
थायरॉइड रोग
फेफड़ों संबंधित बीमारियाँ
कोविड और कोविड के पश्चात की जटिलताएं
गुर्दे की बीमारी
डायलिसिस की सुविधा
महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.) 8370008551
खरोरा रोड़,तिल्दा (छ.ग.) 9302734809
सरायपाली (छ.ग.) 8370008558
जगदलपुर (छ.ग.) 8435908123
#Rajesh

Dr. Juneja's
Dr. Ortho® ORTHOPAEDIC MATTRESS
Spinal Support For Pain-Free Sleep
Consumer Offer
डा. ऑर्थो मैट्रेस खरीदें और Original Bill दिविसा हर्बल्ज़ प्राइवेट लिमिटेड के मो. नंबर: 8264822252 पर शेयर करें, और पाएं Worth ₹ 1,000/- का डा. ऑर्थो फ्री गिफ्ट हैम्पर
DR. ORTHO REGULAR Mattress — 5 Years Warranty — Size: 72"x72"x4" — MRP: ₹12489/-
DR. ORTHO PREMIUM Mattress — 10 Years Warranty — Size: 72"x72"x5" — MRP: ₹20800/-
Orthopaedic Support — Promotes Proper Spinal Alignment
Pain Relief — Helps Reduce Back & Body Pain
Breathable Comfort — Better Airflow For Comfortable Sleep
Durable & Reliable — Built For Long-lasting Performance
Dr. Ortho Orthopaedic Mattresses are designed to give your body the perfect support and comfort it needs for a deep, pain-free sleep
Contact For Dealership: 85588 07777 • dealership@divisa.in

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH
प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी विभाग
• चोट के कारण होने वाले लकवे (ब्रेकियल प्लेक्सेस) व अन्य नर्व इन्ज्यूरी की माइक्रो नर्व सर्जरी एवं टेन्डन ट्रांसफर द्वारा ईलाज
• कटे हुये हाथ या पैर का इम्प्लान्टेशन (पुन: जोड़ने) की सुविधा
• पैर की ऊंगली से हाथ का अंगूठा बनाने की सुविधा
• हाथों की जन्मजात विकृतियों जैसे ऊंगलियों का चिपका होना, हाथों के टेढ़े-मेढ़े होने का ईलाज
• गठिया के कारण ऊंगलियों की डिफार्मिटी एवं ऊंगलियों के ज्वाइंट रिप्लेसमेंट की सुविधा
आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सी.जी.एच.एस., सभी कोरपोरेट संस्थाओं एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा उपलब्ध
डॉ.नीरज पाण्डेय MBBS, DNB (Plastic Surgery)
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

संजीवनी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल
कैंसर सर्जरी हेतु कुशल टीम
डॉ. अर्पण चतुरमोहता MS, MCH, FIAGES, सर्जिकल विभागाध्यक्ष, कैंसर सर्जन
डॉ. विवेक पटेल MBBS, MS, MCh कैंसर सर्जन
डॉ. कल्याण पांडेय MBBS, MS, MCh, कैंसर सर्जन
डॉ. अनिरुद्ध गुप्ता MBBS, MS, MCh प्लास्टिक सर्जन
डॉ. विकास अग्रवाल MBBS, DINBN, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS, कैंसर सर्जन
डॉ. सागर राठौर MBBS, MS, MCh(Neuro) ब्रेन व स्पाइन कैंसर हेतु
डॉ. घनश्याम हटवार MBBS, MS, MCh(Uro) यूरो एवं किडनी कैंसर हेतु विशेषज्ञ
डॉ. दिव्या खटोड MBBS, MS, DrNB कैंसर सर्जन
डॉ. नेहा जायसवाल MBBS, DGO, DNB, FMAS स्त्री रोग कैंसर सर्जन
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, छ.ग., +91 7389905010, 04010

MushroomAD
Mushroom Soup Powder
हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी
लाखो ग्राहकों का विश्वास
भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद
मशरूम के प्राकृतिक गुणों से भरपूर
• भूख व वजन बढ़ाने में सहायक
• दुबलेपन को दुर करने में सहायक
• प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक
• गैस तथा एसिडीटी के लिए भी लाभदायक
• उर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक
कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक
सभी मेडिकल्स में उपलब्ध. For More details Trade Enquiry 9373556677, 9823286830
SS - पंकज मेडीकोज, बिलासपुर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपुर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांगीया । कं. -8889669996

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com